@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 24 अक्टूबर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 351 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मतदाता सूची के एसआईआर के विरोध में मार्च, कई प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में लिया



नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में स्थिति समय-समय पर तब बिगड़ती है, जब चीनी सेनाएं गश्त के तय तरीकों से हटती हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि दोनों देश सीमा से जुड़े लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए मौजूदा राजनयिक और सैन्य व्यवस्थाओं का लगातार इस्तेमाल कर रहे हैं। इसका मकसद वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गलतफहमी और गलत आकलन से बचना है। जायसवाल ने कहा कि दोनों देश सीमा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए एलएसी के कुछ उपयुक्त क्षेत्रों की समझ बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए भी सहमत हुए हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखना जरूरी है। इससे दोनों देशों के आपसी संबंधों के समग्र विकास में मदद मिलती है।

आईटीबीपी प्रमुख के बयान पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में स्थिति समय-समय पर तब बिगड़ती है, जब चीनी सेनाएं गश्त के तय तरीकों से अलग हटती हैं। दोनों देश मौजूदा राजनयिक और सैन्य व्यवस्थाओं के जरिए मुद्दों को सुलझाने की कोशिश जारी रखे हुए हैं।विदेश मंत्री जयशंकर की अजरबैजान यात्रा पर क्या कहा?

विदेश मंत्री एस जयशंकर की अजरबैजान यात्रा पर जायसवाल ने कहा, जैसा कि आप सभी जानते हैं, हमारे विदेश मंत्री बाकू दौरे पर हैं। वह इस समय वहीं हैं। हमारे प्रधानमंत्री ने बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान अजरबैजान के राष्ट्रपति से मुलाकात की थी। विदेश मंत्री की यह यात्रा उसी बैठक के बाद हो रही है।

दिल्ली में वायु प्रदूषण ने बढ़ाई चिंता

ठंड की दस्तक के साथ खराब होने लगी हवा



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में ठंड की दस्तक के साथ ही हवा की गुणवत्ता खराब होने लगी है। दशहरे से एक दिन पहले जो हवा 'खराब' श्रेणी में नहीं थी उसके अगले ही दिन बिगड़ गई। कई इलाकों में एक्यूआई 250 के बार चला गया। कल भी ऐसा ही था और आज सवेरे भी कई इलाकों में हवा की गुणवत्ता का स्तर 250 पार है। आज सवेरे एम्स के आसपास के इलाकों का एक्यूआई 255 दर्ज किया गया। दिल्ली में प्रदूषण से राहत की उम्मीद के बीच हवा की गुणवत्ता चिंताजनक बनी हुई है। बृहस्पतिवार रात आठ बजे तक दर्ज आंकड़ों में दिल्ली के 42 निगरानी स्टेशनों में से 32 पर वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 200 के पार रहा। इनमें 31 स्टेशन खराब और एक स्टेशन बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। सबसे अधिक 306 एक्यूआई जहांगीरपुरी में रहा। वहीं, नौ स्टेशनों पर हवा मध्यम श्रेणी में दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, प्रदूषण का असर दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में दिखाई दिया। विवेक विहार में एक्यूआई 295, चांदनी चौक में 287, पूसा के आईआईटीएम केंद्र पर 285, सोनिया विहार में 282 और रोहिणी में 281 दर्ज किया गया। बवाना और नरेला में एक्यूआई 270 रहा। प्रदूषकों के स्तर पर भी महीन कणों की मौजूदगी प्रमुख रही। 42 में से 32 स्टेशनों पर पीएम 2.5 प्रमुख प्रदूषक के रूप में दर्ज किया गया, जबकि नौ स्टेशनों पर पीएम 10 प्रमुख रहा। वहीं, मैदान गढ़ी में ओजोन प्रमुख प्रदूषक के रूप में दर्ज हुई। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) के कार्यकारी निदेशक अनुमिता रॉय चौधरी ने बताया कि वाहनों से निकलने वाला धुआं दिल्ली की हवा को पूरे साल प्रभावित करता है। मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियां शुरू होते ही इसका असर प्रदूषण के स्तर में अधिक स्पष्ट दिखाई देने लगता है। इसके उलट, पराली जलाने का प्रभाव एक खास अवधि में बढ़ता है। इसका असर इस बात पर भी निर्भर करता है कि पराली जलने वाले क्षेत्रों से हवा दिल्ली की ओर आ रही है या नहीं।

वंदे मातरम को राष्ट्रगान के बराबर दर्जा देने की मांग



नई दिल्ली (एजेंसी)। वंदे मातरम को राष्ट्रगान जन गण मन के बराबर दर्जा देने की मांग अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। इस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट में लंबित जनहित याचिका को शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने की अपील की गई है। इस याचिका पर 27 अक्तूबर को सुनवाई हो सकती है। याचिका अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की ओर से दाखिल की गई है। उनकी ओर से अधिवक्ता अश्वनी दुबे ने इसे दिल्ली हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट में स्थानांतरित करने की मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट में क्यों लाना चाहते हैं याचिका?

याचिकाकर्ता का कहना है कि इसी तरह की एक याचिका पहले से सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। ऐसे में दिल्ली हाईकोर्ट में चल रही याचिका को भी शीर्ष अदालत में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची व न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ कर सकती है। फिलहाल, याचिका में की गई मांगों पर अदालत का अंतिम फैसला नहीं आया है।

जनहित याचिका में मांग की गई है कि वंदे मातरम को राष्ट्रगान जन गण मन के बराबर दर्जा और सम्मान दिया जाए। याचिकाकर्ता का तर्क है कि वंदे मातरम ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी, इसलिए इसे भी उचित सम्मान मिलना चाहिए।

याचिका में संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद के 1950 में दिए गए बयान का हवाला भी दिया गया है।

याचिकाकर्ता के मुताबिक, जन गण मन में देश की राज्य व्यवस्था से जुड़े भाव व्यक्त होते हैं, जबकि वंदे मातरम देश के चरित्र और पहचान को दर्शाता है। इसी आधार पर दोनों को समान सम्मान देने की मांग की गई है।

पीएम मोदी ने चिन्मय अमृत महोत्सव वैश्विक सम्मेलन का किया उद्घाटन



नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत मंडपम में 'चिन्मय अमृत महोत्सव ग्लोबल सम्मेलन' का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा 'गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद से मुलाकात के बाद लोगों ने मुझे गुजरात का मुख्यमंत्री बनाया। तब से लेकर पिछले 25 वर्षों तक, मैंने सरकार के मुखिया के तौर पर अपनी पूरी क्षमता से देश की सेवा की है।पीएम मोदी ने क्या कहा?

पीएम मोदी ने कहा,'इस कार्यक्रम में आधुनिक तकनीक के जरिए मेरे दिल की भावनाएं और भी जीवंत हो उठीं। पूज्य गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद को इस रूप में देखना और उनके होलोग्राम के साथ बातचीत करने का अवसर मिलना, ऐसा लगा मानो मैं 33 साल पीछे समय में चला गया हूं। 1993 में वडोदरा में गुरुदेव के साथ मेरी मुलाकात, हमारी बातचीत, उनका स्नेह और उनका आशीर्वाद सब कुछ मेरी आंखों के सामने बिल्कुल साफ तौर पर आ गया। एक पल के लिए मुझे ऐसा लगा मानो मैं फिर से उनके साक्षात सानिध्य में हूं। यह मेरे लिए बेहद भावुक कर देने वाला अनुभव था। मुझे यह अद्भुत अनुभव देने के लिए मैं चिन्मय मिशन के सभी सदस्यों का तहे दिल से धन्यवाद करता हूं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं, 'मुझे आज भी याद है कि उनके साथ मेरी पिछली मुलाकात में हमने कितनी गंभीर चर्चा की थी। उस चर्चा का मुख्य विषय था - युवा शक्ति का निर्माण करना और उसके जरिए एक मजबूत और सक्षम भारत बनाना। उनसे मिलने के कुछ साल बाद, लोगों ने मुझे गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करने का अवसर दिया। तब से लेकर पिछले 25 वर्षों तक, मैंने सरकार के मुखिया के तौर पर अपनी पूरी क्षमता से देश की सेवा की है। इस पूरे सफर में गुरुदेव का आशीर्वाद मेरे साथ रहा है।'

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, 'जब देश ने अपनी आजादी के 75 साल पूरे किए, तो मैंने सोचा कि हमें इस अवसर को न केवल 'विकसित भारत' के विजन को प्रेरित करने का एक मंच बनाना चाहिए, बल्कि भारत की उस भावना को भी जीवंत करना चाहिए जो अमर विचारों के साथ जीना जानती है, और हजारों वर्षों के अपने अनुभव के आधार पर, आने वाली पीढ़ियों के लिए पूरी मानवता की चिंता कर सकती है।'बता दें कि 23 से 25 अक्तूबर 2026 तक आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय सम्मेलन में भारत और विदेशों से 9,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल होंगे। यह आयोजन 'चिन्मय मिशन' के 75 वर्षों के उपलक्ष्य में साल भर चलने वाले समारोहों का समापन है। चिन्मय मिशन एक वैश्विक आध्यात्मिक आंदोलन है, जिसकी स्थापना 1951 में स्वामी चिन्मयानंद ने की थी, ताकि वेदांत और भगवद गीता का ज्ञान सभी तक पहुंचाया जा सके। पिछले कुछ दशकों में, इस मिशन ने आध्यात्मिक शिक्षा, सांस्कृतिक संरक्षण, युवा सशक्तिकरण और सामुदायिक सेवा के क्षेत्रों में अपने कार्यों का विस्तार किया है।

जरांगे की ऑडियो क्लिप पर महाराष्ट्र सरकार में तनाव



महाराष्ट्र (एजेंसी)। सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर विवादित ऑडियो क्लिप को लेकर तनाव बढ़ गया है। दरअसल, मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे ने गुरुवार को एक ऑडियो क्लिप जारी की, जिसमें एक महिला कह रही है कि शिंदे के बेटे और सांसद श्रीकांत शिंदे के जरिए जरांगे को 500 करोड़ रुपए दिए गए।इसके सामने आने के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को ऑडियो क्लिप की फॉरेंसिक जांच के आदेश दिए। फडणवीस ने कहा कि क्लिप की पूरी जांच कर सच्चाई सामने लाई जाएगी।इसी मामले में शिवसेना नेता रामदास कदम ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने आरोप लगाया कि BJP के कुछ लोग जरांगे के साथ मिलकर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को राजनीतिक रूप से खत्म करने की साजिश कर रहे हैं।फडणवीस ने नागपुर ग्रेजुएट्स सीट के महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में वोट डालने के बाद मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के प्रतिनिधिमंडल ने उनसे जांच की मांग की थी।शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने ऑडियो में सामने आए BJP नेताओं के नामों पर भी सवाल उठाए हैं। फडणवीस ने कहा कि BJP ने भी जांच की मांग की है।उन्होंने कहा, हम सभी के मन में एक ही सवाल है। ये बातचीत ढाई साल बाद ही क्यों सामने आई? इन्हें सामने लाने के पीछे क्या मकसद है?

निशाने पर कौन है और किस उद्देश्य से?फडणवीस ने कहा कि इस मामले में कई सवाल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि जरांगे ने खुद ऑडियो की जांच की मांग की है। उन्होंने कहा, शिवसेना के प्रतिनिधिमंडल ने जांच मांगी है और BJP ने भी ऐसा किया है। जरांगे ने भी जांच की मांग की है।

आगरा में सपा एमएलसी प्रत्याशी फूट-फूटकर रोए



आगरा(एजेंसी)।अलीगढ़ शिक्षक MLC सीट से सपा प्रत्याशी डॉ. आकाश अग्रवाल शुक्रवार को फूट-फूटकर रोने लगे। वोटिंग में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा- मेरे समर्थकों को परेशान किया जा रहा है। अधिकारी कार्यकताओं के साथ अभद्रता कर रहे हैं। शिकायत के बावजूद सुनवाई नहीं हो रही है।सपा प्रत्याशी ने कहा कि उन्हें हार-जीत से कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि वह आजाद भारत में रह रहे हैं और किस पार्टी से चुनाव लड़ना है, इसका फैसला वह खुद करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदान के दौरान बूथ कैप्चरिंग अब भी हो रही है।शुक्रवार को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक MLC चुनाव के लिए वोटिंग हुई। सपा उम्मीदवार आकाश अग्रवाल ने खेरागढ़ में पीठासीन अधिकारी के खाना खाने के दौरान सभी को बाहर निकालने का आरोप लगाया।उन्होंने छाता बूथ पर भी बूथ कैप्चरिंग का आरोप लगाया। उनका कहना था कि अधिकारियों की ओर से कार्यकताओं के साथ अभद्रता की जा रही है। दोपहर करीब 3 बजे आकाश अग्रवाल बूथ कैप्चरिंग की शिकायत लेकर मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप से मिलने पहुंचे।

स्कूल जा रहे दो बच्चों को ऑटो ने कुचला



पंजाब (एजेंसी)। जालंधर वेस्ट हलके से स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर एक डराने वाली घटना सामने आई है। शुक्रवार को सुबह स्कूल जा रहे दो मासूम बच्चे अचानक एक ऑटो की चपेट में आ गए। इस पूरी दुर्घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें लापरवाही की तस्वीरें साफ नजर आ रही हैं।सामने आए फुटेज के मुताबिक, दोनों बच्चे पैदल अपने स्कूल की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान, पास ही खड़े ऑटो के चालक ने अचानक वाहन चलाना शुरू कर दिया और दोनों बच्चे उसकी चपेट में आ गए। हादसे के तुरंत बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।बच्चों के ऑटो के टायर में बुरी तरह फंस जाने के कारण उन्हें तुरंत बाहर निकालने में काफी परेशानी हुई। हालांकि, मौके पर तुरंत एकत्र हुए साहसी स्थानीय लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए ऑटो को तिरछा किया और किसी तरह दोनों बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला।

मुख्यमंत्री एवं केन्द्रीय मंत्री ने उन्नति कैपेबिलिटी इण्डेक्स तथा नेशनल करिकुलम डिजाइन फ्रेमवर्क (एन0सी0डी0एफ0) का शुभारम्भ किया

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 23 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी एवं केन्द्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) डॉ0 जितेन्द्र सिंह ने आज यहां लोक भवन में भारत सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के अन्तर्गत क्षमता विकास आयोग द्वारा आयोजित मिशन कर्मयोगी की साधना श्रृंखला की उत्तर क्षेत्रीय कार्यशाला का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम के दौरान मिशन कर्मयोगी के अन्तर्गत कार्मिक क्षमता निर्माण में राज्यों के प्रयासों और उपलब्धियों के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। राज्य ने जनवरी, 2026 में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए सात दिवसीय क्षमता विकास कार्यक्रम का अनावरण और साधना सप्ताह में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। निर्भय नेत्री, निर्भय चेतना, कौशल सेतु और कौशल सारथी जैसी पहलों के माध्यम से प्रदेश में क्षमता विकास के व्यापक दृष्टिकांण को आगे ब?ाया गया। आईगॉट कर्मयोगी पोर्टल पर विभागों और मंत्रालयों के आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश के लगभग 19.23 लाख उपयोगकर्ता पंजीकृत हैं, जिनमें 99 प्रतिशत से अधिक सक्रिय हैं। उन्नति (यूनिफाइड न्यू एज नेशनल ट्रेनिंग इनिशिएटिव) के अन्तर्गत प्रदेश के 350 से अधिक प्रशिक्षण संस्थानों का पंजीकरण किया गया है। यह उपलब्धि प्रदेश के अधिकारियों, प्रशिक्षण संस्थानों और मिशन के क्रियान्वयन से जुड़े सभी हितधारकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। मुख्यमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश की ओर से यह सम्मान रुपाम के महानिदेशक श्री एम0 देवराज, निदेशक श्री संजय कुमार और अपर निदेशक एवं नोडल अधिकारी श्री सुनील कुमार चौधरी को प्रदान किया। राजस्थान को द्वितीय तथा जम्मू-कश्मीर को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। उत्तर प्रदेश के बेहतर प्रदर्शन करने वाले विभागों को भी सम्मानित किया गया। श्रेणी 'क' में गृह विभाग को प्रथम और बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग को द्वितीय पुरस्कार मिला। गृह विभाग ने मिशन कर्मयोगी के अन्तर्गत 01 करोड़ से अधिक कोर्स पूर्ण करने का रिकॉर्ड बनाया। श्रेणी 'ख' में उच्च शिक्षा विभाग को प्रथम तथा अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। श्रेणी 'ग' में हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग को प्रथम तथा प्रशासनिक सुधार विभाग को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान क्षमता विकास आयोग की प्रमुख पहलों का शुभारम्भ किया गया। मुख्यमंत्री जी एवं केन्द्रीय मंत्री ने उन्नति कैपेबिलिटी इण्डेक्स का शुभारम्भ किया। इसके माध्यम से देशभर के एक हजार से अधिक प्रशिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता का निरन्तर मूल्यांकन करने की व्यवस्था विकसित की गई है। पहले संस्थानों की गुणवत्ता का मूल्यांकन दो वर्ष में एक बार होता था, जबकि नई व्यवस्था में निरन्तर समीक्षा और सुधार पर जोर दिया गया है। कार्यक्रम के दौरान नेशनल करिकुलम डिजाइन फ्रेमवर्क (एन0सी0डी0एफ0) की शुरुआत भी की गई। यह रूपरेखा कर्मयोगी क्वालिटी फ्रेमवर्क और कर्मयोगी कॉम्पिटेन्सी मॉडल पर आधारित है। इसका उद्देश्य प्रशिक्षण संस्थानों को अधिकारियों की भूमिकाओं, कार्यगत आवश्यकताओं और अपेक्षित दक्षताओं के अनुरूप प्रशिक्षण की योजना बनाने तथा उसे प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए एक समान कार्यप्रणाली उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री जी के समक्ष प्रशिक्षण संस्थानों के बीच ज्ञान, अनुभव, विशेषज्ञता और संसाधनों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए डॉ0 राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबन्धन अकादमी द्वारा विभिन्न राज्य प्रशिक्षण संस्थानों और केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों (एम0ओ0यू0) पर हस्ताक्षर किए गए। मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि लोक सेवक की सफलता केवल फाइलों के निस्तारण तक सीमित नहीं है। **शेष पृष्ठ 3 पर**



बिहार, यूपी, महाराष्ट्र-कर्नाटक की 28 विधान परिषद सीटों पर वोटिंग

यूपी में मतदान के दौरान सपा और भाजपा कार्यकर्ता भिड़े; 27 अक्टूबर को रिजल्ट



नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक की 28 विधान परिषद सीटों पर शुक्रवार को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक वोटिंग हुई। सबसे ज्यादा 11 सीटें यूपी में हैं।

बिहार में 8, महाराष्ट्र में5 और कर्नाटक में 4 सीटों पर वोटिंग हुई। वोटों की गिनती 27 अक्टूबर को होगी। इस दौरान मुजफ्फरनगर में सपा और भाजपा कार्यकर्ता भिड़ गए। राज्यमंत्री कपिलदेव अग्रवाल के सामने दोनों गुटों के बीच मारपीट होने लगी। पुलिसवालों ने बीच-बचाव कर मामले को शांत कराया।

विधान परिषद राज्य की विधानसभा का ऊपरी सदन है, जैसे संसद में राज्यसभा। इसका मकसद है कि विधानसभा में पास होने वाले कानूनों पर एक बार फिर शांत मन से विचार हो। साथ ही पढ़े-लिखे और अनुभवी लोगों को भी सदन में जगह मिले। इसकी ताकत विधानसभा से कम होती है। धन विधेयक यहां पेश नहीं हो सकता। यह एक स्थायी सदन है, यानी भंग नहीं होता। सदस्यों का कार्यकाल 6 साल का होता है और हर 2 साल में एक-तिहाई सदस्य रिटायर होते हैं। इसी वजह से हर दो साल में ऐसे चुनाव होते हैं।फिलहाल उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना। बाकी राज्यों में सिर्फ विधानसभा है।

कैसे होता है MLC का चुनाव

चुनाव में वही वोट डालते हैं जिनका नाम स्नातक या शिक्षक मतदाता सूची में है। ग्रेजुएट सीट के लिए कम से कम तीन साल पहले ग्रेजुएट होना जरूरी है। शिक्षक सीट के लिए माध्यमिक स्तर या उससे ऊपर के स्कूल में कम से कम तीन साल पढ़ाने का अनुभव चाहिए। वोटर बैलेट पर उम्मीदवारों के आगे 1, 2, 3 लिखकर अपनी पसंद का क्रम बताता है।

दिल्ली-एनसीआर में बूंदाबांदी के आसार, प्रदूषण से राहत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में अगले 24 घंटे के दौरान आसमान में हल्के बादल छाने और कुछ इलाकों में बूंदाबांदी होने की संभावना है। हालांकि, इससे वायु प्रदूषण में विशेष राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, 24 अक्टूबर से पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत के मौसम को प्रभावित कर सकता है। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में 25 अक्टूबर तक वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में बने रहने की आशंका है। सुबह और शाम के समय हवा की गति कम रहने से प्रदूषक तत्व वातावरण में जमा रह सकते हैं। ऐसे में हल्की बारिश के बावजूद लोगों को प्रदूषण से तत्काल राहत मिलने की संभावना कम है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार और रविवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। शनिवार को दिन में हवा की गति 15 से 20 किलोमीटर प्रति घंटा रहने की संभावना है, जबकि सुबह और शाम को हवा धीमी पड़ सकती है। उधर, दक्षिण बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र 26 अक्टूबर तक चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। हालांकि, इसका दिल्ली-एनसीआर के मौसम पर विशेष प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं जताई गई है।

मुनाफे का झांसा देकर लाखों की ठगी करने वाले दो शातिर दबोचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी जिला की साइबर पुलिस ने लाखों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान गाजियाबाद के लोनी स्थित इंद्रप्रस्थ के अंकित कुमार और टीला मोड़ निवासी हिमांशु कुमार के रूप में हुई। डीसीपी राहुल अलवाल ने बताया, पीड़ित निखिल डेढ़ा की शिकायत पर पांच अक्तूबर को शिकायत दर्ज की गई थी। पीड़ित का आरोप था कि 'प्रॉस्पर क्लब' और 'वीवीआईपी ग्रुप' नामक व्हाट्सऐप इन्वेस्टमेंट ग्रुप्स के जरिए भारी मुनाफे का झांसा देकर उनसे 15 लाख 83 हजार रुपये की ठगी की गई।जांच में पता चला कि रकम में से 9 लाख 60 हजार रुपये 'कृष्णा एंटरप्राइजेज' नाम के एक बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए थे। जांच में इस फर्म के मालिक के रूप में हिमांशु की पहचान हुई। पुलिस ने हिमांशु को ट्रेस कर हिरासत में लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि हिमांशु ने 25 हजार रुपये के लालच में अपने बैंक खाते के दस्तावेज और उससे जुड़ा सिम कार्ड अपने रिश्तेदार अंकित कुमार को सौंप दिया था। इसके बाद पुलिस ने अंकित कुमार को गिरफ्तार किया। अंकित साइबर ठगों के लिए बैंक खातों का इंतजाम करता था।

प्रॉपर्टी को लेकर चल रहे विवाद में भाई ने की भाई हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जसोला में खौफनाक घटना सामने आई है। यहां प्रॉपर्टी को लेकर चल रहे विवाद में एक भाई ने दूसरे भाई की हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने ऐक्शन लेते हुए आरोपी भाई और उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि इससे पहले भी ओमप्रकाश पर सरिता विहार थाने में मामला दर्ज है। पुलिस को सूचना मिली थी कि दो भाइयों के बीच लड़ाई हुई है। इस दौरान जब पुलिस मौके पर पहुंची तो शुरुआती जांच में पता चला कि जिस घर में दोनों भाई रहते थे वो यमुना का है। यमुना के दो बेटे हैं। ओम प्रकाश और संजय एक ही घर में ऊपर नीचे रहते थे। उनके साथ उनकी पत्नी और उनके बच्चे भी उसी घर में रहते थे। इस दौरान पता चला कि दोनों भाइयों का उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में 5 बीघा जमीन को लेकर विवाद चल रहा था, जिससे दोनों में लड़ाई होती रहती थी। इस दौरान सुबह करीब 7 बजे ओम प्रकाश की पत्नी चंदा मोटर से पानी भर रही थी, तभी नीचे के फ्लोर पर रहने वाले संजय ने मोटर बंद कर दिया। चंदा नीचे आई और संजय से पूछने पर लड़ाई शुरू हो गई। इस दौरान संजय ने चंदा का बाल खींचा और उससे लड़ाई की। लड़ाई के बाद गुस्से में चंदा ऊपर गई और एक लाठी लेकर आई और पास में ही सिक्योरिटी गार्ड का काम करने वाले अपने पति ओमप्रकाश को भी बुला लाई। दोनों भाइयों के बीच हिंसक लड़ाई हुई और एक-दूसरे पर हमला कर दिया। इस दौरान दोनों की मां यमुना को भी गंभीर चोटें आईं, लेकिन एक लाठी का वार संजय के सिर पर लग गया जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई।

गैंगस्टरों को हथियार तस्करी करने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर जिला एनटीएफ ने नवीन बाली-नीरज बवाना गिरोह से जुड़े हथियार तस्कर को गुरुवार को सिविल लाइंस इलाके से गिरफ्तार किया है। आरोपी हर्ष के कब्जे से आठ पिस्टल और 30 कारतूस बरामद किए गए हैं। आरोपी ने बताया कि वे अलीपुर में गोगी गिरोह के सदस्य की हत्या की तैयारी में थे। डीसीपी निहारिका भट्ट ने बताया कि एनटीएफ प्रभारी इंस्पेक्टर आशीष दुबे की टीम को सूचना मिली थी कि हथियार तस्कर सिविल लाइंस इलाके में आने वाला है। इस जानकारी के आधार पर फ्लाईओवर के नीचे एसआई जगबीर ने अन्य पुलिस कर्मियों के साथ आरोपी को दबोच लिया। आरोपी हर्ष की तलाशी लेने पर पिस्टल और कारतूस मिला। आरोपी ने बताया कि नवीन बाली के कहने पर वह यमुना पार से इन हथियारों को लाने गया था जिनका इस्तेमाल अलीपुर में गोगी गिरोह के सदस्य की हत्या करने में किया जाना था।

दिल्ली के तीन स्कूलों को धमकी भरे ईमेल : बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड ने संभाला मोर्चा, खाली कराए गए परिसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के तीन स्कूलों को शुक्रवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल मिले। इसके बाद अधिकारियों ने तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों द्वारा यह जानकारी साझा की गई है। उन्होंने बताया कि अब तक तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। धमकी भरे ईमेल लोदी एस्टेट स्थित सरदार पटेल विद्यालय, रोहिणी स्थित वेंकटेश्वर ग्लोबल स्कूल और मयूर विहार स्थित सलवान पब्लिक स्कूल को मिले। इसके बाद संबंधित अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा ने बताया कि धमकी की सूचना मिलने के बाद टीमों को स्कूलों में भेजा गया। एहतियात के तौर पर स्कूल परिसरों को खाली करा लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि स्कूल परिसरों में बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वॉड, अग्निशमन विभाग और पुलिसकर्मी तलाशी अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि धमकी भरे ईमेल के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

सरकारी स्कूलों की किताबों की छपाई गुणवत्ता पर आप ने उठाए सवाल

-प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने लगाया कमीशन का आरोप लगाते हुए शिक्षा विभाग पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में बच्चों को मुफ्त बांटी जाने वाली किताबों की छपाई को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने रेखा गुप्ता सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि कक्षा एक से आठ तक की किताबों की छपाई के लिए जारी टेंडर में



एनसीईआरटी के तय किए गए मानक की अनदेखी कर घटिया कागज पर किताबें छपवाई गईं। उन्होंने सरकार से कमीशनखोरी का आरोप लगाते हुए जवाब मांगा है। आप मुख्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान शुक्रवार को सौरभ भारद्वाज ने कक्षा आठ की एनसीईआरटी की मल्हार किताब दिखाते हुए दावा किया कि बाजार में उपलब्ध किताब और दिल्ली सरकार की ओर से छपवाई गई किताब की गुणवत्ता में काफी अंतर है। उनके मुताबिक टेंडर में ए-4 आकार और 80 जीएसएम कागज का उल्लेख था, जबकि सरकारी किताब का कागज 60 से 65 जीएसएम का होने का दावा किया। उन्होंने कहा कि सरकारी किताब का कागज भी कम गुणवत्ता वाला है और उसकी छपाई में इस्तेमाल किए गए अक्षर काफी छोटे हैं, जिससे विद्यार्थियों को पढ़ने में परेशानी हो सकती है।

4,000 एमटीएस कर्मचारियों को बढ़े वेतन का तोहफा

-मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बटन दबाकर खातों में भेजी बढ़ी हुई राशि, दिवाली से पहले 2,500 नए सफाई कर्मचारी नियुक्त करने की घोषणा



नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को दिल्ली नगर निगम के लगभग 4,000 बहुउद्देशीय जनस्वास्थ्य कर्मचारियों को समान कार्य के लिए समान वेतन देने के निर्णय के तहत बढ़ी हुई वेतन राशि उनके बैंक खातों में भेजी। निगम मुख्यालय स्थित केदारनाथ साहनी सभागार में आयोजित धन्यवाद समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने बटन दबाकर राशि हस्तांतरित की। इस निर्णय से लंबे समय से दिल्लीवासियों के स्वास्थ्य की रक्षा में जुटे कर्मचारियों को सीधा लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की सेवा करने वाले हजारों कर्मचारियों के हितों, सम्मान और कल्याण की चिंता करना सरकार का दायित्व है।
समारोह में दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही सहित दिल्ली नगर निगम के वरिष्ठ जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार उन सभी कर्मियों के अधिकारों और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है, जो दिन-रात दिल्लीवासियों की सेवा में जुटे रहते हैं।

तीन दशकों की सेवा को मिला सम्मान

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि जनस्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए समान कार्य के बदले समान वेतन सुनिश्चित करने का निर्णय उनके लगभग तीन दशकों के समर्पण, संघर्ष और जनसेवा का सम्मान है। वर्ष 1996 में दिल्ली में डेंगू के प्रकोप के दौरान नियुक्त किए गए इन कर्मचारियों ने वर्षों तक घर-घर जाकर मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम और नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
उन्होंने कहा कि इन कर्मचारियों ने विपरीत परिस्थितियों में भी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया है। उनके योगदान को उचित सम्मान देना सरकार का दायित्व है। सरकार का उद्देश्य केवल प्रशासनिक व्यवस्थाओं में सुधार करना नहीं, बल्कि उन लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना भी है, जो इन व्यवस्थाओं को धरातल पर उतारते हैं।
मुख्यमंत्री ने कहा कि जब कर्मचारियों को उनके कार्य के अनुरूप सम्मान, सुरक्षा और उचित सुविधाएं मिलती हैं, तो उनका मनोबल बढ़ता है। इससे वे अधिक उत्साह और समर्पण के साथ जनता की सेवा कर पाते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि वेतन संबंधी इस निर्णय से कर्मचारियों को आर्थिक राहत मिलने के साथ कार्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता भी मजबूत होगी।

कर्मचारियों के कल्याण को सरकार की प्राथमिकता बताया

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार विभिन्न वर्गों के कर्मचारियों और जनसेवा से जुड़े कर्मियों के हितों को प्राथमिकता दे रही है। आशा कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में वृद्धि तथा नर्सिंग प्रशिक्षुओं के मासिक वजीफे में बढ़ोतरी इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं।
उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि समाज के प्रत्येक वर्ग की सेवा करने वाले कर्मियों को उनके योगदान के अनुरूप सम्मान मिले। कर्मचारियों की आवश्यकताओं और समस्याओं का समाधान करना प्रशासन की जिम्मेदारी है।
रेखा गुप्ता ने कर्मचारियों से जनता के साथ विनम्रता, संवेदनशीलता और सेवाभाव से व्यवहार करने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि जनसेवा में लगे कर्मचारी सरकार का चेहरा होते हैं। उनका व्यवहार ही आम नागरिकों के बीच सरकार की छवि बनाता है। इसलिए प्रत्येक कर्मचारी को नागरिकों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर करना चाहिए और सभी के साथ सम्मानपूर्वक पेश आना चाहिए।
मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि कर्मचारियों की समस्याओं और आवश्यकताओं के समाधान के लिए दिल्ली सरकार उनके साथ खड़ी रहेगी।

हर वर्ष 52 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय

दिल्ली नगर निगम के महापौर प्रवेश वाही ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि निगम के जनस्वास्थ्य कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि का निर्णय उनके हित में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि पिछले बजट में जब एमटीएस जनस्वास्थ्य कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि का प्रस्ताव मुख्यमंत्री के समक्ष रखा गया और इसके लिए प्रतिवर्ष 52 करोड़ रुपये के व्यय की जानकारी दी गई, तो मुख्यमंत्री ने बिना देरी के इसे स्वीकृति प्रदान कर दी।
महापौर ने कहा कि अब इस निर्णय को लागू करते हुए बढ़ी हुई राशि कर्मचारियों के खातों में भेजी गई है। उन्होंने इसे मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में कर्मचारियों के हित में लिया गया महत्वपूर्ण निर्णय बताया।
वाही ने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में कर्मचारियों को वेतन वृद्धि के संबंध में केवल आश्वासन मिले और उनकी समस्याओं का अपेक्षित समाधान नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णयों को लागू करने पर जोर दे रही है।
उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संदेश का भी उल्लेख किया, जिसमें निगम के कर्मचारियों से अपने कार्यों के माध्यम से संस्थान की प्रतिष्ठा बढ़ाने की अपेक्षा की गई थी। महापौर ने कहा कि निगम प्रशासन बेहतर कार्यप्रणाली अपनाकर दिल्लीवासियों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

दिवाली से पहले 2,500 नए सफाई कर्मचारी होंगे नियुक्त

समारोह के दौरान महापौर प्रवेश वाही ने घोषणा की कि दिवाली से पहले दिल्ली की सफाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 2,500 नए स्वच्छता कर्मियों की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान राजधानी की सड़कों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखना निगम की प्राथमिकता है।
महापौर ने कहा कि दिल्ली दिवाली के अवसर पर साफ-सुथरी दिखाई देनी चाहिए। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार नए स्वच्छता कर्मियों की नियुक्ति की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस पहल में विपक्ष की ओर से बाधाएं डालने का प्रयास किया गया, लेकिन निगम अपने उद्देश्य से पीछे नहीं हटा।
उन्होंने कहा कि आगामी त्योहारों के दौरान बाजारों और अन्य सार्वजनिक स्थानों की सफाई सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। नए कर्मचारियों की नियुक्ति से सफाई व्यवस्था को मजबूत करने और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलने की उम्मीद है।

एमटीएस कर्मचारियों को मिलेगा न्यूनतम 18,000 रुपये का वेतन

दिल्ली नगर निगम के आयुक्त संजीव खिरवार ने कर्मचारियों की नियुक्ति और वेतन व्यवस्था के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि डेंगू की रोकथाम के उद्देश्य से वर्ष 1997 में घरेलू स्तर पर मच्छरों के प्रजनन की निगरानी और बीमारी की रोकथाम के लिए डीबीसी कर्मचारियों के पद सृजित किए गए थे। बाद में इन कर्मचारियों को एमटीएस जनस्वास्थ्य के रूप में नई पहचान मिली।
उन्होंने बताया कि समान कार्य के लिए समान वेतन के निर्णय के तहत इन कर्मचारियों को वेतनमान के स्तर-1 का न्यूनतम मूल वेतन 18,000 रुपये और इसके अतिरिक्त परिवर्तनशील महंगाई भत्ता दिया जाएगा।
आयुक्त ने कहा कि इस निर्णय से कर्मचारियों को आर्थिक लाभ मिलने के साथ उनके मनोबल में भी वृद्धि होगी। इससे वे अधिक लगन और मेहनत के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकेंगे। उन्होंने जनस्वास्थ्य कर्मचारियों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि बीमारी की रोकथाम और नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा में उनका योगदान सराहनीय है।

नेता सदन ने सरकार के प्रयासों की सराहना की

दिल्ली नगर निगम में नेता सदन जय भगवान यादव ने एमटीएस जनस्वास्थ्य कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में दिल्ली विकास के नए आयाम स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।
यादव ने पिछली सरकार के कार्यकाल पर सवाल उठाते हुए कर्मचारियों के वेतन भुगतान की व्यवस्था में सुधार का दावा किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान कार्यकाल में कर्मचारियों को प्रत्येक महीने की 1 तारीख को वेतन मिलना सामान्य व्यवस्था बन गई है। उन्होंने दिल्ली में विभिन्न विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री का आभार भी व्यक्त किया।

कार्यक्रम में निगम के वरिष्ठ पदाधिकारी रहे मौजूद

समारोह में उपमहापौर डॉ. मोनिका पंत, स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा, स्थायी समिति के उपाध्यक्ष सत्यपाल सिंह, नेता सदन जय भगवान यादव, स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष विकेश सेठी और मलेरिया समिति की अध्यक्ष नीता बिष्ट सहित कई पार्षद उपस्थित रहे।
इसके अलावा निगम आयुक्त संजीव खिरवार, अतिरिक्त आयुक्त अरुण कुमार मिश्रा, निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक रावत, डॉ. लक्ष्मन वर्मा तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। बड़ी संख्या में एमटीएस जनस्वास्थ्य कर्मचारी समारोह में मौजूद रहे।
कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों के वेतन, सम्मान और कल्याण से जुड़े मुद्दों पर जोर दिया गया। समान कार्य के लिए समान वेतन का निर्णय और दिवाली से पहले 2,500 नए स्वच्छता कर्मियों की नियुक्ति की घोषणा को राजधानी की जनस्वास्थ्य एवं सफाई व्यवस्था मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया।

मतदाता सूची के एसआईआर के विरोध में मार्च, कई प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में लिया

नई दिल्ली, एजेंसी।
राष्ट्रीय राजधानी में 'एसआईआर के खिलाफ मार्च' के दौरान दिल्ली पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। यह मार्च मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में भारत निर्वाचन आयोग मुख्यालय की ओर बढ़ रहा था। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारे लगाए। उन पर मतदाताओं के कथित विलोपन का आरोप लगाया गया। नारों में 'ज्ञानेश कुमार, इस्तीफा दो' और 'वोट चोरी बर्दाश्त नहीं' जैसे शब्द शामिल थे। इस प्रदर्शन में वरिष्ठ सीपीआई(एम) नेता वृंदा करात भी शामिल हुईं। ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक वीमेंस एसोसिएशन (एआईडीडब्ल्यूए) और ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन (एआईडीएसओ) के सदस्य भी मौजूद थे। यह मार्च गोल डाक खाना के पास, कालीबाड़ी मार्ग और भाई वीर सिंह मार्ग के चौराहे से शुरू होकर निर्वाचन आयोग मुख्यालय की ओर बढ़ रहा था।



दिल्ली में प्रदूषण फैलाने वाली 3 औद्योगिक इकाइयां सील

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए नगर निगम ने सख्त कार्रवाई करते हुए 3 औद्योगिक इकाइयों को सील कर दिया। पश्चिमी क्षेत्र में ब्रह्मपुरी और चंचल पार्क में चलाए गए संयुक्त अभियान के दौरान संबंधित इकाइयों के बिजली कनेक्शन काटने के साथ उनके मीटर भी जब्त कर लिए गए।

7 इकाइयों का किया गया निरीक्षण

दिल्ली नगर निगम ने राजस्व विभाग, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति, बीएसईएस और दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर यह अभियान चलाया। इसके तहत वार्ड संख्या 110 (कुंवर सिंह नगर) और



वार्ड संख्या 111 (बापरोला) में निरीक्षण किया गया। अभियान के दौरान 6 औद्योगिक इकाइयों और 1 गोदाम सहित कुल 7 इकाइयों की जांच की गई।

प्रदूषण फैलाने वालों पर सख्ती

निरीक्षण के दौरान प्रदूषण फैलाने वाली 3 औद्योगिक इकाइयों को संयुक्त टीम ने मौके पर ही सील कर दिया। साथ ही, उनके बिजली कनेक्शन काट दिए गए और मीटर जब्त कर लिए गए।
नगर निगम के इस अभियान का उद्देश्य प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों की पहचान कर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करना है। अधिकारियों के बीच समन्वय के जरिए क्षेत्र में प्रदूषण नियंत्रण के प्रयास तेज किए जा रहे हैं।

दिल्ली में 70वें राष्ट्रीय स्कूल खेलों का आगाज

-14 खेलों में 14,000 से अधिक खिलाड़ी लेंगे हिस्सा, तीन चरणों में होंगी प्रतियोगिताएं



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में 70वें राष्ट्रीय स्कूल खेल 2026-27 का शुक्रवार को त्यागराज स्टेडियम में विधिवत शुभारंभ हुआ। दिल्ली के शिक्षा एवं खेल मंत्री आशीष सूद ने प्रतियोगिताओं का उद्घाटन करते हुए देशभर से आए युवा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इन खेलों के अंतर्गत राजधानी में 14 खेलों की प्रतियोगिताएं तीन चरणों में आयोजित की जाएंगी, जिनमें विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से 14,000 से अधिक खिलाड़ी एवं अधिकारी भाग लेंगे। दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय की खेल शाखा द्वारा आयोजित इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य युवा प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने के साथ देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारी, प्रख्यात खिलाड़ी तथा विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रतियोगिताओं का आयोजन स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में किया जा रहा है।

तीन चरणों में होंगी 14 खेल प्रतियोगिताएं

दिल्ली सरकार के अनुसार, 70वें राष्ट्रीय स्कूल खेलों की प्रतियोगिताएं तीन चरणों में आयोजित की जाएंगी। पहले चरण की प्रतियोगिताएं 22 से 28 अक्टूबर 2026 तक, दूसरे चरण की प्रतियोगिताएं 30 अक्टूबर से 5 नवंबर 2026 तक और तीसरे चरण की प्रतियोगिताएं 28 जनवरी से 3 फरवरी 2027 तक होंगी। इन प्रतियोगिताओं में देश के विभिन्न राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों और अन्य प्रतिभागी इकाइयों के खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। बड़ी संख्या में खिलाड़ियों की भागीदारी से राजधानी में खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता साबित करने का अवसर मिलेगा।

खेलों को करियर बनाने का माध्यम मानें युवा : आशीष सूद

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए शिक्षा एवं खेल मंत्री आशीष सूद ने कहा कि राष्ट्रीय स्कूल खेल केवल प्रतियोगिता नहीं हैं, बल्कि देश की भावी खेल व्यवस्था को मजबूत बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। दिल्ली को इन खेलों की मेजबानी मिलना राजधानी के लिए गर्व की बात है। सरकार का प्रयास है कि दिल्ली में खेल संस्कृति को नई ऊर्जा मिले और युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने के बेहतर अवसर प्राप्त हों।

युवा को विधान सभा के समृद्ध इतिहास से जोड़ना जिम्मेदार पीढ़ी के निर्माण के लिए आवश्यक है : विजेन्द्र गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली विधान सभा के माननीय अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने शुक्रवार को विधान सभा सदन में ÷दिल्ली विधान सभा= इंपीरियल सेक्रेटेरिएट से ओल्ड सेक्रेटेरिएट तक÷ शीर्षक से तैयार सचित्र विद्यार्थी पुस्तिका का लोकार्पण किया। यह पुस्तिका दिल्ली विधान सभा की समृद्ध ऐतिहासिक यात्रा, स्थापत्य विरासत और महत्त्व को सरल, आकर्षक एवं रोचक ढंग से प्रस्तुत करती है।
इस पुस्तिका का लोकार्पण दिल्ली विधान सभा के साप्ताहिक युवा संपर्क कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित शैक्षिक भ्रमण के दौरान किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से स्कूली विद्यार्थियों को विधान सभा की कार्यप्रणाली, इतिहास और लोकतांत्रिक महत्त्व से परिचित कराया जाता है। वरिष्ठ शोधकर्ता श्री गुंजन अग्रवाल द्वारा हिंदी और



अंग्रेजी, दोनों भाषाओं में तैयार की गई यह पुस्तिका युवा विद्यार्थियों को भारत की संसदीय परंपराओं की गहरी समझ विकसित करने और विधान सभा की ऐतिहासिक विरासत से जुड़ने में सहायता करेगी।
देश की लोकतांत्रिक विरासत से युवा पीढ़ी को जोड़ने के महत्त्व पर बल देते हुए विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार की शैक्षिक पहल विद्यार्थियों में जागरूकता, जिज्ञासा और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति सम्मान विकसित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रोचक और ज्ञानवर्धक शैक्षिक संसाधनों के माध्यम से विधान सभा के इतिहास को विद्यार्थियों के लिए सुलभ बनाया जाना आवश्यक है।
यह पुस्तिका दिल्ली विधान सभा के ऐतिहासिक विकास और इसके प्रतिष्ठित भवन की यात्रा को प्रस्तुत करती है। इसमें इंपीरियल सेक्रेटेरिएट से ओल्ड सेक्रेटेरिएट तक भवन के परिवर्तन और विकास को समझाया गया है। रेखाचित्रों, रोचक ऐतिहासिक प्रसंगों और सहज भाषा के माध्यम से यह विद्यार्थियों को संस्थान के अतीत तथा दिल्ली की विधायी और लोकतांत्रिक यात्रा में इसकी स्थायी प्रासंगिकता की जानकारी प्रदान करती है।
यह प्रकाशन युवा संपर्क कार्यक्रम के अंतर्गत विधान सभा का भ्रमण करने वाले विद्यार्थियों के लिए एक उपयोगी शैक्षिक संसाधन के रूप में तैयार किया गया है। ऐतिहासिक तथ्यों को बच्चों के अनुकूल और सरल स्वरूप में प्रस्तुत करके यह पुस्तिका विधान सभा की विरासत को उनके लिए अधिक सहज और प्रासंगिक बनाती है। साथ ही, यह युवा पीढ़ी को भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने वाली संस्थाओं के बारे में जानने और समझने के लिए प्रेरित करती है।
युवा संपर्क कार्यक्रम और शैक्षिक प्रकाशनों जैसी पहलों के माध्यम से दिल्ली विधान सभा अपनी ऐतिहासिक विरासत के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने तथा युवा पीढ़ी में लोकतांत्रिक चेतना को प्रोत्साहित करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री एवं केन्द्रीय मंत्री ने उन्नति कैपेबिलिटी इण्डेक्स तथा नेशनल करिकुलम डिजाइन फ्रेमवर्क (एन0सी0डी0एफ0) का शुभारम्भ किया

प्रथम पृष्ठ का शेष

बल्कि इस बात में है कि उसके पास आने वाले बुजुर्ग, युवा, महिला, अन्नदाता किसान और जरूरतमन्द नागरिक की समस्या का समयबद्ध समाधान हो तथा उसके चेहरे पर सन्तुष्टि दिखाई दे। शासन की व्यवस्था को नागरिक–केन्द्रित बनाना हम सभी का दायित्व है। इसके लिए कार्मिकों की क्षमता का निरन्तर विकास, उनकी संवेदनशीलता, जवाबदेही और कार्य के प्रति सेवा भाव आवश्यक है। इस दृष्टि से मिशन कर्मयोगी केवल प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोक सेवा की कार्यसंस्कृति में परिवर्तन लाने वाला राष्ट्रीय अभियान है। साधना श्रृंखला की उत्तर क्षेत्रीय कार्यशाला के लिए उत्तर प्रदेश का चयन प्रदेश के कार्मिकों की क्षमता विकास के प्रयासों को आगे बढ़ाने में सहायक होगा। इस कार्यशाला में आठ राज्यों एवं चार केन्द्रशासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारियों और प्रतिनिधियों की सहभागिता से एक–दूसरे के अनुभवों को जानने, समझने तथा श्रेष्ठ कार्यपद्धतियों को अपनाने का अवसर प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि केवल डिग्री प्राप्त कर लेने अथवा नियुक्ति पत्र मिल जाने से कोई व्यक्ति पूरी तरह योग्य नहीं हो जाता। उसे नई तकनीक, बदलती आवश्यकताओं और व्यावहारिक परिस्थितियों के अनुरूप निरन्तर सक्षम बनाना आवश्यक है। टालने की कार्यसंस्कृति के कारण नागरिकों को समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए अधिकारियों और कर्मचारियों को केवल नियमों के दायरे में काम करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि अपनी भूमिका और दायित्व को समझकर सकारात्मक परिणाम देने के लिए तैयार होना चाहिए। क्षमता विकास से कार्मिकों को अपने कार्य की व्यापक समझ प्राप्त होती है और वे विभागीय सीमाओं से ऊपर उठकर नागरिकों की समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। अयोग्य व लापरवाह व्यक्ति का किसी पद पर बने रहना व्यवस्था के लिए नुकसानदेह है। ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी, जिसमें योग्य व्यक्ति को योग्य पद पर तैनात किया जाए, उसकी क्षमता का निरन्तर विकास हो तथा उसके कार्य और पदोन्नति के बीच उचित सम्बन्ध स्थापित हो। उत्तर प्रदेश में अब तक 19.26 लाख सरकारी कार्मिक आईगॉट कर्मयोगी पोर्टल पर पंजीकृत हो चुके हैं। लगभग चार करोड़ प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूर्ण किए जा चुके हैं। प्रदेश के 334 से अधिक प्रशिक्षण संस्थान उन्नति पोर्टल से जु? चुके हैं। प्रशिक्षण की सफलता केवल पंजीकरण, पाठ्यक्रमों अथवा प्रमाणपत्रों की संख्या से नहीं मापी जानी चाहिए। इसका वास्तविक परिणाम प्रशिक्षण के बाद लिए गए बेहतर निर्णयों, सरल हुई प्रक्रियाओं, प्रभावी कार्यप्रणाली और नागरिकों को मिलने वाली बेहतर सेवाओं में दिखाई देना चाहिए। किसी पीड़ित की सन्तुष्टि और शिकायतकर्ता की समस्या का समाधान शासन की सफलता का महत्वपूर्ण मानक है। आदतन शिकायत करने वालों के मामले अलग हो सकते हैं, लेकिन सामान्य नागरिक की समस्या का समाधान समयबद्ध तरीके से होना चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल तकनीक तेजी से शासन के स्वरूप को बदल रही हैं। लोक सेवकों को इन परिवर्तनों के अनुरूप सक्षम बनाना होगा। इसी उद्देश्य से लखनऊ स्थित डॉ0 राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबन्धन अकादमी को आधुनिक तकनीक और क्षमता विकास के क्षेत्र में विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। तकनीक शासन को गति दे सकती है, प्रक्रियाओं को सरल बना सकती है और निर्णयों को बेहतर बना सकती है, लेकिन शासन को संवेदनशील केवल कार्मिक का सेवा भाव ही बनाता है। इसलिए तकनीकी दक्षता के साथ मानवीय संवेदना और नागरिकों के प्रति उत्तरदायित्व को समान महत्व देना होगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विकसित भारत का निर्माण केवल बेहतर नीतियां बनाने से नहीं होगा, बल्कि उन नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करने वाले सक्षम, संवेदनशील और परिणामोन्मुखी प्रशासन की भी आवश्यकता है। उत्तर प्रदेश में पॉलिसी पैरालिसिस की स्थिति से बाहर निकलकर विभिन्न क्षेत्रों में 36 सेक्टोरल पॉलिसीज बनाई गई हैं। प्रदेश की परिवर्तन यात्रा में क्षमता विकास, बेहतर प्रशासनिक कार्यसंस्कृति और नागरिक–केन्द्रित दृष्टिकोण की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर तीन महत्वपूर्ण घोषणाएं करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में क्षमता विकास के प्रयासों को और प्रभावी बनाने के लिए डॉ0 राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबन्धन अकादमी (रुपाम) को आर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है। क्षमता विकास आयोग इस दिशा में पहल करे तो प्रदेश सरकार और रुपाम इसके लिए तैयार हैं। ग्राम पंचायतों तथा नगरीय निकायों के कार्मिकों की क्षमता विकास के लिए विशेष प्रयास किए जाने चाहिए। नगर पंचायत, नगर पालिका परिषद और नगर निगम सहित सभी नगरीय निकायों में कार्यरत कार्मिकों को भी सक्षम बनाने की आवश्यकता है। विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों को आत्मनिर्भर बनाना होगा। ये शासन की बुनियादी इकाइयां हैं। इनकी क्षमता को मजबूत करने के साथ जवाबदेही तय करना और इन्हें नागरिक–केन्द्रित बनाना भी आवश्यक है। मुख्यमंत्री जी ने 'द राइट ऑफिशियल फॉर द राइट रोल' अर्थात सही पद के लिए सही अधिकारी की अवधारणा को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर देते हुए कहा कि क्षमता विकास आयोग और रूपाम मिलकर प्रत्येक अधिकारी एवं कार्मिक की कार्यक्षमता और उसकी भूमिका के अनुरूप तैनाती की व्यवस्था विकसित करें। सम्बन्धित अधिकारी की सफलता की कहानियों, कार्य निष्पादन तथा वार्षिक गोपनीय आख्या (ए0सी0आर0) को उसकी पदोन्नति से जोड़ने की दिशा में प्रयास किया जाना चाहिए। इससे योग्य व्यक्ति को उपयुक्त स्थान पर तैनात करने और प्रशासनिक कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि साधना श्रृंखला की यह कार्यशाला उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों के अधिकारियों को एक–दूसरे के अच्छे अनुभवों से सीखने का अवसर प्रदान करेगी। उत्तर प्रदेश में किए गए अच्छे प्रयास दूसरे राज्यों के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं, वहीं अन्य राज्यों के अनुभवों से प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। उत्तर प्रदेश भारत की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य होने के साथ ही प्रकृति और परमात्मा की असीम कृपा से सम्पन्न प्रदेश है। यहां अत्यन्त उर्वर भूमि, प्रचुर जल संसाधन और देश की सबसे बड़ी युवा कार्यशक्ति उपलब्ध है। इसके बावजूद लम्बे समय तक प्रदेश अपनी सम्भावनाओं को उपलब्धियों में परिवर्तित नहीं कर पाया। इसके पीछे आवश्यक क्षमता विकास और उसे नेतृत्व प्रदान करने वाली राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव प्रमुख कारणों में से एक था। यही स्थिति प्रदेश में अव्यवस्था और अराजकता के लिए भी जिम्मेदार रही। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन और दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने इस स्थिति को बदला है। आज प्रदेश के नागरिकों और प्रशासनिक मशीनरी के सामने पहचान का संकट नहीं है,

NAME CHANGE

I, Suman Khari W/O Amit Khari R/O RZ A-19, Badarpur, Pul Prahaladpur, South Delhi 110044 Have changed the name of my minor son (Sushant Kumar, aged 15 years) to Sushant Khari for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Suman Khari W/O Amit Khari R/O RZ A-19, Badarpur, Pul Prahaladpur, South Delhi 110044 Have changed the name of my minor son (Aman Kumar, aged 17 years) to Aman Khari for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as AYSHA BEGAM W/O NOOR MOHAMMAD R/O G-03/10, GALI NO-3, ANSARI HOTEL, SANGAM VIHAR, WAJIRABAD, NORTH DELHI, DELHI-110084, have changed my name and shall hereafter be known as AAESHA BEGAM.

NAME CHANGE

I, GURMUKH SINGH RANDHAWA S/O GURJEET SINGH RANDHAWA R/O WZ-213 Ground Floor Gali No-3 Near Gurudwara Varinder Nagar New Delhi Jail Road Po: Janakpuri C-4 DIST West Delhi Delhi-110058 have changed the name of my minor son GURPREET SINGH RANDHAWA aged 04 years and he shall hereafter be known as ADVIK SINGH RANDHAWA.

NAME CHANGE

I, hitherto known as V shiva prasad S/o RAMA MOHANA RAO R/o House No. 221/10, UGF, Front Portion, Garhi, Amritpuri - B, East of Kailash, New Delhi-110065, have changed my name and shall hereafter be known as VALLURI SIVA PRASAD

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Mrs. Rajni & Mr. Ravinder Kumar in respect of **SF-02, Second Floor, Front Side Portion, admeasuring 100 Sq. yards, built on Property no. 111/9, out of Khasra no. 1170. (As per Property documents khasra no. 2724/1668, 2947/2730) of village Mehrauli, Village Kishan Garh, Mehrauli, New Delhi- 110070.; for** Lost OF Property document i.e, ORIGINAL GPA DATED 01.06.2015 EXECUTED BY M/S REAL INNINGS BUILDCON THROUGH ITS PARTNERS ANJEEV LOHIA AND LALIT KHATANA IN FAVOUR OF MRS. RAJNI AND MR. RAVINDER KUMAR IN RESPECT OF SF-02, SECOND FLOOR, FRONT SIDE PORTION, ADMEASURING 100 SQ. YARDS, BUILT ON PROPERTY NO. 111/9, OUT OF KHASRA NO. 1170, ALONG WITH THE AGREEMENT TO SELL (ATS) AND WILL. **An E-FIR was registered for the same examined by E-Police vide LR No. 743505/2026 on 23.10.2026,** This property is mortgaged with **Piramal Finance Limited.** Any person(s)/ Institution(s) found/finds the same may please send us to the address mentioned herein. Anyone misusing the same shall be liable for action under relevant provisions of the Law of the Land, If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुव्वकिल राजपाल सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह, निवासी बाग राणप टावर वाली गली, लोनी गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने अपने बेटे सूरज, सूरज की पत्नी खुशबू, पवन और पवन की पत्नी रुचि को उनके गलत आचरण और माता पिता की देखभाल ना करने के कारण मेरे मुव्वकिल ने अपने दोनों पुत्रों और उनकी पत्नियों को अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है।

AJAY SHARMA ADVOCATE
Chamber No. 478, Saket Court,
Lawyers Block, New Delhi-110017

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, ARSALA D/O JAMEEL AHMAD R/O H-107, BABAR STREET, BATLA HOUSE, OKHLA, NCT OF DELHI-110025 declare that name of my mother has been wrongly written as FARZANA BI in my 10th Class Educational Documents and Passport No-U6226263. The actual name of my Mother is FARZANA BEGUM which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, POONAM W/o AMIT TOMAR R/o Nagla, Jagrup, Marthara, Etah, Uttar Pradesh-207001, declare that name of mine has been wrongly written as MUNEESHA DEVI in my minor Son AKCHAY TOMAR aged 10 years in his School Records. The actual name of mine is POONAM respectively which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, ANIS S/o MOHD HASMAT ALI, R/o H. No. RZ-F-69, Gali No.4, UGF, Near Radhe Radhe Store, Mahavir Enclave, South West Delhi-110045, declare that name of mine and my mother has been wrongly written as ANEESH and SHARDA in my 10th educational documents. The actual name of mine and my mother are ANIS and RAHISH BANO, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Amit Kumar S/o Mr. Subhash Chand is the owner of Freehold Residential Plot No. 37-E & 37-D, area measuring 50 Sq. Yds., i.e., 41.80 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 254, Situated at Menka Palace, New Abadi Balkeshwar Hari Parwat Ward, Tehsil & District Agra, U.P. by virtue of Sale Deed dated 26.05.2026 duly registered Vide Document No. 5361, in Book No. 1, Volume No. 6331, on Pages No. 371-384, in the office of SR- Sadar V, Agra. in the chain Documents below mentioned documents not available i.e. (1) Original Sale Deed dated 29.12.1989 executed by Nav Jyoti Vikas Sehkari Awas Samiti Limited, Agra in favour of Mrs. Sarwati Devi Vide Document No. 7394 SR- Agra & (2) Original Sale Deed dated 29.12.1989 executed by Nav Jyoti Vikas Sehkari Awas Samiti Limited, Agra in favour of Mrs. Sarwati Devi Vide Document No. 6913 SR- Agra now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Noida Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, MAHIPAL SINGH, Father of No. 15703463Y, Rank-NK, Name-PYARE LAL Residing at VPO-POSANA, TEHSIL-UDAIPURWATI, DISTT-JHUNJHUNUN, RAJASTHAN-333022, have changed my name from MAHIPAL SINGH to MAHIPAL for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1963 instead of my correct date of birth as 01/01/1963, Vide Affidavit dated 23/10/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, No. 17011021P Rank-NK Name-GUTALA RAMESH NAIDU legal father of GUTALA NAVA DEEPU resident of VILL & POST-DASULLA PALEM, TEHSIL-LAKKAVARAPU KOTA, DIST-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535161 have changed my minor son's name from GUTALA NAVA DEEPU to GUTALA NAVDEEP for all future purposes vide affidavit dated 23/10/2026 Before Executive Magistrate, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, KANDULA MANMADHARAO father of No- 13626276L Rank- HAV Name- MAHESWARA RAO KANDULA, permanent residing at VILL-AVALANGI, POST-PALAKONDA, DISTT-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532462, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/04/1959 instead of my correct date of birth as 18/03/1958 vide affidavit dated 23/10/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
FOR CANCELLATION OF DISOWNMENT

It is hereby notified to the general public that my clients, SHIV KUMAR and his wife USHA DEVI, both residents of Plot No. E-207/A, Khasra No. 77/18, Rajeev Nagar Extension, Begum Pur, Delhi-110086, hereby withdraw and cancel the earlier public notice of disownment and disinheritance issued in respect of their son GURVINDER RAY and daughter-in-law MICKY KUMARI.
The earlier declaration of disownment and disinheritance shall stand withdrawn and cancelled with effect from the date of publication of this notice. The parties shall be governed by their respective legal rights and obligations under the applicable law. This notice is being issued for the information of the general public and all concerned persons.

Mohd Tahir Qidwai Advocate
Chamber: 484,Lawyer Block,
Saket Court, New Delhi-110017.

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mr. Gaurang Puri (50% Share) & Mr. Gaurav Puri (50% Share) is the owner and in possession of a Freehold Residential Entire Second Floor without roof rights covered area measuring 92.449 Sq. Mtr. "Said Floor" along with indivisible Share in Plot Bearing No. 358-A area measuring 215.28 Sq Yds in Block-C Situated in the residential colony known as Sushant Lok-I, Village Sarhaul, Sukhrali, Chakkarpur, Salokhera, Kanhai Tehsil & Distt Gurgaon, Haryana. Our client acquired the said property by virtue of a Transfer Deed dated 16.09.2026, Vide Doc No. 10974, Vol No. 802/1901, page No. 137.25, dated 16.09.2026, SRO-Wazirabad. In the chain of documents, (1) Original Allotment Letter & Possession Letter issued by M/s Ansal Properties & Industries Pvt Ltd in favour of Mr. Vijay Ghei, (2) SMC of Late Mr. Vinod Kumar Puri Expired on 12.12.2023 & (3) Probate of Will dated 18.02.2021 are not available, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. and the said property to be financed / mortgaged with DCB Bank Limited., Branch: Karol Bagh New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 15 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

It is for general information that I, Aamir S/o Alam R/o 102, 1, Kishorpur, Kishore Pur, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203155 declare that name of my father has been wrongly written as Shamshaad in my Pan Card No-EFPPA9914B. The actual name of my father is Alam.

NAME CHANGE

I VANSH JAIN MOTHER OF PRIYANKA JAIN R/O H.No 4314 GALI BARNA KHURD PAHARI DHIRAJ DELHI-110006. HAVE CHANGED MY NAME FROM VANSH JAIN TO BHAVYANSH JAIN FOR ALL FUTURE PURPOSES,THEY BOTH ARE SAME PERSON.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, KANDULA KRISHNAVENI mother of No- 13626276L Rank- HAV Name- MAHESWARA RAO KANDULA, permanent residing at VILL-AVALANGI, POST-PALAKONDA, DISTT-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532462, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 09/11/1964 instead of my correct date of birth as 12/05/1968 vide affidavit dated 23/10/2026 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किला श्रीमति नशरीन खातून पत्नी श्री स्व0 मो. समद पता– मकान न0–F–17/516, गली न.–17, चाँदबाग, दयालपुर, दिल्ली 110094, ने अपने पुत्र शादाब उम्र करीब 33 साल एवं उसकी पत्नी खुशनुमा और उसके बच्चे बेटी आयात उम्र 4 साल वेटा जुहान उम्र। साल 8 महीने से उनके गलत आचरण के कारण अपने संबंध विच्छेद कर लिये है। व उन्हें अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कार्य के लिए मेरी मुवक्किल श्रीमति नशरीन खातून जिम्मेदार नहीं होंगी। यदि कोई व्यक्ति उनसे किसी भी प्रकार का कोई लेन–देन करता है तो वे स्वंय जिम्मेदार होगे।

HEENA Advocate
Ch.No.F-714, F-Block
7 Floor, Karkardooma Courts. Delhi.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सुश्री हिमांशी कुमारी (प्रस्तावित क्रेता) ग्राम छपरौला, परगना एवं तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित खसरा संख्या 334 में से 84 वर्ग मीटर क्षेत्रफल के एक भूखंड को श्री अनिल कुमार गुप्ता, श्री गगन गुप्ता एवं श्रीमती नैना गुप्ता से क्रय करने का इरादा रखती हैं। उक्त संपत्ति मूल रूप से श्री अनिल कुमार गुप्ता एवं श्रीमती सरवेश के संयुक्त स्वामित्व में थी, जिन्होंने उक्त संपत्ति को श्रीमती ओमवती से दिनांक 01.06.2021 के विक्रय विलेख के माध्यम से क्रय किया था, जो दस्तावेज संख्या 16526 के रूप में पंजीकृत है। दुर्भाग्यवश, श्रीमती सरवेश का दिनांक 07.04.2025 को निधन हो गया तथा वे अपने पीछे निम्नलिखित कानूनी वारिसों को छोड़ गईं– श्री अनिल कुमार गुप्ता (पति), श्री गगन गुप्ता (पुत्र) एवं श्रीमती नैना गुप्ता (पुत्री)। जाँच हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों एवं उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर, उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भारों, ग्रहणाधिकारों, प्रभारों, बंधकों, कुर्कियों, अधिग्रहण संबंधी कार्यवाहियों, मुकदमों एवं तृतीय पक्ष के दावों से मुक्त प्रतीत होती है। उक्त संपत्ति के प्रस्तावित क्रय हेतु आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा कार्यालय– ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जानी प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार का अधिकार, हक, हित, दावा, आपत्ति, भार, बंधक अथवा अन्य कोई तृतीय–पक्ष हित हो, तो वह इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर अपने दावे/आपत्ति की सूचना संबंधित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि के पश्चात प्राप्त किसी भी दावे या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल–
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I, SUBHASH DEVI mother of No. 15703463Y, Rank-NK, Name-PYARE LAL Residing at VPO-POSANA, TEHSIL-UDAIPURWATI, DISTT-JHUNJHUNUN, RAJASTHAN-333022, have changed my name from SUBHASH DEVI to SUBHASH for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1960 instead of my correct date of birth as 01/01/1966, Vide Affidavit dated 23/10/2026 before Notary Public Delhi.

Lost & Found

I, Dharam Chand Meena, son of late Shri Gangadhar Meena, residing at Flat No. 231, Pocket 16, Adarsh Apartments, Sector 3, Dwarka, New Delhi-110078, hereby state that my original property documents – the original part paper of Conveyance Deed, previously coneveyance deed in the name of Sumer Chand Garg and Shashi Garg, bearing registration number 21060, Book No. 1, Volume No. 2, 245, pages 28 to 29 dated 09.10.2006, currently this property registered in myself and my wife name. The property paper has been lost on 21/10/2026. If anyone finds this paper, please contact to me on this Mobile No. 9650049553.

NAME CHANGE

I, KULDEEP MAHAVIRSINGH TYAGI S/o MAHAVIRSINGH JAGDEV TYAGI R/o Plot No.B-202, Flat No.A-3, Ok Apartment, Balaji Enclave, Govindpuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201013 have changed my name to TYAGI KULDEEP MAHAVIR.

NAME CHANGE

I, Deepak Chhabra R/o A-15, Saraswati Garden, New Delhi-110015 have changed the name of my minor son from Panav to Panav Chhabra.

NAME CHANGE

I, AWDHESH KUMAR SHARMA S/O KRISHNA KUMAR SHARMA R/O GRAM AMORHA KHAS POST AMORHA KHAS BASTI UTTAR PRADESH 272127, CHANGED MY NAME TO AVADHESH SHARMA.

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that my clients namely (1) Sh. Ramesh Chand S/o Late Mamchand (2) Smt. Santosh W/o Sh. Ramesh Chand both R/o 183 Prajapat Mohalla, Bagdola Village, Dist: South West Delhi, Delhi-110077, have disowned, debarred their daughter namely Shweta D/o Sh. Ramesh Chand from all their moveable and immoveable properties, as she is because all of her above named are out of control of my clients. My clients have severed all relations with her. Anyone dealing with them may do so at his/her own risks, costs and consequences.

SANJAY DAGAR Advocate
Enrl.no. D/1898/2022
Chamber No.438,
Lawyers Chamber Complex
District Courts Dwarka, Sector 10,
New Delhi-110075
Mob. No. 9818132922

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Mr. Neeraj Kumar Gaur and Mr. Pankaj Kumar** in respect of **Residential Flat No. S.F-2, on Second Floor with Roof rights, Front Side, area measuring 39.94 Sq. meter, built on Freehold Plot No. Niti Khand I/828, Situated in Residential Colony "NITI Khand-I Indirapuram", Ghaziabad Tehsil and District Ghaziabad,** claiming to have undisputed ownership. **Anand Rathi Global Finance Ltd.** [ARGFL] will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 15 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

Be it known to all general public, that my client Sh Tarsem Singh Bagga S/o Late Sh Amar Singh Bagga R/O House No. 160, Gali No 6, Block-L Sangam Vihar New Dellhi-110080, has disowned from his moveable and immoveable property to his wife Jasvindra Kaur Bagga @ Salma R/o Room no. 302, Netaji chs b-a, kalyanwadi, thewar nagar, Mumbai, PO: Dharavi, Mumbai, Maharashtra-400017, his daughters Amarjeet Kaur @ Mahram aged about 53 years & Manjeet Kaur aged about 49 years and son Inderjeet Singh aged about 51 years. Smt Jasvinder Kaur along with all said children had left the company of my client in the year 1988 and started living with a Muslim namely Halim Choudhary as his wife. Smt Jasvinder Kaur along with all said children had converted their religion from Hindu to Muslim and never come to join the company of my client since 1988. My client Tarsem Singh Bagga has severed all family relations with his wife and children and disowned them from his self acquired moveable and immoveable property by virtue of this public notice.

Radhey Shyam (Advocate)

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Mrs. Kiranin** respect of **Entire First Floor without Roof Rights, Built on Property no. C-24, area measuring 35 sq. yds., Out of Khasra no. 67/16/2, situated in the revenue estate of Village Hastsal, Delhi Abadi Colony Known as Hastsal Vihar, in Block-C, Uttam Nagar, New Delhi-110059** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती ओमवती (पत्नी श्री जय प्रकाश) एक आवासीय संपत्ति के तीसरे फ्लोर (पूरी मंजिल) की मालकिन हैं। इसमें छत के अधिकार भी शामिल हैं। इस हिस्से का क्षेत्रफल 47.5 वर्ग गज है और कुल क्षेत्रफल 95 वर्ग गज है। यह संपत्ति फ्री होल्ड है, जिसका नंबर WZ–696 है (खसरा नंबर 369 से)। यह दिल्ली के गांव सलेमपुर माजरा मादीपुर इलाके में स्थित है, जिसे अब ऋषि नगर, शकूरबस्ती, दिल्ली–34 के नाम से जाना जाता है। यह अधिकार उन्हें 13.06.2011 के रजिस्टर्ड ड्डक्ष्क्र,्रञ्जस् ओर 04.06.2011 की रजिस्टर्ड वसीयत (WILL) के जरिए मिले हैं। यह Irrevocable General Power of Attorney, SR-VIA नई दिल्ली में 13.06.2011 को रजिस्टर्ड हुई थी (डॉक्यूमेंट नंबर 2864, बुक नंबर 4, वॉल्यूम नंबर 818, पेज 1–6)। इसे श्रीमती प्रेम लता (पत्नी श्री रमेश चंद्र) द्वारा निष्पादित किया गया था। अब यह संपत्ति श्रीमती सबिता दास को बेची जा रही है, जिसके लिए SMFG इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा फाइनेंस (ऋण) दिया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का इस संपत्ति पर कोई दावा, अधिकार, मालिकाना हक या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot no. 20, Koushambhi near
HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com,
Ph: 8130309204

NAME CHANGE

I, No-15815880M Rank-HAV, Name-PARVEEN KUMAR, R/o VPO-KAMACH KHERA, TEHSIL-JULANA, DIST-JIND, HARYANA-126101, have changed my mother's name from KAMLA DEVI to KAMLA for all future purposes vide affidavit dated 23/10/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NARENDRA SINGH BHADAURIYA father of No 14874836K, Rank-HAV, Name-GYANENDRA SINGH BHADAURIYA residing at VPO-TERHA, PO-BARUWA SUMERPUR, TEHSIL & DIST-HAMIRPUR, UTTAR PRADESH-210502 have changed my name NARENDRA SINGH BHADAURIYA to NARENDRA SINGH for all future purposes vide Affidavit Dated 23/10/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Ms. Shara Garg** is the owner of **Plot Bearing No. 32, area measuring 249 Sq. Yards, Plot no. 33A measuring 280 Sq. yards and Plot no. 33B measuring 250 Sq. Yards (Total measuring 779 Sq. Yards), Out of Khasra No. 14/25/2, situated in the area of Revenue Estate of Village Nangli Sakrawati, known as Nangli Sakrawati, Industrial area, Najafgarh, New Delhi.** vide **3 Different GPA, ATS and WILL along with 3 Different Sale Deeds dated 07.08.2026, Vide Document No. 2026/16/I/12190, Sale Deed dated 20.08.2026, Document No. 2026/16/I/12701, Sale Deed dated 20.08.2026, Document No. 2026/16/I/12702.** and Intend to mortgage the said property with **Tata Capital Limited** office address 1st Floor, Prem Sadan Tower, Rajendra Palace Delhi-110008. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 7 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुनीता गुजेला, पत्नी श्री बृजेश गुजेला, श्रीमती मोनिका राय से संपत्ति संख्या F–29, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, खसरा संख्या 7/2 में से, ग्राम मटियाला, दिल्ली राज्य के राजस्व क्षेत्र में स्थित तथा ओम विहार एक्सटेंशन, उत्तम नगर, नई दिल्ली के नाम से ज्ञात संपत्ति के निर्मित द्वितीय तल, बिना छत/टैरेस के अधिकारों के, को खरीदने की इच्छुक हैं। प्रारंभ में, उक्त संपत्ति की स्वामिनी श्रीमती राधा रानी थीं, जिन्होंने दिनांक 20.10.2017 के विक्रय विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति प्राप्त की थी। तत्पश्चात, श्रीमती राधा रानी ने दिनांक 31.08.2018 को अपनी पुत्री श्रीमती मंजू शुक्ला के पक्ष में पारिवारिक वसीयत निष्पादित की थी। दुर्भाग्यवश, श्रीमती राधा रानी, पत्नी स्वर्गीय श्री हरि शंकर शुक्ला, का निधन हो गया। इसके पश्चात, श्रीमती मंजू शुक्ला उर्फ मल्होत्रा ने दिनांक 29.12.2025 को निष्पादित दस्तावेजों, जिनमें सामान्य मुख्तारनामा (GPA), विक्रय अनुबंध (Agreement to Sell/ATS) तथा वसीयत शामिल हैं, के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती मोनिका राय के पक्ष में हस्तांतरित की। उक्त संपत्ति के स्वामित्व संबंधी दस्तावेजों की श्रृंखला में शामिल मूल विक्रय विलेख, दिनांक 20.10.2017, दस्तावेज संख्या 17533, खो गया है। इस संबंध में ऑनलाइन एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है, जिसका संदर्भ संख्या स्न्र ह्रश्व. 741672/2026 तथा दिनांक 22.10.2026 है। जांच हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों तथा उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर, उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भारों, ग्रहणाधिकारों, प्रभारों, बंधकों, कुर्कियों, अधिग्रहणों, मुकदमों तथा तृतीय पक्ष के दावों से मुक्त प्रतीत होती है। उक्त संपत्ति की प्रस्तावित खरीद के लिए वित्तपोषण आदित्य बिरला कैपिटल फाइनेंस लिमिटेड, शाखा कार्यालय– नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार का अधिकार, हक, हित, दावा, आपत्ति, भार, बंधक अथवा अन्य कोई तृतीय-पक्ष हित हो, तो वह इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर अपने दावे/आपत्ति की सूचना संबंधित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि के पश्चात प्राप्त किसी भी दावे या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल–
kumarw®wvashwani@gmail.com

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्तः **कपिल, पुत्रः राम पाल सिंह, निवासीः गांव रहीशपुर, थाना कवि नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **FIR No. 29/2019 दिनांक 16.03.2019 U/S 279/337 IPC & 66(1)/192A MV Act** के तहत एक मामला **थाना पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र, पूर्वी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि अभियुक्त **कपिल** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **कपिल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **FIR No. 29/2019 दिनांक 16.03.2019 U/S 279/337 IPC & 66(1)/192A MV Act, थाना पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र, पूर्वी जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **कपिल**, को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए **दिनांक 30.01.2027** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, श्री पी. भार्गव राव,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–05 (पूर्व),
कोर्ट नंबर 03, दूसरी मंजिल,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली।

DP/15212/ED/2026
(अदालती मामला)

कार्यालय– दंतेश्वरी मैया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित बालोद, जिला–बालोद(छ.ग.)

/ / ई–निविदा सूचना / /

ई–निविदा क्रं. 202422, 202410, 202411, 202413, 202414, 197852, 197849, 202417, 202419 व 202421
दिनांक– 23 / 10 / 2026

दंतेश्वरी मैया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित बालोद द्वारा पेराई सत्र 2026–27 हेतु मरम्मत के लिए विभिन्न Authorised इंजीनियरिंग सामग्रीयां क्रय, विभिन्न Non-Authorised इंजीनियरिंग सामग्रीयॉ क्रय, विभिन्न सर्विसिंग कार्यो व वर्ष 25–26 में उत्पादित लगभग 200 मि.टन मोलासीस विक्रय हेतु तृतीय ई–निविदाएं, स्क्रेप सामग्रीयों के विक्रय हेतु द्वितीय ई–निविदा एवं दैनिक ठेका श्रमिक नियोजन, सुरक्षा श्रमिक नियोजन, विभिन्न केमिकल, चूना, सल्फर, लेब्रोट्री एवं पैकिंग सामग्रीयां क्रय, जेसीबी व ट्रेक्टर के माध्यम से कार्यो एवं विभिन्न ठेका कार्यो हेतु प्रथम ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई–निविदाओं हेतु इच्छुक फर्मो/निविदाकार द्वारा भाग लेने के लिए ई–टेण्डर के वेबसाईट में जाकर पृथक–पृथक ई–निविदा हेतु फार्म राशि 1000/– + 311/–चिप्स के द्वारा ली जाने वाली सर्विस चार्ज ऑनलाईन के माध्यम से जमा कर शासकीय ऑनलाईन वेबसाईट (E-procurement Portal:http://eproc.cgstate.gov.in) में फार्म अपलोड किया जाना है।

नोटः–निविदा की शर्ते व नियम निविदा प्रपत्र कारखाने के वेब साईड **www.dmsskm.com** में भी अवलोकन कर सकते है।
ई–निविदा हेतु तकनीकि सहयोग के लिए सम्पर्क–9098817773 एवं अन्य जानकारी हेतु 9907406733, 9713961777

प्रबंध संचालक

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि नामः **चंदन कुमार, पुत्रः राम प्रकाश, निवासीः फ्लैट नंबर बी-114, ब्लॉक-ओ, इंद्र प्रसाद कॉलोनी, फेज-I, टीला शाहबाजपुर, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) इसके विरूद्ध **CT No.667/2020 U/S 138 NI Act** के तहत एक मामला **थाना भजन पुरा, उत्तर–पूर्वी ज़िला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि अभियुक्त **चंदन कुमार** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **चंदन कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा है कि **CT No.667/2020 U/S 138 NI Act, थाना भजन पुरा, उत्तर–पूर्वी ज़िला, दिल्ली** के अभियुक्त उक्त **चंदन कुमार** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए **23.12.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, किरणदीप कौर
न्यायिक दण्डधिकारी प्रथम श्रेणी-01
कमरा नंबर 05, दूसरी मंजिल, उत्तर–पूर्व
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/15084/NE/2026
(अदालती मामला)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्ता **जेसी नवीन, पत्नीः** नवीन कुमार, **निवासीः** म.नं. बी–133, भूतल, मेन शालीमार गार्डन, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उ.प्र.–201005; एवं ए–1/98, डीएलएफ, दिलशाद विस्तार–2, भोपुरा, गाजियाबाद, उ.प्र; एवं वार्ड नं. 10, प्रसूति एवं महिला रोग विभाग, गुरु तेग बहादुर अस्पताल, दिलशाद गार्डन, दिल्ली–110095 ने मुकदमा **CT No. 1346/2017, थानाः गोकलपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्ता **जेसी नवीन** मिल नहीं रही है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्ता **जेसी नवीन** फरार हो गयी है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **CT No. 1346/2017, थानाः गोकलपुरी, दिल्ली** की उक्त अभियुक्ता **जेसी नवीन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.11.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री तान्या बामनियाल
मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी
कमरा नं. 68, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/15098/NE/2026
(Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक–गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए–4/ए–144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

संक्षिप्त डायरी

बिजली वितरण के निजीकरण के विरोध में आज रोडवेज डिपो पर प्रदर्शन

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम और नूंह में बिजली वितरण के लिए निजी कंपनियों को समानांतर लाइसेंस देने के प्रस्ताव के विरोध में हरियाणा रोडवेज कर्मचारी राज्य सांझा मोर्चा शुक्रवार को सभी रोडवेज डिपो पर प्रदर्शन करेगा। गुरुग्राम डिपो में कर्मचारियों की ओर से दो घंटे तक विरोध जताया जाएगा। मोर्चा ने सरकार से बिजली वितरण के निजीकरण का फैसला वापस लेने और बिजली व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की है। सांझा मोर्चा के राज्य प्रधान पवन सहारन, राज्य उपप्रधान संदीप दलाल और गुरुग्राम डिपो के पदाधिकारियों सतेंद्र कादयान, अमित राठी, मनीष दलाल व रविंद्र हुड्डा ने संयुक्त बयान में कहा कि सरकार गुरुग्राम और नूंह में बिजली वितरण का काम निजी कंपनी पावर-11 को 25 साल के लिए देने की तैयारी कर रही है। उनका कहना है कि दोनों जिले बिजली राजस्व के लिहाज से लाभ की स्थिति में हैं। पदाधिकारियों ने सरकार से समानांतर लाइसेंस देने और 25 साल के ठेके की योजना पर पुनर्विचार करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बिजली वितरण व्यवस्था को निजी हाथों में सौंपने के बजाय सरकारी बिजली व्यवस्था को मजबूत किया जाना चाहिए। इसी मांग को लेकर शुक्रवार को गुरुग्राम सहित प्रदेश के सभी रोडवेज डिपो में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

पुनहाना में मिठाइयों और पनीर के नमूने लिए, जांच के लिए लैब भेजे जाएंगे

एजेंसी

गुरुग्राम। खाद्य पदार्थों की शुद्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने पुनहाना में मिठाइयों और पनीर के नमूने लिए। विभाग की ओर से लिए गए नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजा जाएगा, ताकि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और निर्धारित मानकों की पुष्टि हो सके।खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. विकास जागलान ने मिठाई विक्रेताओं से दुकानों और मिठाई बनाने वाले स्थानों पर साफ-सफाई रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना प्रत्येक खाद्य कारोबारी की जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देश दिए कि दुकानदार मिठाइयों के नाम, उनकी बिक्री दर और निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री जैसे घी, वनस्पति या तेल की जानकारी काउंटर पर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करें।

बाल दिवस प्रतियोगिताओं में बच्चों ने बिखेरे प्रतिभा के रंग

एजेंसी

गुरुग्राम। बाल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में स्कूली बच्चे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। जिला बाल कल्याण परिषद की ओर से आयोजित इन प्रतियोगिताओं के दूसरे दिन विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक, रचनात्मक और बौद्धिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को अपनी प्रतिभा निखारने और आगे बढ़ने के लिए बेहतर मंच प्रदान करना है। उपायुक्त एवं जिला बाल कल्याण परिषद के अध्यक्ष अखिल पिलानी के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जीएस मलिक ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान सोलो डांस, गायन, देशभक्ति ग्रुप सॉन्ग, हरियाणवी रागनी, रंगोली, मेहंदी, पोस्टर मेकिंग और क्विज सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं। जिला बाल कल्याण अधिकारी अनिल दहिया ने कहा कि प्रतियोगिताओं में भाग लेना बच्चों के आत्मविश्वास और सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण है। लेखाकार उदय चंद ने बताया कि 21 से 24 अक्टूबर तक 22 प्रतियोगिताएं 48 ग्रुप में आयोजित की जा रही हैं। 23 अक्टूबर को ग्रुप-2 की प्रतियोगिताएं होंगी।

पापड़ी गांव में पानी निकासी के लिए सीवर लाइन बिछाने का कार्य शुरू

एजेंसी

गुरुग्राम। ग्राम पंचायत गंगवानी के पापड़ी गांव में लंबे समय से चली आ रही जलभराव की समस्या से ग्रामीणों को जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। गांव में पानी की निकासी के लिए सीवर लाइन दबाने का कार्य शुरू किया गया है। इसके पूरा होने के बाद ग्रामीणों को जलभराव की समस्या से निजात मिलने के साथ ही आवागमन में भी सुविधा होगी। गौरतलब है कि पापड़ी गांव में लंबे समय से पानी जमा होने के कारण लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। विशेष रूप से अकबरपुर से पापड़ी आने-जाने वाले ग्रामीणों को काफी दिक्कतें होती थी। रास्ते में पानी भरने से लोगों को आवागमन में परेशानी झेलनी पड़ती थी। ग्रामीणों को इस समस्या से राहत दिलाने के लिए पानी निकासी की व्यवस्था की जा रही है। जिला परिषद चेयरमैन जान मोहम्मद ने बताया कि गांव में पानी निकासी के लिए सीवर लाइन दबाने का कार्य किया जा रहा है। प्रयास है कि इस कार्य को जल्द पूरा कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को लंबे समय से बनी समस्या से राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनसमस्याओं का समाधान करना प्राथमिकता है। ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और विकास कार्यों को गति देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कार्य पूरा होने के बाद लोगों को आवागमन में राहत मिलेगी।

उजीना पुल के पास बाइक की टक्कर से महिला की मौत, चालक पर केस दर्ज

एजेंसी

गुरुग्राम। उजीना पुल के पास कच्चे रास्ते पर सवारी का इंतजार कर रही एक महिला को तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल महिला की नल्हड़ मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मोटरसाइकिल चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में संजय कुमार निवासी खेड़ली ने बताया कि 20 अक्टूबर की शाम करीब छह बजे वह अपनी भाभी सीमा रानी के साथ उजीना पुल के पास कच्चे रास्ते पर सवारी का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान मोटरसाइकिल चालक तेज गति और लापरवाही से आया और उसकी भाभी को सीधी टक्कर मार दी। हादसे में सीमा रानी गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे निजी वाहन से नल्हड़ मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जांच अधिकारी एएसआई कृष्णपाल के अनुसार शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मोटरसाइकिल चालक की पहचान कर मामले की जांच कर रही है।

कार चालक ने तीन युवकों को मारी टक्कर

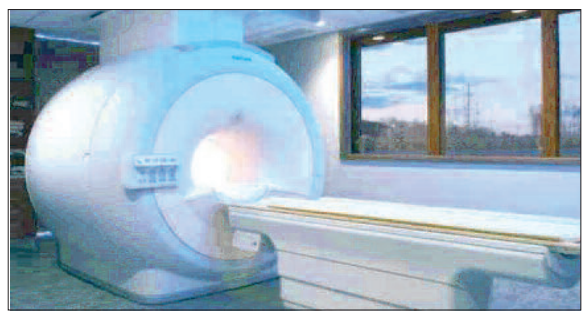
एजेंसी

नोएडा। नॉलेज पार्क क्षेत्र में कार चला रहे चालक ने पैदल जा रहे युवक और उसके दो दोस्तों को टक्कर मार दी। पुलिस ने बुधवार को अज्ञात कार चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। बिहार निवासी अमित कुमार उपाध्याय ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 20 अक्तूबर की रात उनका भतीजा राज गौरव पैदल पेट्रोल भरवाने के लिए तुगलपुर पेट्रोल पंप जा रहा था। उसके साथ दोस्त आदित्य सिंह और शिवांग सिंह बाइक से स्कूटी को पैर से धक्का देते हुए ले जा रहे थे। जैसे ही यह लोग स्टेलर टी प्वाइंट के पास पहुंचे। पीछे से तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रही एक होंडा सिटी कार ने जानबूझकर टक्कर मार दी। हादसे में राज गौरव के पूरे शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं, जबकि उसके दोनों दोस्तों को भी काफी चोटें लगी हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

कैलाश अस्पताल में नई एमआरआई मशीन शुरू

एजेंसी

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में कैलाश अस्पताल, ग्रेटर नोएडा ने अत्याधुनिक एमआरआई मशीन की शुरूआत की है। नीदरलैंड की कंपनी फिलिप्स द्वारा निर्मित ह्यएम्बिशन एक्सह्व नामक यह मशीन हीलियम-मुक्त तकनीक, तेज जांच और उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीरें तैयार करने की क्षमता से लैस है। लगभग 18 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित इस मशीन से मस्तिष्क, हृदय, कैंसर, तंत्रिका तंत्र और शरीर के अन्य अंगों से संबंधित जटिल बीमारियों की जांच में चिकित्सकों को सहायता मिलेगी। अस्पताल को उम्मीद है कि नई सुविधा से मरीजों को उन्नत जांच सेवाएं उपलब्ध कराने की क्षमता बढ़ेगी और प्रतिदिन होने वाली एमआरआई जांचों की संख्या में भी वृद्धि होगी। आधुनिक तकनीक से जांच प्रक्रिया होगी बेहतर



कैलाश हेल्थकेयर समूह के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा गौतमबुद्धनगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा ने नई मशीन की शुरूआत के अवसर पर बताया कि चिकित्सा क्षेत्र में तकनीक तेजी से बदल रही है। मरीजों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अस्पताल में इस नई मशीन को स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि एमआरआई जांच के दौरान कई मरीजों को बंद जगह में रहने के कारण घबराहट महसूस होती है। नई मशीन का वाइड-बोर डिजाइन ऐसे मरीजों को अपेक्षाकृत अधिक जगह उपलब्ध कराता है, जिससे जांच के दौरान असहजता कम करने में मदद मिल सकती है। इसकी तेज जांच क्षमता से चिकित्सकीय आवश्यकता के अनुसार कम समय में जांच पूरी करना भी संभव हो सकता है। डॉ. महेश शर्मा के अनुसार, पहले अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 25 से 30 एमआरआई जांच होती थीं। नई तकनीक उपलब्ध होने से जांच की क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि अस्पताल का उद्देश्य मरीजों को बेहतर और आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। मस्तिष्क, हृदय और कैंसर की जांच में मिलेगी सहायता नई एमआरआई मशीन के माध्यम से कई प्रकार की विशेष जांचें की जा सकेंगी। इनमें हृदय की एमआरआई, स्तन संबंधी विस्तृत जांच, भ्रूण की एमआरआई, मस्तिष्क की रक्तवाहिकाओं की जांच, मस्तिष्क में रक्त प्रवाह का आकलन और आघात के कारण होने वाली मस्तिष्क संबंधी क्षति का मूल्यांकन शामिल है। इसके अलावा, कैंसर और ट्यूमर की स्थिति का आकलन, मस्तिष्क की संरचनाओं का अध्ययन, रक्तवाहिकाओं में असामान्यताओं की पहचान तथा हृदय की मांसपेशियों से जुड़ी बीमारियों की जांच में भी इस तकनीक का उपयोग किया जा सकेगा। एमआरआई से शरीर के अंदरूनी अंगों और ऊतकों की विस्तृत तस्वीरें प्राप्त होती हैं। इन तस्वीरों के आधार पर चिकित्सक बीमारी की प्रकृति और उसकी स्थिति का आकलन करने में सहायता प्राप्त करते हैं। हालांकि, जांच का चयन मरीज की स्थिति और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार किया जाएगा। वाइड-बोर डिजाइन से मरीजों को मिलेगी राहत नई मशीन की प्रमुख विशेषताओं में इसका चौड़ा जांच कक्ष शामिल है। सामान्य एमआरआई जांच के दौरान बंद स्थान में घबराहट महसूस करने वाले मरीजों के लिए यह डिजाइन अधिक सुविधाजनक हो सकता है। इसकी तेज जांच तकनीक कुछ प्रकार की जांचों में मशीन के भीतर बिताए जाने वाले समय को कम करने में भी सहायक हो सकती है। मशीन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित चित्र निर्माण की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। इससे जांच के दौरान प्राप्त तस्वीरों की गुणवत्ता और चिकित्सकीय उपयोगिता को बेहतर बनाने में सहायता मिल सकती है। इसके साथ ही तस्वीरों को सुरक्षित रखने, व्यवस्थित करने और चिकित्सकों तक पहुंचाने के लिए अस्पताल में चित्र संग्रह एवं प्रबंधन प्रणाली भी उपलब्ध है। मरीजों की सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था एमआरआई जांच से पहले मरीजों की आवश्यक सुरक्षा संबंधी जांच की जाती है। इस प्रक्रिया में शरीर में मौजूद धातु की वस्तुओं, प्रत्यारोपित उपकरणों और अन्य संभावित जोखिमों की जानकारी ली जाती है। जांच के दौरान मरीज की स्थिति के अनुसार विशेष निगरानी उपकरणों का उपयोग भी किया जा सकता है। अस्पताल के अनुसार, नई मशीन में मरीजों की निगरानी के लिए बहु-पैरामीटर निगरानी और नाड़ी में ऑक्सीजन के स्तर को मापने जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि तेज जांच, उन्नत चित्र निर्माण तकनीक और मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखकर तैयार किए गए डिजाइन से अस्पताल की जांच संबंधी क्षमताएं मजबूत होंगी। उन्होंने बताया कि इस सुविधा से तंत्रिका रोग, मस्तिष्क शल्य चिकित्सा, हड्डी एवं जोड़ रोग, हृदय रोग, कैंसर, स्त्री रोग और आपातकालीन चिकित्सा सहित विभिन्न विभागों को सहायता मिलेगी। बेहतर चित्रों के माध्यम से चिकित्सकों को बीमारी का आकलन करने और उपचार संबंधी निर्णय लेने में मदद मिल सकती है। दिल्ली-एनसीआर के मरीजों को मिलेगी उन्नत सुविधा कैलाश अस्पताल, ग्रेटर नोएडा में नई एमआरआई मशीन की शुरूआत से ग्रेटर नोएडा, नोएडा और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को आधुनिक जांच सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। हीलियम-मुक्त तकनीक, तेज जांच क्षमता और मरीजों की सुविधा पर केंद्रित डिजाइन इस मशीन की प्रमुख विशेषताएं हैं। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, नई सुविधा से विभिन्न चिकित्सा विभागों को उन्नत जांच सहायता उपलब्ध कराने के साथ मरीजों की जांच प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया जाएगा। इससे क्षेत्र में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार और जटिल बीमारियों के मूल्यांकन में सहायता मिलने की उम्मीद है।

संदिग्ध परिस्थिति में महिला की मौत

एजेंसी

नोएडा। ग्रेनो वेस्ट और जेवर क्षेत्र से हाल ही में सामने आए मामलों के बीच, जेवर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रन्हेरा गांव से एक बेहद दर्दनाक और दुखद खबर सामने आई है। यहाँ घरेलू कलह और पारिवारिक विवाद के चलते एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। इस घटना के बाद से पूरे गांव में सनसनी फैल गई है और परिवार में कोहराम मचा हुआ है। क्या है पूरा मामला? मिली जानकारी के अनुसार, रन्हेरा गांव में रहने वाली एक महिला पिछले कुछ दिनों से काफी मानसिक तनाव और घरेलू कलह से जूझ रही थी। स्थानीय निवासियों और परिजनों से प्राप्त शुरूआती जानकारी के अनुसार, गृह क्लेश से तंग आकर महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। जब परिजनों को इस बात की भनक लगी, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। आनन-फानन में परिवार के लोग महिला को लेकर एक स्थानीय निजी अस्पताल पहुंचे, ताकि समय रहते उसकी जान बचाई जा सके।अस्पताल में डॉक्टरों ने महिला की गंभीर हालत को देखते हुए तुरंत उसका इलाज शुरू किया, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद उसकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। आखिरकार, बुधवार को इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। इस अचानक हुई मौत से पूरा परिवार गहरे सदमे में है। बीस साल पहले हुई थी शादी, भरा-पूरा है परिवार मृतका के पारिवारिक जीवन की बात करें तो उसकी शादी करीब बीस साल पहले हुई थी। वह अपने परिवार के साथ लंबे समय से रन्हेरा गांव में रह रही थी। उसके परिवार में उसका पति और तीन बच्चे हैं, जिनमें दो बेटे और एक बेटी शामिल हैं। इतने लंबे समय तक सुखी जीवन बिताने के बाद अचानक इस तरह की घटना घट जाना हर किसी को हैरान कर रहा है। बच्चों के सिर से मां का साया उठ जाने के कारण परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। आसपास के लोग भी इस दुखद घटना से स्तब्ध हैं।पुलिस का पक्ष और जांच की स्थिति

सेंचुरियन कप: ग्लैक्सी रेंजर्स ने एलीट फोर्स 11 को 46 रन से हराया, अमित सिंह बने मैन ऑफ द मैच

एजेंसी

नोएडा। ग्लैक्सी रेंजर्स की शानदार बल्लेबाजी टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ग्लैक्सी रेंजर्स की शुरूआत उम्मीद के मुताबिक रही। हालांकि पारी के दौरान विकेट गिरने का सिलसिला भी जारी रहा, लेकिन टीम ने निर्धारित ओवरों में एक सम्मानजनक और चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में सफलता हासिल की। ग्लैक्सी रेंजर्स ने निर्धारित ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 166 रन का मजबूत स्कोर बोर्ड पर टांगा। टीम की ओर से बल्लेबाजी में राहुल ने सबसे अहम और जिम्मेदारी भरी पारी खेली। उन्होंने मैदान के चारों ओर बेहतरीन शॉट लगाते हुए 49 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया और अपनी टीम को एक मजबूत स्थिति तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उनके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी छोटे-छोटे लेकिन उपयोगी योगदान दिए, जिसके दम पर टीम 166 के स्कोर तक पहुंचने में कामयाब रही। एलीट फोर्स 11 की कसी हुई गेंदबाजी एलीट फोर्स 11 के गेंदबाजों



ने शुरूआत से ही ग्लैक्सी रेंजर्स के बल्लेबाजों पर दबाव बनाने की पूरी कोशिश की। टीम के गेंदबाजों ने अनुशासित गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीम के 9 बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। एलीट फोर्स 11 की तरफ से गेंदबाजी में शिवांक सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने अपनी फिरकी या गेंदबाजी कौशल का जलवा बिखेरते हुए 3 महत्वपूर्ण विकेट झटके। उनका साथ देते हुए विशाल ने भी बेहतरीन गेंदबाजी की और विपक्षी टीम के 2 बल्लेबाजों को आउट किया। गेंदबाजों के इस संयुक्त प्रयास के दम पर उन्होंने ग्लैक्सी रेंजर्स को 170 के स्कोर के अंदर रोकने में सफलता पाई थी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एलीट फोर्स 11 की नाकामी 167 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी एलीट फोर्स 11 की शुरूआत अच्छी नहीं रही। ग्लैक्सी रेंजर्स के गेंदबाजों ने शुरूआत से ही आक्रामक तेवर अपनाए और एलीट फोर्स के बल्लेबाजों को क्रीज पर टिकने का ज्यादा मौका नहीं दिया। दबाव बढ़ता गया और लगातार अंतराल पर विकेट गिरते रहे। एलीट फोर्स 11 की पूरी टीम निर्धारित ओवरों में संघर्ष करने के बावजूद 9 विकेट पर मात्र 120 रन ही बना सकी। टीम का कोई भी बड़ा बल्लेबाज मैदान पर टिककर लंबी पारी नहीं खेल पाया, जिसके चलते उन्हें 46 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा। अमित सिंह बने 'मैन ऑफ द मैच' ग्लैक्सी रेंजर्स की इस शानदार और यादगार जीत में सबसे बड़ा योगदान उनके गेंदबाज अमित सिंह का रहा। अमित ने अपनी घातक गेंदबाजी से एलीट फोर्स 11 की बल्लेबाजी क्रम की रीढ़ तोड़ दी। उन्होंने अपने स्पेल में शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 महत्वपूर्ण विकेट झटके और विपक्षी टीम को लक्ष्य तक नहीं पहुंचने दिया। उनकी इस बेहतरीन और मैच जिताऊ गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए उन्हें 'मैन ऑफ द मैच' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सेंचुरियन कप का यह मुकाबला दर्शकों के लिए बेहद रोमांचक रहा और आने वाले मैचों के लिए दोनों टीमों ने अपनी तैयारियों का संदेश दे दिया है।

बिजली कर्मियों की हड़ताल से बिजली-पानी पर संकट, 3000 से ज्यादा आईं शिकायतें

एजेंसी

गुरुग्राम। निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मियों की हड़ताल से शहर में बिजली संकट गहरा गया है। बृहस्पतिवार को बिजली निगम के शिकायत केंद्र में 12 घंटे में 3000 से ज्यादा शिकायतें दर्ज की गईं। हड़ताल पर रहे कर्मियों ने महरौली रोड स्थित बिजली निगम कार्यालय पर प्रदर्शन किया। बिजली कर्मी हरियाणा विद्युत नियामक आयोग द्वारा निजी क्षेत्र की कंपनी को विद्युत प्रसारण अधिकार देने के खिलाफ हैं। इस हड़ताल के कारण शहर के कई इलाकों में पूरी रात बिजली नहीं थी। बिजली न होने से पानी की आपूर्ति भी बाधित हुई। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम सहित बिजली विभाग के सभी अंगों के कर्मचारी हड़ताल पर हैं। गुरुग्राम सर्कल वन में करीब 1200 बिजली कर्मी काम नहीं कर रहे हैं। कर्मचारियों के संगठन ने



24 अक्तूबर तक हड़ताल जारी रखने की घोषणा की है। हड़ताल से प्रभावित क्षेत्र संगठन का दावा है कि गुरुग्राम में करीब 96.75 फीसदी बिजली कर्मी हड़ताल पर हैं। बुधवार रात 12 से बृहस्पतिवार दोपहर 12:30 बजे के बीच सर्किल 1 से 2854 और सर्किल 2 से 379 शिकायतें मिलीं। ये शिकायतें सामान्यतः एक हफ्ते में आती हैं। सेक्टर 9 सबस्टेशन, न्यू कॉलोनी सबस्टेशन, गढ़ी गांव और सदर बाजार जैसे इलाके बिजली संकट से प्रभावित रहे। निगम के नए और अनुभवहीन कर्मी बिजली की खराबी ठीक नहीं कर पा रहे थे।

इस्कॉन मंदिरों में महीने भर होगा दीपदान

एजेंसी

नोएडा। कार्तिक मास की शुरूआत के साथ ही सेक्टर-33 और सेक्टर-151 स्थित इस्कॉन मंदिरों में एक माह तक भक्ति और दीपदान का आयोजन होगा। श्रद्धालु पूरे महीने भगवान श्रीकृष्ण के दामोदर स्वरूप को दीप अर्पित करेंगे। इस्कॉन के बैकुंठनाथ ने बताया कि कार्तिक मास में भगवान श्रीकृष्ण और माता यशोदा को दीपदान किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, बाल लीला के



दौरान माता यशोदा ने भगवान श्रीकृष्ण को रस्सी से ओखली के साथ बांध दिया था। इसी लीला के कारण भगवान का नाम दामोदर पड़ा। दीपदान के दौरान श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के चरणों में चार बार, नाभि कमल पर दो बार, मुख कमल पर तीन बार और पूरे शरीर पर सात बार दीप दिखाते हैं। इसके बाद इसी तरह माता यशोदा को दीप अर्पित किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि सामान्य दिनों में करीब 200 श्रद्धालु दीपदान करते हैं, जबकि एकादशी जैसे विशेष अवसरों पर यह संख्या एक हजार से अधिक हो जाती है। 26 अक्तूबर को शरद पूर्णिमा पर श्रीकृष्ण श्यामदेव की रासलीला के साथ दीपोत्सव की शुरूआत होगी। 30 अक्तूबर को श्रील नरोत्तम दास ठाकुर का तिरोभाव दिवस मनाया जाएगा। दो नवंबर को श्री राधाकुंड आविर्भाव दिवस यानी बहुलाष्टमी मनाई जाएगी। पांच नवंबर को श्री रमा एकादशी का आयोजन होगा। नौ नवंबर को दिवाली पर दीपदान होगा। 10 नवंबर को गोवर्धन पूजा और 13 नवंबर को श्रील प्रभुपाद का तिरोभाव दिवस मनाया जाएगा। इसके बाद 17 नवंबर को गोपाष्टमी मनाई जाएगी। 21 नवंबर को देवोत्थान एकादशी, गौर किशोर दास बाबाजी का तिरोभाव दिवस और भीष्म पंचक का प्रारंभ होगा। 24 नवंबर को श्रीकृष्ण दास रास यात्रा, तुलसी-शालिग्राम विवाह और भीष्म पंचक के समापन पर विशेष आयोजन होंगे।

नोएडा में नई न्यूनतम मजदूरी लागू, अकुशल श्रमिकों को मिलेंगे 13,884

एजेंसी

नोएडा। गौतमबुद्धनगर जिले में श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी की नई दरें 1 अक्टूबर 2026 से लागू हो गई हैं। नई दरों के तहत अकुशल श्रमिकों को प्रतिमाह 13,883.59, अर्द्धकुशल श्रमिकों को 15,271.41 और कुशल श्रमिकों को 17,106.39 मजदूरी निर्धारित की गई है। इन दरों में मूल मजदूरी के साथ परिवर्तनीय महंगाई भत्ता भी शामिल है। नई व्यवस्था 31 मार्च 2027 तक प्रभावी रहेगी। इससे नोएडा, ग्रेटर नोएडा और जिले के अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों के वेतन निर्धारण पर असर पड़ेगा। अपर श्रमायुक्त, उत्तर प्रदेश, गौतमबुद्धनगर राकेश द्विवेदी ने बताया कि राज्य सरकार के श्रम अनुभाग-2 की ओर से विभिन्न श्रेणियों के श्रमिकों के लिए परिवर्तनीय महंगाई भत्ते की नई दरें



जारी की गई हैं। इसके आधार पर श्रमिकों की कुल न्यूनतम मजदूरी निर्धारित की गई है। श्रम विभाग की ओर से जारी विवरण के अनुसार, अकुशल श्रमिकों की मूल मासिक मजदूरी 12,885 और महंगाई भत्ता 998.59 तय किया गया है। इस प्रकार उनकी कुल मासिक मजदूरी 13,883.59 होगी। इसी तरह, अर्द्धकुशल श्रमिकों की मूल मजदूरी 14,173 तथा महंगाई भत्ता 1,098.41 निर्धारित किया गया है। इससे उनकी कुल मासिक मजदूरी 15,271.41 हो जाएगी। कुशल श्रमिकों के लिए मूल मजदूरी 15,876 और महंगाई भत्ता 1,230.39 तय किया गया है। इस श्रेणी में कुल मासिक मजदूरी 17,106.39 निर्धारित की गई है। नई दरों के तहत दैनिक मजदूरी का निर्धारण भी किया गया है। श्रम विभाग के विवरण के अनुसार, मासिक मजदूरी को 26 से विभाजित करके दैनिक मजदूरी की गणना की गई है। इन दरों के माध्यम से श्रमिक अपनी श्रेणी के अनुसार देय न्यूनतम मजदूरी की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। नियोक्ताओं को भी निर्धारित श्रेणी और लागू नियमों के अनुरूप मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करना होगा। 31 मार्च 2027 तक प्रभावी रहेंगी दरें श्रम विभाग के अनुसार, न्यूनतम मजदूरी की ये दरें 1 अक्टूबर 2026 से 31 मार्च 2027 तक लागू रहेंगी। इस अवधि में संबंधित श्रमिकों को निर्धारित मूल मजदूरी और परिवर्तनीय महंगाई भत्ते के आधार पर भुगतान किया जाना है। श्रमिकों को सलाह दी गई है कि वे अपने कार्य की प्रकृति और निर्धारित श्रेणी के अनुसार लागू मजदूरी की जानकारी प्राप्त करें। वहीं, नियोक्ताओं को मजदूरी भुगतान से संबंधित नियमों का पालन करना होगा, ताकि श्रमिकों को निर्धारित न्यूनतम वेतन मिल सके। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर तय हुआ महंगाई भत्ता श्रम विभाग के मुताबिक, परिवर्तनीय महंगाई भत्ते का निर्धारण अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर किया जाता है। इस बार की गणना में आधार वर्ष 2001 को 100 मानते हुए जनवरी से जून 2026 तक के औसत सूचकांक 431 को आधार बनाया गया है।

एमएच पब्लिक स्कूल ने जीते दो पदक

एजेंसी

नोएडा। शिक्षा और खेल के क्षेत्र में गौतम बुद्ध नगर और आसपास के इलाकों का नाम लगातार रोशन हो रहा है। इसी कड़ी में बादलपुर गांव स्थित प्रतिष्ठित एमएच पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने खेल के मैदान पर एक बार फिर से ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। स्कूल की वॉलीबॉल टीमों ने सीबीएसई क्लस्टर प्रतियोगिता में बेहतरीन और अनुकरणीय प्रदर्शन करते हुए पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। इस शानदार उपलब्धि से न केवल स्कूल परिसर में जश्न का माहौल है, बल्कि पूरे गांव और खेल प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। हरिद्वार में आयोजित हुई थी चार दिवसीय रोमांचक प्रतियोगिता उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के लक्सर क्षेत्र में स्थित जमदानी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में चार दिवसीय भव्य सीबीएसई क्लस्टर वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश और आसपास के कई जाने-माने स्कूलों की टीमों ने हिस्सा लिया था। सभी टीमों के बीच मुकाबला बेहद कड़ा और रोमांचक था, जहाँ हर एक टीम जीत हासिल करने के लिए अपना सौ प्रतिशत देती नजर आई। बावजूद इसके, बादलपुर के एमएच पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने अपनी कड़ी मेहनत, बेहतरीन टीम वर्क और उत्कृष्ट खेल कौशल के दम पर शुरूआत से ही मैदान पर अपना दबदबा बनाए रखा। खिलाड़ियों के अनुशासन और जोश को देखकर हर कोई उनकी प्रतिभा का कायल हो गया। अंडर-17 बालक वर्ग में लहराया परचम, फाइनल में मेरठ को दी शिकस्त प्रतियोगिता के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक अंडर-17 बालक वर्ग का फाइनल मैच रहा।

वेलस्पन कॉर्प को मिला 5,500 करोड़ की पाइप आपूर्ति का ठेका

नई दिल्ली ।

वेलस्पन कॉर्प को अमेरिका में प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजना के लिए कोटेड लाइन पाइप की आपूर्ति करने का करीब 5,500 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस ठेके के साथ उसकी वैश्विक ऑर्डर बुक बढ़कर करीब 5.25 अरब अमेरिकी डॉलर (50,000 करोड़ रुपये) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई है। इसमें कहा गया` कि वेलस्पन कॉर्प की अमेरिकी अनुषंगी कंपनी वेलस्पन ट्यूबलर एलएलसी को पर्मियन प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजना के लिए कोटेड लाइन पाइप की आपूर्ति करने के वास्ते एक प्रमुख मिडस्ट्रीम (परिवहन एवं भंडारण) कंपनी से करीब 5,500 करोड़ रुपये का ठेका मिला है।

इंडसइंड सिक्योरिटीज ने राजीव श्रीवास्तव को एमडी एवं सीईओ किया नियुक्त

नई दिल्ली ।

इंडसइंड कैपिटल की अनुषंगी कंपनी और इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड (आईआईएचएल) का हिस्सा इंडसइंड सिक्योरिटीज ने राजीव आर. श्रीवास्तव को अपना प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की शुक्रवार को घोषणा की। कंपनी पहले रिलायंस सिक्योरिटीज लिमिटेड के नाम से जानी जाती थी। इंडसइंड सिक्योरिटीज ने बयान में कहा कि यह नियुक्ति ब्रोकिंग कंपनी के लिए नए सिरे से वृद्धि की रणनीति की शुरुआत है। कंपनी का लक्ष्य देश में तेजी से बढ़ते निवेशक आधार के लिए आधुनिक और प्रौद्योगिकी आधारित निवेश मंच बनना है। कंपनी ने कहा कि श्रीवास्तव को बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और पूंजी बाजारों में करीब 25 साल का अनुभव है। उन्होंने बाजार के कई उतार-चढ़ाव के दौरान ब्रोकिंग कारोबार का नेतृत्व किया है। इंडसइंड सिक्योरिटीज से जुड़ने से पहले वह स्टैंडर्ड चार्टर्ड सिक्योरिटीज के एमडी एवं सीईओ थे। बयान के अनुसार, इंडसइंड सिक्योरिटीज में वह कंपनी की वृद्धि के अगले चरण का नेतृत्व करेंगे। उन्हें कारोबार को फिर से गति देने और भारत के बदलते निवेश परिदृश्य में इसे अग्रणी स्थान पर पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बोनफिग्लियोली ट्रांसमिशंस के शेयर की बाजार में सपाट शुरुआत



मुंबई ।

बोन्फिग्लियोली ट्रांसमिशंस लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हुए। अपने 586 रुपये के निर्गम मूल्य पर सपाट शुरुआत करने के बाद कंपनी के शेयरों में निवेशकों की अच्छी प्रतिक्रिया देखने को मिली और बाद में वे 3.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 607 रुपये पर पहुंच गए। बीएसई और एनएसई दोनों पर कंपनी के शेयर 586 रुपये के निर्गम मूल्य पर कारोबार शुरू किया। हालांकि, कारोबार के दौरान इनमें तेजी आई और यह 607 रुपये पर पहुंच गया। लिस्टिंग के बाद, कंपनी का बाजार पूंजीकरण एनएसई पर 10,917.86 करोड़ रुपये और बीएसई पर 10,775.92 करोड़ रुपये रहा। बोन्फिग्लियोली ट्रांसमिशंस के 2,533.80 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को बोली के अंतिम दिन 46.06 गुना अभिदान मिला था। निर्गम का मूल्य दायरा 558-586 रुपये प्रति शेयर था। यह आईपीओ पूरी तरह बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित था, जिससे कंपनी को कोई राशि नहीं मिलेगी। यह इटली की बोन्फिग्लियोली एस.पी.ए. की भारतीय अनुषंगी है, जो गियरबॉक्स और ड्राइव सिस्टम जैसे यांत्रिक तथा इलेक्ट्रो-मेकेनिकल पावर ट्रांसमिशन उत्पादों का विनिर्माण करती है।

शेयर बाजार की मजबूती के साथ शुरुआत

सेंसेक्स में 500 अंकों की रैली, निफ्टी 22,700 के पार; बाजार का हाल

मुंबई ।



भारतीय इक्विटी बाजार में शुक्रवार की सुबह कारोबार की शुरुआत होते ही शानदार तेजी दर्ज की गई। ओपनिंग बेल के साथ ही घरेलू शेयर बाजार में जोरदार खरीदारी देखने को मिली, जिसके चलते बीएसई सेंसेक्स में 500 अंकों तक की रैली दर्ज की गई और एनएसई निफ्टी 22,700 का महत्वपूर्ण स्तर पार करने में कामयाब रहा। बाजार के इस सकारात्मक रुझान को मुख्य रूप से टेक्नोलॉजी क्षेत्र का मजबूत समर्थन मिला, जहां टेक इंडेक्स में 3 प्रतिशत तक का उछाल आया। कारोबारी सत्र की शुरुआत के बाद उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, दोनों मुख्य बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। बीएसई सेंसेक्स 273.43 अंक की बढ़त के साथ 73,522.82 के स्तर पर ट्रेड कर रहा था। शुरुआती सत्र के दौरान इसमें 500 अंकों तक का उछाल देखा गया। एनएसई का 50 शेयरों वाला निफ्टी इंडेक्स 16.25 अंक यानी 0.07 प्रतिशत की बढ़त लेकर 22,703.90 के स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी ने कारोबार की शुरुआत में ही 22,700 के स्तर को पार कर लिया। इस शुरुआती रैली में किस सेक्टर ने सबसे मजबूत भूमिका निभाई?शुक्रवार को ओपनिंग बेल के बाद बाजार को सबसे बड़ा सहारा टेक्नोलॉजी सेक्टर से मिला।

आईटी और टेक शेयरों में आई तेजी के कारण टेक इंडेक्स 3 प्रतिशत तक उछल गया।

रुपया तीन पैसे चढ़कर 94.78 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया गुरुवार को 94.81 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई ।



रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ तीन पैसे चढ़कर 94.78 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की निकासी से घरेलू मुद्रा की बढ़त सीमित रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर डॉलर की मजबूती और ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों के 113 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बने रहने सहित लगातार बनी व्यापक आर्थिक चुनौतियों के कारण रुपये पर दबाव है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.78 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव के मुकाबले तीन पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को 94.81 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 101.64 पर आ गया।

ड्राइविंग लाइसेंस अब और मुश्किल, पासिंग मार्क्स बढ़े

ऑनलाइन परीक्षा में अब 75 फीसदी अंक अनिवार्य

नई दिल्ली ।

ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करना अब और चुनौतीपूर्ण होने वाला है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सुरक्षित ड्राइविंग सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु न्यूनतम अंक 60 फीसदी से बढ़ाकर 75 फीसदी करने का प्रस्ताव किया है। इसके साथ ही, कई प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने और कुछ सेवाओं को निशुल्क करने की भी तैयारी है, जिससे आवेदकों को सुविधा मिलेगी। मंत्रालय द्वारा जारी मसौदे के अनुसार सुरक्षित ड्राइविंग हेतु न्यूनतम 30 मिनट का एक अनिवार्य ऑनलाइन पाठ्यक्रम भी पास करना होगा। इन बदलावों का उद्देश्य सड़क सुरक्षा में सुधार लाना है।

अच्छी खबर यह है कि आधार से सत्यापित कुछ चुनिंदा ऑनलाइन लाइसेंस सेवाओं के लिए शुल्क में छूट देने का भी प्रस्ताव है। साथ ही, लाइसेंस में नाम और पते में बदलाव के लिए अब कोई शुल्क नहीं लगेगा। लाइसेंस विवरण में बदलाव के आवेदनों पर 15 दिन के भीतर निर्णय लेना अनिवार्य होगा, और अस्वीकृति की स्थिति में कारण भी बताने होंगे। पहचान, आयु और निवास के प्रमाण के रूप में आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र, ई-राशन कार्ड और जन्म प्रमाणपत्र जैसे दस्तावेज स्वीकार किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, सभी नए और नवीनीकृत होने वाले ड्राइविंग लाइसेंस अब फॉर्म-7 के तहत लैमिनेटेड या पीवीसी कार्ड के रूप में जारी किए जाएंगे। मंत्रालय ने इन मसौदा नियमों पर संबंधित पक्षों से 30 दिन के भीतर आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित किए हैं।

एआई ने बैंकिंग में दी दस्तक, बार्कलेज 5000 नौकरियों की करेगा कटौती

- ब्रिटिश बैंक ने लागत घटाने और दक्षता बढ़ाने के लिए उठाया कदम

नई दिल्ली ।



कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का दोहरा प्रभाव अब स्पष्ट रूप से सामने आ रहा है- जहां एक ओर यह उत्पादकता बढ़ाता है, वहीं दूसरी ओर यह रोजगार पर तलवार बनकर लटक रहा है। आईटी क्षेत्र के बाद अब बैंकिंग सेक्टर भी इसकी चपेट में आ गया है। हाल ही में, ब्रिटेन के प्रमुख बैंक बार्कलेज ने घोषणा की है कि वह 5,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगा, जो उसके कुल कार्यबल का लगभग 5 फीसदी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, बार्कलेज का लक्ष्य एआई के उपयोग से अपनी निश्चित लागतों को कम करना और लाभप्रदता में सुधार करना है। घोषित 5,000 नौकरियों की कटौती में से, लगभग 1,000 पद पहले ही समाप्त किए जा चुके हैं, जबकि शेष कर्मचारियों को साल 2026 के अंत तक बाहर किया जा सकता है। यह छंटनी ऐसे समय में हो रही है जब बैंक ने अपनी तीसरी तिमाही में 2.3 अरब पाउंड (लगभग 29,193 करोड़ रुपये) का प्रभावशाली मुनाफा दर्ज किया है। हालांकि, यह पिछले साल की तुलना में बेहतर था, विशेषज्ञों का अनुमान था कि मुनाफा और अधिक हो सकता था, जिसका मुख्य कारण बैंक के फिक्स्ड-इनकम ट्रेडिंग कारोबार का कमजोर प्रदर्शन रहा। इस छंटनी और कमजोर ट्रेडिंग प्रदर्शन को लेकर बार्कलेज के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने निराशा व्यक्त की है। उन्होंने फिक्स्ड-इनकम ट्रेडिंग को बैंक की पारंपरिक ताकतों में से एक बताते हुए कहा कि इस पर उनका पूरा ध्यान रहेगा। इस खबर का असर बैंक के शेयर बाजार प्रदर्शन पर भी दिखा है। इस साल बार्कलेज के शेयरों में 14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जो पिछले कई सालों की तेजी के बाद आया है। ऊंची ब्याज दरों से बढ़े मुनाफे के बावजूद, एआई आधारित लागत कटौती की रणनीति और कुछ क्षेत्रों में कमजोर प्रदर्शन ने निवेशकों की चिंताओं को बढ़ा दिया है। यह घटना दर्शाती है कि एआई का प्रभाव अब केवल तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रोजगार के परिदृश्य को व्यापक रूप से बदल रहा है।

जियो प्लेटफॉर्म्स आईपीओ ने रचा नया इतिहास

1 करोड़ आवेदनों का आंकड़ा पार करने वाला बना दुनिया का पहला आईपीओ

नई दिल्ली ।

भारतीय पूंजी बाजार के इतिहास में जियो प्लेटफॉर्म्स के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम यानी आईपीओ ने एक नया और अभूतपूर्व विश्व कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। जियो प्लेटफॉर्म्स का आईपीओ 1 करोड़ से अधिक आवेदन प्राप्त करने वाला दुनिया का पहला आईपीओ बन गया है। इस निर्गम के अंतिम दिन बोली प्रक्रिया का समय समाप्त होने से पहले ही निवेशकों की रिकॉर्डतोड़ और अभूतपूर्व भागीदारी दर्ज की गई। निवेशकों का यह ऐतिहासिक उत्साह रिलायंस इंडस्ट्रीज के संस्थापक स्वर्गीय धीरूभाई अंबानी की दूरदर्शी विरासत और चेयरमैन मुकेश अंबानी के उस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य देश के करोड़ों आम नागरिकों के लिए धन सृजन की प्रक्रिया को सुलभ बनाना और भारतीय निवेशकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ में खुदरा, गैर-संस्थागत और योग्य संस्थागत निवेशकों ने जबरदस्त रुचि दिखाई है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ जियो प्लेटफॉर्म्स ने वारी एनर्जीज के लगभग 97 लाख आवेदनों के पिछले वैश्विक रिकॉर्ड को काफी पीछे छोड़ दिया है। इसके अलावा, इसने भारत के अन्य सबसे बड़े आईपीओ जैसे बजाज हाउसिंग फाइनेंस और बीसीसीएल को भी पछाड़ दिया है, जिन्हें पहले लगभग 90-90 लाख आवेदन प्राप्त हुए थे।

ईपीएम के तहत एमएसएमई के महंगे प्रमाणन का खर्च उठाएगी सरकार गोयल

बर्लिन ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि सरकार निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) के तहत सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसएमई) के महंगे प्रमाणन का पूरा खर्च उठाने को तैयार है। उन्होंने मौजूदा और नए निर्यातकों से वैश्विक बाजारों तक पहुंच बनाने में सहायता के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय से संपर्क करने का आग्रह किया। पिछले साल नवंबर में 25,060 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ मंजूर किए गए इस छह वर्षीय मिशन का उद्देश्य भारतीय निर्यात को बढ़ावा देना है।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि दुनिया में कहीं भी निर्यात करने की इच्छा रखने वाले हर व्यक्ति की सरकार मदद करेगी। एमएसएमई के लिए प्रमाणन का पूरा खर्च सरकार वहन करेगी, जबकि अन्य महंगी प्रक्रियाओं का खर्च भी उठाने को तैयार है। गोयल ने विशेष रूप से बताया कि यूरोपीय संघ के कार्बन सीमा समायोजन तंत्र और वनोन्मूलन विनियमन जैसे कड़े नियमों का अनुपालन करने की लागत एमएसएमई के लिए सरकार उठाएगी। अन्य व्यवसायों को उनकी श्रेणी के अनुसार सहायता मिलेगी।

जियो आईपीओ ने शेयर बाजार में नया रिकॉर्ड बनाया

1 करोड़ से ज्यादा आवेदन हासिल करने वाला भारत के इतिहास का पहला आईपीओ बना

मुंबई ।

जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ ने भारतीय शेयर बाजार में नया रिकॉर्ड बना दिया है। कंपनी का आईपीओ 1 करोड़ से ज्यादा आवेदन हासिल करने वाला भारत के इतिहास का पहला आईपीओ बन गया है। शुक्रवार को बोली के तीसरे और आखिरी दिन दोपहर 12 बजे तक इस आईपीओ को कुल 1,00,15,118 आवेदन मिल चुके थे। 30,213 करोड़ रुपए के इस इश्यू को अब तक 6.89 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। इससे पहले सबसे ज्यादा आवेदन पाने का रिकॉर्ड वारी एनर्जीज के नाम था। अक्टूबर 2024 में आए उसके आईपीओ को करीब 97.3 लाख आवेदन मिले थे। जियो प्लेटफॉर्म्स ने इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। जियो के आईपीओ को निवेशकों की विभिन्न श्रेणियों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। दोपहर 12 बजे तक क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) का हिस्सा 14.38 गुना सब्सक्राइब हुआ। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स की श्रेणी में 9.38 गुना और रिटेल निवेशकों की श्रेणी में 2.07 गुना सब्सक्रिप्शन दर्ज किया गया। कर्मचारियों के लिए आरक्षित हिस्सा 2.48 गुना सब्सक्राइब हुआ, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज के पात्र शेयरधारकों के लिए आरक्षित हिस्से को 5.68 गुना सब्सक्रिप्शन मिला।

इंडियन बैंक की स्पेशल एफडी पर मिलेगा शानदार रिटर्न, जानिए नई दरें

555 और 777 दिन की इंड ग्रो व इंड प्रॉस्पर स्कीमों पर 0.15 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने अपनी दो विशेष एफडी योजनाओं पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह वृद्धि 0.15 प्रतिशत की है, जो 23 अक्टूबर से प्रभावी होगी, जिससे निवेशकों को अब इन आकर्षक स्कीमों पर बेहतर रिटर्न मिलेगा। इंडियन बैंक ने अपनी दो लोकप्रिय स्पेशल एफडी स्कीमों- इंड ग्रो और इंड प्रॉस्पर- पर ब्याज दरों में 15 बेसिस पॉइंट (0.15 फीसदी) की वृद्धि की है। यह बढ़ोतरी 23 अक्टूबर से लागू हो गई है।

बैंक ने हालांकि, अपनी सभी एफडी की ब्याज दरों में बदलाव नहीं किया है, बल्कि यह लाभ विशेष रूप से इन दो चुनिंदा योजनाओं पर केंद्रित है। इस बदलाव के बाद 555 दिन की इंड ग्रो स्कीम पर मिलने वाली पुरानी 6.65 फीसदी की ब्याज दर अब बढ़कर 6.80त्न हो गई है। इसी तरह, 777 दिन की इंड प्रॉस्पर स्कीम पर पहले मिल रही 6.60त्न की ब्याज दर अब 6.75 फीसदी हो गई है। यह उन ग्राहकों के लिए एक आकर्षक अवसर है जो मध्यम अवधि के लिए सुरक्षित और बेहतर रिटर्न देने वाले निवेश की तलाश में हैं। ब्याज दर में 0.15 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी का सीधा मतलब है कि अगर आप इन स्कीमों में 1 लाख रुपये जमा करते हैं, तो सालाना आधार पर आपको लगभग 150 रुपये का अतिरिक्त ब्याज मिल सकता है। हालांकि, निवेशकों को यह ध्यान रखना चाहिए कि वास्तविक रिटर्न एफडी की अवधि, ब्याज के चक्रवृद्धि (कंपाउंडिंग) और बैंक के नियमों पर निर्भर करेगा। इसलिए, एफडी कराने से पहले मैच्योरिटी पर मिलने वाली कुल रकम की जानकारी अवश्य लेनी चाहिए।

इंडियन बैंक का यह कदम भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अक्टूबर की मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी के बाद आया है।

अहमदाबाद में सीएनजी महंगी, अडानी गैस ने 4.45 रुपए बढ़ाई कीमत

नई कीमत 98.47 रुपए प्रति किलो, ऑटो-रिक्शा चालक नाराज

नई दिल्ली ।

दीवाली से ठीक पहले अहमदाबाद के लाखों ड्राइवरों और आम जनता को महंगाई का एक और बड़ा झटका लगा है। अडानी गैस ने कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमत में 4.45 रुपये प्रति किलोग्राम की अचानक बढ़ोतरी कर दी है। इस वृद्धि के बाद अहमदाबाद में अडानी सीएनजी की नई कीमत बढ़कर 98.47 रुपये प्रति किलो हो गई है, जिससे त्योहारों के इस मौसम में लोगों का बजट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। अहमदाबाद में दीवाली जैसे बड़े त्योहार से ठीक पहले अडानी गैस द्वारा सीएनजी की कीमतों में की गई यह वृद्धि रिक्शा चालकों और रोज की कमाई पर निर्भर रहने वाले वाहन चालकों की जेब पर सीधा असर डालेगी। त्योहारों के दिनों में खरीदारी और घूमने-फिरने की योजना बना रहे आम लोगों को भी अब अपनी जेब और ढीली करनी पड़ेगी।

यह इस साल की दूसरी बड़ी बढ़ोतरी है। इससे पहले अगस्त 2023 में भी कंपनी ने सीएनजी की कीमत में 4 रुपये प्रति किलो की वृद्धि की थी, जिससे उस समय दाम 94.20 रुपये तक पहुंच गए थे। लगातार बढ़ती कीमतों से खासकर ऑटो-रिक्शा चालकों में भारी नाराजगी और गुस्सा देखा जा रहा है। उनका तर्क है कि गैस की कीमत लगातार बढ़ रही है, लेकिन ट्रांसपोर्ट कमिश्नर इसके मुकाबले रिक्शा किराए में पर्याप्त बढ़ोतरी को मंजूरी नहीं दे रहे हैं। पहले भी किराया बढ़ोतरी और ऑनलाइन कैब/रिक्शा एप्लीकेशन के विरोध में रिक्शा चालकों ने हड़ताल की थी। दीवाली के समय हुई इस नई कीमत बढ़ोतरी से रिक्शा चालकों समेत आम वाहन चालकों का घरेलू बजट बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

ऑयल इंडिया को उथले समुद्री क्षेत्र में मिली प्राकृतिक गैस

नई दिल्ली ।



सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) ने कृष्णा-गोदावरी बेसिन के उथले समुद्री क्षेत्र में एक ब्लॉक में महत्वपूर्ण प्राकृतिक गैस की खोज की घोषणा की है। यह देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगी और आयात पर निर्भरता घटाएगी। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि कृष्णा-गोदावरी बेसिन के उथले समुद्री अपतटीय ब्लॉक क` ज ी - डीएसएफ/जीएसकेडब्ल्यू/2018 में गोदावरी-1 कुएं में यह खोज की गई है। हाल ही में किए गए परीक्षणों में अधिकतम 2,00,000 मानक घन मीटर प्रतिदिन (एससीएमडी) गैस प्रवाह और लगभग 170 बैरल प्रतिदिन कंडेनसेट उत्पादन दर्ज किया गया। वर्तमान में कुएं से लगभग 1,00,000 एससीएमडी गैस निकल रही है। यह ब्लॉक ओआईएल ने डीएसएफ बोली प्रक्रिया के दौरान हासिल किया था। यह खोज भारत के लिए घरेलू गैस का एक अतिरिक्त स्रोत प्रदान करेगी, जो प्राकृतिक गैस की जरूरतों को पूरा करने के लिए अब भी आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। सरकार ने 2030 तक ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी मौजूदा छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है, जिससे घरेलू संसाधनों का विकास उसकी ऊर्जा रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है।

दिल्ली में बैठे बैठे मोदी ने इराक़ में कर दिया खेल, भारत के पास अब तेल ही तेल



नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक है। देश की अर्थव्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, उद्योग और आम आदमी के जीवन में पेट्रोलियम की अहम भूमिका है। ऐसे में तेल की कीमतों में मामूली वृद्धि भी भारत के आयात बिल, महंगाई और रुपये पर दबाव डाल सकती है।

दुनिया की नजर इस बात पर टिकी है कि भारत रूस से कितना तेल खरीद रहा है, वेनेजुएला से कितना तेल खरीदेगा और अमेरिकी दबाव के आगे भारत अपने फैसले बदलेगा या नहीं। लेकिन इस पूरे शोर-शराबे के बीच एक बड़ा सवाल जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है कि इराक से भारत कितनी बड़ी मात्रा में तेल खरीद रहा है और इस खरीद से अपने आर्थिक हितों को कैसे साध रहा है? देखा जाये तो रूस और वेनेजुएला के तेल पर दुनिया बहस करती रहे, लेकिन भारत की असली रणनीति समझनी है तो इराक के साथ उसके तेल कारोबार पर नजर डालनी होगी। यही वह मोर्चा है, जहां भारत अपनी जरूरत, बाजार और कीमत के हिसाब से फैसले लेकर दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि उसकी ऊर्जा नीति किसी के दबाव से नहीं, बल्कि देश के हितों से तय होती है।

इराक: भारत की ऊर्जा सुरक्षा का एक बड़ा स्तंभ

देखा जाये तो भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक है। देश की अर्थव्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, उद्योग और आम आदमी के जीवन में पेट्रोलियम की अहम भूमिका है। ऐसे में तेल की कीमतों में मामूली वृद्धि भी भारत के आयात बिल, महंगाई और रुपये पर दबाव डाल सकती है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में इराक ने भारत को 4.711 करोड़ मीट्रिक टन कच्चा तेल उपलब्ध कराया। यह भारत के कुल तेल आयात के मूल्य का लगभग 19.16 प्रतिशत था। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद इराक भारत का दूसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि इराक भारत के लिए कोई मामूली या वैकल्पिक आपूर्तिकर्ता नहीं है। वह भारत की ऊर्जा व्यवस्था का एक प्रमुख आधार है। भारतीय तेल कंपनियां इराक से नियमित रूप से तेल खरीदती हैं और इस व्यापार के माध्यम से दोनों देशों के आर्थिक संबंध भी मजबूत होते हैं।

अक्टूबर 2026 की खरीद- क्यों चर्चा में आया इराक का तेल?

इराक से भारत की खरीद का महत्व हाल के घटनाक्रमों से और बढ़ गया है। 22 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर में भारत ने इराक से प्रतिदिन लगभग 8.30 लाख बैरल तेल आयात किया, जबकि अगस्त में यह मात्रा लगभग 1.71 लाख बैरल प्रतिदिन थी। इसी दौरान भारत का रूस से तेल आयात लगभग 14 प्रतिशत घटकर 18 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया। यह बदलाव बताता है कि भारत की तेल खरीद किसी एक राजनीतिक समीकरण से तय नहीं होती। जब मध्य-पूर्व का तेल प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उपलब्ध होता है, तो भारतीय रिफाइनरियां उसकी ओर रुख कर सकती हैं। रूस का तेल भी भारतीय बाजार के लिए महत्वपूर्ण बना रहता



है, लेकिन खरीद का फैसला कीमत, परिवहन खर्च, उपलब्धता और रिफाइनरी की जरूरतों के आधार पर होता है। इस रणनीति का एक और उल्लेखनीय उदाहरण सामने आया। इसी महीने की एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने इराक के बसरा टर्मिनल से लगभग 20 लाख बैरल बसरा मीडियम क्रूड की एक खेप खरीदने पर सहमति जताई थी। रिपोर्ट में इस खरीद के लिए दुबई के तेल मूल्य से 32 डॉलर प्रति बैरल कम कीमत का उल्लेख किया गया। यह उदाहरण उस मूल सिद्धांत को सामने लाता है जिस पर भारत की ऊर्जा रणनीति आधारित होनी चाहिए। यानि जहां बेहतर आर्थिक शर्तें मिलें, वहां से तेल खरीदने के विकल्प खुले रखे जाएं।

वैश्विक बाजार पर क्या पड़ता है इसका असर?

देखा जाये तो तेल बाजार में भारत जैसे बड़े खरीदार का निर्णय केवल उसकी घरेलू अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहता। भारत प्रतिदिन लाखों बैरल कच्चे तेल का आयात करता है। इसलिए यदि भारतीय कंपनियां रूस के बजाय इराक या दूसरे मध्य-पूर्वी उत्पादकों से अधिक तेल खरीदती हैं, तो अलग-अलग तेल ग्रेड की मांग, व्यापारिक प्रवाह और क्षेत्रीय मूल्य प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो सकती है। सितंबर 2026 में मध्य-पूर्व से भारत का कुल तेल आयात बढ़कर लगभग 28 लाख बैरल प्रतिदिन पहुंच गया। यह भारत के कुल तेल आयात का लगभग 54 प्रतिशत था। बताया जा रहा है कि मध्य-पूर्वी तेल की बेहतर उपलब्धता और रूसी तेल पर घटते मूल्य-लाभ ने इस बदलाव में भूमिका निभाई।

हालांकि इसका अर्थ यह नहीं कि इराक से ज्यादा तेल खरीदते ही दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतें गिर जाएंगी। वैश्विक कीमतों पर ओपेक की उत्पादन नीति, युद्ध, समुद्री परिवहन, मांग और आपूर्ति जैसे कई कारक असर डालते हैं। लेकिन भारत का विविध स्रोतों से खरीदना आपूर्तिकर्ताओं के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और अपने लिए बेहतर सौदे हासिल करने में मदद कर सकता है।

यहां सवाल उठता है कि इस सबसे भारत को क्या फायदा हो सकता है? देखा जाये तो पहला फायदा है आयात लागत में बचत। अगर किसी खेप का वास्तविक पहुंच-मूल्य अन्य विकल्पों की तुलना में कम पड़ता है, तो भारतीय कंपनियों का खर्च घट सकता है। इसका लाभ रिफाइनरियों के मुनाफे और व्यापक अर्थव्यवस्था को मिल सकता है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कम कीमत का लाभ पेट्रोल-डीजल के खुदरा दामों में कितना पहुंचेगा, यह करों, रिफाइनिंग लागत और सरकारी मूल्य निर्धारण जैसे दूसरे कारकों पर भी निर्भर करता है।

दूसरा फायदा है रणनीतिक स्वतंत्रता। भारत को रूस, इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और जरूरत के अनुसार अन्य उत्पादकों से तेल खरीदने के विकल्प बनाए रखने चाहिए। इससे किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता कम होती है और प्रतिबंधों या आपूर्ति संकट की स्थिति में विकल्प उपलब्ध रहते हैं। तीसरा फायदा है भारत की सौदेबाजी की ताकत। जब भारतीय रिफाइनरियां कई बाजारों से खरीद सकती हैं, तो किसी एक आपूर्तिकर्ता की शर्तों को स्वीकार करना उनकी मजबूरी नहीं रह जाता। लेकिन इस लाभ को बनाए रखने के लिए समुद्री मार्गों की सुरक्षा, तेल की गुणवत्ता, परिवहन बीमा और भुगतान व्यवस्था का भी ध्यान रखना जरूरी है।

इसके अलावा, इराक से प्रतिस्पर्धी शर्तों पर तेल खरीदना और अंतरराष्ट्रीय दबावों के बावजूद भारत के हितों को सर्वोपरि रखना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऊर्जा रणनीति का एक बड़ा मास्टरस्ट्रोक है। दुनिया भर की सरकारें तेल की बढ़ती कीमतों और उसके आर्थिक बोझ से जूझ रही हैं, वहीं भारत ने अंतरराष्ट्रीय उथल-पुथल के बीच पेट्रोल-डीजल की घरेलू कीमतों में लगभग स्थिरता बनाए रखकर आम जनता को बड़ी राहत देने की कोशिश की है। रूस हो, इराक हो या कोई दूसरा तेल उत्पादक देश, भारत का जोर इस बात पर रहा है कि तेल जहां से भी मिले, उसकी खरीद देश के आर्थिक हितों और ऊर्जा सुरक्षा को ध्यान में रखकर की जाए। यही मोदी सरकार की रणनीति की खासियत है कि वैश्विक संकट के बीच भारत के लिए बेहतर विकल्प तलाशना और अंतरराष्ट्रीय बाजार के दबाव को सीधे आम आदमी की जेब पर हावी न होने देना। जब दुनिया के कई देश महंगे तेल की चुनौती से जूझ रहे हैं, तब भारत में कीमतों को अपेक्षाकृत स्थिर बनाए रखना मोदी सरकार की ऊर्जा नीति की एक अहम उपलब्धि के रूप में पेश किया जा सकता है।

हालांकि इराक से तेल खरीदने में जोखिम भी हैं। खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा और आपूर्ति में संभावित बाधाएं भारत के लिए गंभीर चुनौती बन सकती हैं। इसलिए सस्ता तेल तभी वास्तविक रणनीतिक लाभ है, जब उसकी आपूर्ति भरोसेमंद और आर्थिक रूप से व्यवहार्य भी हो।

बहरहाल, दुनिया भारत की रूस से तेल खरीद पर नजर रखे या वेनेजुएला से संभावित खरीद पर बहस करे, भारत की ऊर्जा नीति का मूल्यांकन व्यापक तस्वीर के आधार पर होना चाहिए। इराक से 4.711 करोड़ टन वार्षिक तेल आपूर्ति और सितंबर 2026 में वहां से आयात में आई तेज बढ़ोतरी यह दिखाती है कि मध्य-पूर्व भारत की ऊर्जा सुरक्षा में कितनी अहम भूमिका निभाता है। यदि मोदी सरकार और भारतीय तेल कंपनियां प्रतिस्पर्धी कीमतों, सुरक्षित आपूर्ति और दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को एक साथ साध पाती हैं, तो यह व्यावहारिक कूटनीति की बड़ी सफलता होगी।

संपादकीय

पोषण के भ्रामक दावे

कंपनियों की आक्रामक मार्केटिंग व विज्ञापनों के खेल से भारत में बच्चों के विकास के लिए जरूरी पोषक पदार्थों को बेचने का उपक्रम देश में दशकों से चला आ रहा है। इस प्रचार के खेल में फिल्मी व ग्लैमर की दुनिया की हस्तियां मोटी रकम लेकर शामिल हो जाती हैं। विडंबना यह है कि देश का आम उपभोक्ता देशी-विदेशी खाद्य पदार्थ बेचने वाली कंपनियों के उन दावों पर भरोसा कर लेता है, जिनमें बच्चों के तेज विकास, मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता तथा दिमाग तेज करने के वादे किए जाते रहे हैं। लेकिन वास्तव में माता-पिता को इन दावों के वैज्ञानिक प्रमाण मिलने चाहिए, न कि लुभावने विज्ञापन। शिशुओं के विकास के लिए बनाए गए फार्मूले और कॉम्प्लान से संबंधित दावों को लेकर नेस्ले इंडिया और जाइडस वेलनेस को भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई द्वारा नोटिस जारी किए गए, जिसने पोषण संबंधी दावों की विश्वसनीयता और सख्त नियामक निगरानी की आवश्यकता पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। नियामक ने कॉम्प्लान के शिशुओं के तीव्र गति से विकास और एकाग्रता, स्मृति तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता से संबंधित लाभ जैसे दावों पर सवाल उठाए हैं। नियामक ने नेस्ले को उसके शिशु आहार के फार्मूले में खास प्रोटीन की पाचन क्षमता और मां के दूध के समान रोग प्रतिरोधक क्षमता में सहायक लाभों को प्रमाणित करने के लिए कहा है। निस्संदेह, उत्पाद खरीदते समय ऐसे दावे माता-पिता के निर्णयों को प्रभावित कर सकते हैं। विशेष रूप से जब बच्चे के विकास को लेकर चिंताएं परिवार को बेहतर पोषण के वादों के प्रति संवेदनशील बनाती हैं। इस मामले में एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर द्वारा ऑनलाइन प्रचार की भी जांच की गई, जिसमें शिशु आहार फार्मूला उत्पादों की गुणवत्ता की रैंकिंग की गई थी। इसमें दावा किया गया था कि इसके उपयोग से बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता, मस्तिष्क के विकास और पाचन में लाभ मिलता है। आमतौर पर ऐसे प्रचारक मोटी फीस लेकर उपभोक्ताओं को ठेस पहुंचाने का ही काम करते हैं।

निस्संदेह, इस प्रकरण के बाद डिजिटल विज्ञापनों के नियमन की बढ़ती चुनौती भी सामने आती है। दरअसल, ऐसे भ्रामक व्यावसायिक प्रचार से कभी-कभी वास्तविक लाभ देने वाली सलाह होने का भ्रम भी पैदा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि 'शिशु दुग्ध विकल्प अधिनियम' के तहत लगाई गई पाबंदियां विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इसका मकसद शिशुओं को मां का दूध देने की स्वास्थ्यकारी प्रथा को अनुचित व्यावसायिक प्रभावों से होने वाले नुकसान से बचाना है। वैसे देखें तो भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा दिए गए ये नोटिस मुनाफे के लिए किए जा रहे किसी गलत कार्य के अंतिम निष्कर्ष नहीं कहे जा सकते हैं। निश्चित रूप से इस प्रकरण में कंपनियों को भी अपना पक्ष रखने का अवसर मिलना ही चाहिए। वहीं दूसरी ओर, उनके बढ़-चढ़कर किए जाने वाले दावों की जांच विश्वसनीय सबूतों और नियमों के आधार पर ही की जानी चाहिए। हालांकि, देश के नियामकों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि बिना तार्किक आधार वाले या गुमराह करने वाले दावों को उत्पाद बनाने वाली कंपनियों द्वारा तुरंत सुधारा जाए। वहीं दूसरी ओर, नियमों का उल्लंघन करने वाले उत्पादकों पर उचित कार्रवाई की जाए। वैसे तो हमारे देश में आमतौर पर खाद्य उत्पादों के लेबल और विज्ञापन ही अक्सर उपभोक्ताओं के लिए जानकारी के मुख्य स्रोत होते हैं। खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों व अशिक्षित लोगों में यह समस्या ज्यादा होती है। इसलिए भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण को अपनी जांच-पड़ताल सख्ती से करनी चाहिए। निश्चित रूप से प्रवर्तन एजेंसियों के नतीजे सामने आने पर सार्वजनिक किए जाने चाहिए। साथ ही, भविष्य में यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि निर्माता किसी उत्पाद को बाजार में उतारने से पहले अपने दावों को सच्चाई की कसौटी पर सही साबित करे। निश्चित रूप से पोषण संबंधी मार्केटिंग का मकसद सही जानकारी देना होना चाहिए, न कि लोगों को गुमराह करना।

सूक्ति

जो अप्राप्त वस्तु के लिए चिंता नहीं करता और प्राप्त वस्तु के लिए सम रहता है, वह संतुष्ट कहा जा सकता है।
- महोपनिषद

जल से शरीर शुद्ध होता है, मन से सत्य शुद्ध होता है, विद्या और तप से भूतात्मा तथा ज्ञान से बुद्धि शुद्ध होती है।
- मनुस्मृति

81 साल बाद भी अधूरी है संयुक्त राष्ट्र की शांति-प्रतिज्ञा



योगेश कुमार गोयल

बदलती दुनिया में अप्रासंगिक होता संयुक्त राष्ट्र...

दुनिया के 50 देशों ने वर्ष 1945 में मिलकर संयुक्त राष्ट्र अधिकार पत्र पर हस्ताक्षर कर संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन किया था, जिसके बाद से प्रतिवर्ष 24 अक्तूबर को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया जाता है। दरअसल द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को अधिक समतापूर्ण और न्यायोचित बनाने के लिए एक नए संगठन की स्थापना का विचार उभरा था, जो पांच राष्ट्रमंडल सदस्यों तथा आठ यूरोपीय निर्वासित सरकारों द्वारा 12 जून 1941 को लंदन में हस्ताक्षरित अंतर-मैत्री उद्घोषणा में पहली बार सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त हुआ था। उस उद्घोषणा के अंतर्गत एक स्वतंत्र विश्व के निर्माण हेतु कार्य करने का आव्हान किया गया था, जिसमें लोग शांति और सुरक्षा के साथ भयमुक्त वातावरण में रह सकें तथा निजीकरण एवं आर्थिक सहयोग के मार्ग की खोज कर सकें। उसके बाद 1944 में सोवियत संघ, अमेरिका, चीन तथा ब्रिटेन के प्रतिनिधियों द्वारा वाशिंगटन के डम्बर्टन ओक्स एस्टेट में कई बैठकों के आयोजन के बाद एक शांतिरक्षक वैश्विक संस्था बनाने की रूपरेखा तैयार की गई, जिसके आधार पर 50 देशों के प्रतिनिधियों के बीच 1945 में बातचीत हुई और 26 जून 1945 को सभी 50 देशों द्वारा चार्टर पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद यह चार्टर 24 अक्तूबर 1945 से प्रभावी हो गया। तभी से प्रतिवर्ष 24 अक्तूबर को 'संयुक्त राष्ट्र दिवस' मनाया जाने लगा। अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों में हस्तक्षेप करने के उद्देश्य से स्थापित करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ को इतनी शक्तियां प्रदान की गई कि वह अपने सदस्य देशों की सेनाओं को विश्व शांति के लिए कहीं भी तैनात कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से ही दुनिया के अनेक देश इसके साथ जुड़ते गए और 50 सदस्यों के साथ शुरू हुए इस वैश्विक संघ के सदस्य देशों की संख्या अब 193 हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की संरचना में सुरक्षा परिषद वाले सबसे शक्तिशाली देश थे अमेरिका, फ्रांस, रूस तथा यूनाइटेड किंगडम, जिनकी द्वितीय विश्वयुद्ध में अहम भूमिका थी। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्य उद्देश्यों में युद्ध रोकना, मानवाधिकारों की रक्षा करना, सभी देशों के बीच मित्रवत संबंध कायम करना, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को निभाने की प्रक्रिया जुटाना, सामाजिक एवं आर्थिक विकास, निर्धन तथा भूखे लोगों की सहायता करना, उनका जीवन स्तर सुधारना, बीमारियों से लड़ना इत्यादि शामिल हैं और इन उद्देश्यों को निभाने के लिए 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा प्रमाणित की गई। हालांकि विड़म्बना है कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के इन 81 वर्षों में यह वैश्विक संस्था अब धीरे-धीरे अपनी प्रासंगिकता खोने लगी है। दरअसल बीते 81 वर्षों से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अर्थव्यवस्था, हथियार, मीडिया, समाज, मुद्रा तथा समाज से संबंधित तमाम नीतियां इसके पांच स्थायी सदस्य देशों ब्रिटेन, अमेरिका, चीन, रूस तथा फ्रांस के राष्ट्रीय हितों के अनुरूप ही निर्धारित की जाती रही हैं, जिस कारण ऐसी नीतियों का खामियाजा भारत के अलावा जापान, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, इजरायल, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे कई अन्य देशों को भुगतना पड़ा है, जो संयुक्त राष्ट्र महासभा की स्थायी सदस्यता के लिए तमाम मानदंडों को पूरा करने के बाद भी दशकों से सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य बनने के लिए प्रयासरत हैं। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के आठ दशकों में विश्व के सामरिक और आर्थिक समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं लेकिन इतना लंबा समय बीत जाने और तमाम वैश्विक समीकरण पूर्ण रूप से बदल जाने के बावजूद वीटो अधिकार वाले पांचों स्थायी सदस्यों में से कोई भी अपने वीटो अधिकार और स्थायी सीट को छोड़ने को तैयार नहीं है। हालांकि स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर संयुक्त राष्ट्र में आम सहमति है लेकिन चीन को खासकर एशिया से वीटो अधिकार वाले सदस्यों की संख्या बढ़ाना किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं है, जहां स्थायी सदस्यता के दोनों दावेदारों (भारत और जापान) पर वह विभिन्न कारणों से संदेह करता है। भारत ने जिस चीन को मान्यता देने में पहल की थी और सुरक्षा परिषद में उसकी स्थायी सीट को सिद्धांत के तौर पर लेने से मना कर दिया था, आज वही चीन भारत की स्थायी सदस्यता के मार्ग में रोड़े अटका रहा है। भारत चीन के वीटो पावर के कारण ही सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं बन पा रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित किए जाने वाले प्रस्ताव बाध्यकारी प्रकृति के नहीं होते। आश्चर्य की बात है कि महासभा में 193 सदस्य देशों द्वारा पारित किए जाने वाले प्रस्ताव भी सुरक्षा परिषद के 5 स्थायी सदस्यों की सहमति पर ही निर्भर करते हैं। इसीलिए अनेक देशों द्वारा इसमें सुधार किए जाने की मांग बीते कई वर्षों से निरंतर की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी की वकालत करते हुए कह चुके हैं कि नई ताकतों को केन्द्रीय भूमिका में लाए बिना दुनिया की यह सबसे बड़ी पंचायत स्वयं से की जाने वाली अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पाएगी। दुनिया के कई देश बार-बार कहते रहे हैं कि संयुक्त राष्ट्र का ढ़ांचा अब पुराना पड़ चुका है और इसकी स्थापना के समय जो परिस्थितियां थी, वे अब बहुत पुरानी हो चुकी हैं। इसलिए यदि यह वैश्विक संस्था अपने भीतर समयानुकूल सुधार नहीं लाती है तो कालांतर में यह महत्वहीन होती चली जाएगी। रूस-यूक्रेन युद्ध हो या इजरायल-फिलस्तीन अथवा अमेरिका-ईरान युद्ध, इन संघर्षों में दोनों ही पक्षों के हजारों बेगुनाह लोग मारे जा रहे हैं, हजारों परिवार उजड़ चुके हैं, लाखों की आबादी पलायन की त्रासदी से जूझ रही है, शहर के शहर मलबे में तब्दील हो रहे हैं लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ इन संघर्षों को रोकने के लिए कुछ नहीं कर सका है।

जानलेवा होती हवा: सर्दियों से पहले ही प्रदूषण की चुनौती



ललित गर्ग

सर्दियों ने अभी पूरी तरह दस्तक भी नहीं दी है कि देश के अनेक शहरों की हवा में प्रदूषण का जहर घुलने लगा है। दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता का तेजी से बिगड़ना इस बात का संकेत है कि प्रदूषण का संकट अब केवल सर्दियों की मौसमी समस्या नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरणीय प्रबंधन, शहरी विकास और सार्वजनिक स्वास्थ्य के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुका है। हर साल अक्टूबर-नवंबर में दमघोंटू धुंध, आंखों में जलन, सांस लेने में कठिनाई और अस्पतालों में बढ़ती मरीजों की संख्या के साथ यह संकट सामने आता है। विडंबना यह है कि समस्या के कारणों की पहचान होने और उपायों की जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद हम हर वर्ष उसी त्रासदी को दोहराने के लिए विवश दिखाई देते हैं। सवाल यह है कि क्या स्वच्छ हवा में सांस लेना भी अब नागरिकों के लिए एक दुर्लभ सुविधा बनकर रह जाएगा? वायु प्रदूषण किसी एक कारण या किसी एक राज्य की देन नहीं है। वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, कचरा और जैविक पदार्थ जलाना, ताप विद्युत संयंत्रों से होने वाला उत्सर्जन तथा कृषि अवशेषों का दहन इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। सर्दियों में तापमान गिरने, हवा की गति कम होने और वायुमंडलीय परिस्थितियों के कारण प्रदूषक जमीन के निकट जमा हो सकते हैं। इससे प्रदूषण का प्रभाव अधिक गंभीर हो जाता है। इस प्रकार मौसम समस्या को बढ़ाता अवश्य है, लेकिन प्रदूषण पैदा करने वाले मूल कारण मुख्यतः मानवीय गतिविधियों और उनके अपर्याप्त नियमन से जुड़े हैं।

दिल्ली-एनसीआर की स्थिति इस संकट का सबसे स्पष्ट उदाहरण है। दिल्ली के साथ गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के अनेक शहर एक-दूसरे से जुड़े वायु क्षेत्र का हिस्सा हैं। इसलिए केवल दिल्ली की सीमाओं के भीतर उपाय करने से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। हवा किसी प्रशासनिक सीमा को नहीं मानती, वह प्रदूषण को भी एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक पहुंचाती है। अतः समाधान भी क्षेत्रीय सहयोग, साझा जवाबदेही और समन्वित कार्ययोजना पर आधारित होना चाहिए। वायु प्रदूषण का सबसे भयावह पक्ष उसका स्वास्थ्य पर पड़ने वाला प्रभाव है। विशेष रूप से पीएम 2.5 जैसे अत्यंत सूक्ष्म कण फेफड़ों की गहराई तक पहुंच सकते हैं और कुछ परिस्थितियों में रक्तप्रवाह तक प्रवेश कर सकते हैं। इनके लंबे समय तक संपर्क में रहने से हृदय एवं फेफड़ों संबंधी बीमारियों, स्ट्रोक और समयपूर्व मृत्यु का जोखिम बढ़ता है। बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं तथा पहले से बीमार लोगों पर इसका प्रभाव विशेष रूप से गंभीर हो सकता है।

यह संकट केवल सांस के मरीजों तक सीमित नहीं है। स्वस्थ दिखाई देने वाले लोगों की कार्यक्षमता, एकाग्रता और जीवन की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। स्कूल जाने वाले बच्चों को खुले मैदान में खेलने से रोकना पड़े, बुजुर्ग सुबह की सैर छोड़ने को विवश हों और श्रमिकों को जहरीली हवा में काम करना पड़े, तो यह केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि जीवन की गरिमा और नागरिकों के स्वास्थ्य के अधिकार से जुड़ा प्रश्न है। एयर प्यूरीफायर या मास्क कुछ परिस्थितियों में व्यक्तिगत बचाव में सहायक हो सकते हैं, लेकिन वे स्वच्छ हवा की सार्वजनिक व्यवस्था का विकल्प नहीं बन सकते। प्रदूषण बढ़ने पर ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) लागू करना आवश्यक है। इसके अंतर्गत प्रदूषण की गंभीरता के अनुसार निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध, वाहनों और उद्योगों पर नियंत्रण तथा अन्य आपातकालीन कदम उठाए जाते हैं। लेकिन इन उपायों की सफलता केवल आदेश जारी करने से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन और निरंतर निगरानी से सुनिश्चित होती है। यदि प्रतिबंधों का उल्लंघन होता रहे, निर्माण स्थलों पर धूल उड़ती रहे और कचरा खुले में जलता रहे, तो सरकारी घोषणाएं अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकतीं।

सरकार को प्रदूषण के चरम पर पहुंचने की प्रतीक्षा करने के बजाय सितंबर-अक्टूबर से ही तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। प्रदूषण के स्रोतों की पहचान, औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण, सड़कों की नियमित सफाई, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण और वाहनों के उत्सर्जन की जांच पहले से सुनिश्चित की जानी चाहिए। सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना, इलेक्ट्रिक बसों को बढ़ावा देना, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार करना और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई करना दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। कृषि क्षेत्र में पराली जलाने की समस्या का समाधान किसानों पर जुर्माना लगाने भर से नहीं होगा। उन्हें फसल अवशेषों के प्रबंधन के लिए सस्ती मशीनें, तकनीकी सहायता, आर्थिक प्रोत्साहन और स्थानीय स्तर पर उपयोग की सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी। किसानों को समस्या का भागीदार नहीं, समाधान का सहयोगी बनाना होगा।

प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है। नागरिकों को निजी वाहनों का अनावश्यक उपयोग कम करने, सार्वजनिक परिवहन अपनाने, कचरा और पत्तियां न जलाने तथा ऊर्जा की बचत करने जैसे कदम उठाने होंगे। पर्यावरण संबंधी नियमों के उल्लंघन की सूचना संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाना और स्थानीय स्तर पर स्वच्छता एवं हरित क्षेत्र बढ़ाने के प्रयासों में भाग लेना भी आवश्यक है। मीडिया, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों को जनजागरूकता अभियान चलाने चाहिए, ताकि स्वच्छ हवा का महत्व केवल प्रदूषण के चरम पर ही याद न आए। साथ ही, वायु गुणवत्ता के आंकड़े पारदर्शी ढंग से सार्वजनिक किए जाएं और नागरिकों को प्रदूषण के स्तर के अनुरूप स्वास्थ्य संबंधी सलाह दी जाए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकारें, उद्योग, किसान और नागरिक अपनी-अपनी जिम्मेदारियों से पीछे न हटें। चीन के बीजिंग जैसे शहरों में प्रदूषण घटाने के अनुभव यह बताते हैं कि निरंतर नीतिगत प्रयास, स्वच्छ परिवहन, औद्योगिक नियंत्रण और प्रभावी निगरानी से उल्लेखनीय सुधार संभव है। भारत को भी अपनी परिस्थितियों के अनुरूप ऐसे उपायों को दृढ़ता से लागू करना होगा। हर साल सर्दियों में प्रदूषण से जूझना और फिर मौसम बदलने पर समस्या को भूल जाना किसी भी संवेदनशील समाज की नियति नहीं हो सकती। स्वच्छ हवा कोई विलासिता नहीं, जीवन की बुनियादी आवश्यकता है। यदि आज ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। इसलिए प्रदूषण का मुकाबला संकट गहराने के बाद नहीं, उससे पहले करना होगा। सरकार की सक्रियता, प्रशासन की जवाबदेही और जनता की जागरूकता ही वह त्रिकोण है, जिसके आधार पर हम दमघोंटू हवा से मुक्ति की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

टाइफून चांपी से ताइवान में एक की मौत, 94 घायल

ताइपे,एजेंसी। शक्तिशाली टाइफून चांपी ने ताइवान, जापान और चीन में जनजीवन प्रभावित किया है। तूफान के कारण ताइवान में एक व्यक्ति की मौत हुई, जबकि 94 लोग घायल हुए हैं। पहाड़ी इलाकों में रहने वाले करीब 1,300 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। तूफान के केंद्र के पास हवा की रफ्तार 191 किलोमीटर प्रति घंटे तक दर्ज की गई, जिससे प्रशासन को बड़े पैमाने पर एहतियाती कदम उठाने पड़े। ताइवान में खराब मौसम के कारण सैकड़ों उड़ानें रद्द कर दी गईं। वित्तीय बाजार बंद रहे और सार्वजनिक परिवहन सेवाएं भी सीमित कर दी गईं। उत्तर-पूर्वी यिलान काउंटी में प्रशासन ने रेत से भरी बोरियां बांटने के साथ बचाव कार्यों के लिए विशेष वाहन और इन्फ्लेटेबल नावें तैयार रखीं। अधिकारियों ने जरूरत पड़ने पर सेना की मदद लेने की तैयारी भी की है। टाइफून का असर जापान के दक्षिण-पश्चिमी द्वीपों पर भी देखने को मिल रहा है। ओकिनावा क्षेत्र में करीब 3,630 घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण मरम्मत कार्य प्रभावित हुआ है। जापान में 160 से अधिक उड़ानें रद्द की गई हैं। अधिकारियों ने लोगों को ऊंची समुद्री लहरों, भूस्खलन, बाढ़ और नदियों का जलस्तर बढ़ने के खतरे को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है। उधर, चीन के मौसम विभाग ने तूफान के प्रभाव को देखते हुए नीला अलर्ट जारी किया है। पूर्वी तटीय क्षेत्रों में 50 से 80 मिलीमीटर तक बारिश होने का अनुमान जताया गया है। झेजियांग प्रांत ने ऊंची समुद्री लहरों के खतरे के मद्देनजर नारंगी अलर्ट जारी किया है। टाइफून चांपी को लेकर तीनों देशों में प्रशासन अलर्ट पर है। राहत और बचाव एजेंसियां संभावित नुकसान को कम करने के लिए तैयार हैं। अधिकारियों ने लोगों से मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

इजरायली पीएम नेतन्याहू के काफिले पर हमला, जनता में आक्रोश

यरुशलम,एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के काफिले पर हाल ही में यरुशलम में हमला हुआ। यह घटना तब घटी जब वे अपने 77वें जन्मदिन का जश्न मनाने जा रहे थे। भीड़ के अंदर से उनके काफिले पर एक कांच की बोतल फेंकी गई, हालांकि इस हमले में नेतन्याहू और उनका परिवार बाल-बाल बच गए। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हमला गुरुवार रात यरुशलम के महाने येहुदा बाजार के पास हुआ। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत हमलावर की तलाश शुरू कर दी। काफिले के निर्बाध गुजरने के लिए लाइट रेल सेवा को अस्थायी रूप से रोका गया था, और हजारों लोग सड़क किनारे उनके स्वागत में खड़े थे, तभी भीड़ के बीच से यह हमला किया गया। सामने आए वीडियो में हमलावर द्वारा बोतल फेंकने की कोशिश करते देखा जा सकता है। हमले के बावजूद, नेतन्याहू अपनी पत्नी सारा के साथ महाने येहुदा पहुंचे, जहाँ लिकुड पार्टी के समर्थकों ने उनका स्वागत किया और जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब नेतन्याहू को सार्वजनिक विरोध का सामना करना पड़ रहा है। यरुशलम की इस घटना से ठीक पहले, उन्हें तेल अवीव के हा-तिकवा बाजार में भारी विरोध का सामना करना पड़ा था। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक व्यक्ति को नेतन्याहू से सीधे यह पूछते हुए देखा गया, आपने हमास को लाखों डॉलर क्यों भेजे? इस दौरान उस व्यक्ति का फोन छीन लिया गया और उसे धक्का देकर बाहर कर दिया गया। नेतन्याहू के खिलाफ जनता में बढ़ते आक्रोश का मुख्य कारण हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के परिवारों का असंतोष है। बंधकों के कई परिजनों ने आरोप लगाया है कि 7 अक्टूबर के नरसंहार के लिए वर्तमान सरकार और प्रधानमंत्री जिम्मेदार हैं। बंधकों के परिजनों, जिनमें मारे गए बंधक गाय इलूज के पिता और पूर्व बंधक मतन जंगौकर की मां शामिल हैं, ने विरोध प्रदर्शनों में भाग लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि लिकुड समर्थकों ने उनके साथ मारपीट की, उन पर थूका और सब्जियां फेंकी।

ट्रंप बोले- अटलांटिक महासागर का नाम बदलकर ट्रंप महासागर रखें

-गूगल ने कर दिया इनकार



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपनी अजीबोगरीब मांगों को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बार उन्होंने गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई को फोन करके अटलांटिक महासागर का नाम बदलकर ट्रंप महासागर करने को कहा। हालांकि, गूगल ने उनकी यह मांग मानने से साफ इनकार कर दिया है। यह जानकारी खुद डोनाल्ड ट्रंप ने साउथ कैरोलिना में एक संसदीय चुनाव प्रचार रैली के दौरान दी। ट्रंप के मुताबिक, उन्होंने सुंदर पिचाई को अटलांटिक महासागर का नाम ट्रंप ओसियन करने का सुझाव दिया, लेकिन पिचाई ने यह कहकर इनकार कर दिया कि इस बार वे ऐसा नहीं कर सकते।

गूगल और अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने राष्ट्रपति को समझाया कि अटलांटिक महासागर सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि कई अन्य देशों तक फैला हुआ है, इसलिए इसका नाम बदलना संभव नहीं होगा। ट्रंप ने खुले तौर पर यह भी कहा है कि प्रशांत महासागर को अमेरिकन ओसियन और अटलांटिक महासागर को ट्रंप ओसियन कर देना चाहिए। उनका मानना है कि उनके पिता अक्सर कहते थे कि उन्हें स्थानों की अच्छी समझ है। ट्रंप के नाम बदलने की यह कोई पहली सनक नहीं है। इससे पहले वे मेक्सिको की खाड़ी को अमेरिकन खाड़ी और कनाडा के साथ साझा ओंटारियो झील को अमेरिकी झील करवा चुके हैं। उनके आदेश के बाद गूगल मैप्स और एप्पल मैप्स पर इन नामों को जोड़ दिया गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति को यह अधिकार है कि वह सरकारी इस्तेमाल के लिए किसी भी जगह का नाम बदल सकता है। दूसरे देश या प्राइवेट कंपनी उसे मानने या ना मानने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन ट्रंप के आदेश के मुताबिक गूगल और एप्पल ने मेक्सिको की खाड़ी और ओंटारियो झील के नाम के साथ अमेरिकी खाड़ी और अमेरिकी झील जोड़ दिया था। जनवरी 2025 में ट्रंप ने अलास्का की सबसे ऊंची पर्वत डेनाली का नाम बदलकर माउंट मैकिनले कर दिया था। इसी साल सितंबर में उन्होंने अमेरिकी राज्य न्यू मेक्सिको का नाम बदलकर न्यू अमेरिका करने का सुझाव दिया, हालांकि उन्होंने इस पर जोर न डालने की बात कही थी। अमेरिकी राष्ट्रपति की नाम बदलने की सनक केवल महासागरों तक ही सीमित नहीं है। वे होर्मुज जलडमरूमध्य का नाम भी अपने नाम पर ट्रंप स्ट्रेट रखना चाहते हैं, जो इजरायल और ईरान के संघर्ष के दौरान काफी चर्चा में रहा था। इसके अलावा, ट्रंप की चाहत अमेरिका की मिसिसिपी या हडसन नदी में से किसी एक का नाम बदलने की भी है। डोनाल्ड ट्रंप की नाम बदलने की यह बढ़ती सनक वैश्विक भूगोल और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को किस हद तक प्रभावित करेगी, यह देखना बाकी है।

होर्मुज के पास अमेरिकी एफ-35 लड़ाकू विमान पर संकट, 7600 कोड भेजा

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां अमेरिका के सबसे ताकतवर लड़ाकू विमान एफ-35 को ईरान के होर्मुज स्ट्रेट के पास एक मुसीबत का सामना करना पड़ा। दुनिया के सबसे सक्षम पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट में शुमार इस विमान ने अपने ट्रांसपॉन्डर पर 7600 कोड भेजा और फिर अपना रास्ता बदलकर संयुक्त अरब अमीरात की ओर रुख कर लिया। यह कोड आम तौर पर विमान के रेडियो संचार में समस्या आने का संकेत देता है। हालांकि, विमान के साथ असल में क्या हुआ और उसे अपना रास्ता क्यों बदलना पड़ा, इस बारे में अभी तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं है। मिली जानकारी के मुताबिक, होर्मुज के पास उड़ान भर रहे इस विमान ने ट्रांसपॉन्डर पर 7600 कोड प्रसारित किया। इसके बाद विमान का रास्ता बदलने और यूएई की ओर बढ़ने की जानकारी सामने आई। विमान संयुक्त अरब अमीरात स्थित अल धफरा एयरबेस की तरफ बढ़ गया। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि रेडियो संचार में आई समस्या की वजह क्या थी, विमान को अपना रास्ता क्यों बदलना पड़ा और क्या यह किसी तकनीकी खराबी से जुड़ा मामला था। इस घटनाक्रम को लेकर सबसे अहम बात यह है कि 7600 कोड अपने आप में किसी हमले या विमान को निशाना बनाए जाने का सबूत नहीं है। यह कोड मुख्य रूप से विमान और एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) के बीच रेडियो संचार में समस्या का संकेत देता है। ट्रांसपॉन्डर एक ऐसा उपकरण है जिसके जरिए विमान अपनी पहचान और स्थिति से जुड़े कोड प्रसारित करता है, ताकि एयर ट्रैफिक कंट्रोल उससे संपर्क कर सके। 7600 कोड विशेष रूप से रेडियो संचार में खराबी का संकेत देता है, जिसका अर्थ है कि विमान को एयर ट्रैफिक कंट्रोल से जुड़ने में परेशानी हो रही है। ऐसी स्थिति में पायलट और एयर ट्रैफिक कंट्रोल तय प्रक्रियाओं के अनुसार विमान की सुरक्षित उड़ान और आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करने की कोशिश करते हैं। अल धफरा एयरबेस संयुक्त अरब अमीरात में स्थित एक अहम सैन्य हवाई अड्डा है, जहां अमेरिकी सैन्य मौजूदगी भी रही है।

उत्तर कोरिया ने किया जैम-2.0 टॉरपीडो का परीक्षण



प्योंगयांग,एजेंसी। हाल ही में उत्तर कोरिया ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाली नई 'जैम-2.0' टॉरपीडो प्रणाली का पानी के भीतर परीक्षण किया है। यहां की सरकारी मीडिया ने इस परीक्षण की जानकारी देते हुए इसे देश की नौसैनिक ताकत बढ़ाने की दिशा में एक बड़ी कामयाबी बताया। यह कदम क्षेत्र में सैन्य तनाव को और बढ़ा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर कोरिया ने गुरुवार को 'जैम-2.0' नाम की इस टॉरपीडो का परीक्षण किया, जिसका मुख्य मकसद हथियार में किए गए नए बदलावों की प्रभावशीलता और उसके प्रदर्शन से जुड़ी क्षमताओं की जांच करना था। इस नई टॉरपीडो में एआई तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिसकी मदद से यह लक्ष्य को पहचानने और उस पर सटीक निशाना लगाने में सक्षम हो सकती है। परीक्षण में यह भी जांचा गया कि टॉरपीडो को पानी के भीतर आगे बढ़ाने वाला सिस्टम कितना बेहतर काम करता है और इसकी रफ्तार बढ़ाने वाली त कनीक में कितना सुधार हुआ है। उत्तर कोरिया का दावा है कि पिछले पांच साल में इस टॉरपीडो प्रणाली से जुड़े 180 से ज्यादा टेस्ट किए गए हैं, जो इसके विकास पर लगातार किए जा रहे प्रयासों को दर्शाते हैं।

होर्मुज में 7 तेल टैंकरों पर हमला, ट्रंप ने दिए सैन्य कार्रवाई के संकेत

ईरान-अमेरिका में बढ़ा तनाव



वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर सैन्य संघर्ष की स्थिति गहराती दिख रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तल्ख तेवर दिखाते हुए ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई के संकेत दिए हैं। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका ने ईरान को बुरी तरह से सबक सिखाया है। इस बीच, ईरान का कहना है कि एक ही दिन में रणनीतिक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में सात तेल टैंकरों को नुकसान पहुंचाया गया है। ईरान के साथ अमेरिका और इजरायल के बीच तनाव की शुरुआत के बाद से एक दिन में यह नुकसान की सबसे बड़ी घटना है, जिसने क्षेत्र में युद्ध की आशंका को बढ़ा दिया है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, जो वैश्विक तेल व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है, में हुए इन सात जहाजों पर हमलों ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की चिंताएं बढ़ा दी हैं। एक ही रात में सात जहाजों को निशाना बनाया गया, जिनमें से तीन बारूदी सुरंगों की चपेट में आए और चार पर सीधे ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने हमला किया। ईरान का स्पष्ट मानना है कि ये हमलाग्रस्त जहाज अमेरिका से जुड़े हैं और इन्हें ट्रंप प्रशासन का सीधा समर्थन प्राप्त है।

आईआरजीसी ने हाल ही में घोषणा की थी कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी आक्रामकता से निपटने के लिए उनके पास अब एक नई और आक्रामक रणनीति है। इस नई रणनीति के तहत, ईरान पर किसी भी तरह की समुद्री नाकेबंदी लागू करने को सीधे तौर पर युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा। अब स्थिति ऐसी नहीं है कि ईरान केवल अमेरिका या इजरायल की ओर से संभावित हवाई हमले का इंतजार करे। आईआरजीसी ने यह साफ कर दिया है कि वे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर भी जवाबी कार्रवाई करने को तैयार हैं, क्योंकि उनका मानना है कि इन जहाजों की आवाजाही को अमेरिका का प्रोत्साहन, मदद और समर्थन प्राप्त है। ईरान ने चेतावनी जारी की है कि होर्मुज में अभी और भी ऐसे हमले हो सकते हैं। उसने कहा है कि आने वाले दिनों में जब अन्य जहाज इस संवेदनशील जलमार्ग से गुजरने की कोशिश करेंगे, तो ईरान अपनी इन धमकियों को सच कर दिखाने से नहीं चूकेगा। दूसरी ओर, अमेरिका और इजरायल भी क्षेत्र में सैन्य संघर्ष के फिर से शुरू होने की बात कर रहे हैं। ईरान भी इस संभावित टकराव के लिए पूरी तरह से तैयार दिख रहा है और उसका दावा है कि उसके पास किसी भी जवाबी कार्रवाई को अंजाम देने के लिए पर्याप्त क्षमता और साधन मौजूद हैं। यह घटनाक्रम मध्य पूर्व में एक बड़े और खतरनाक सैन्य टकराव की संभावना को और भी अधिक मजबूत करता है।

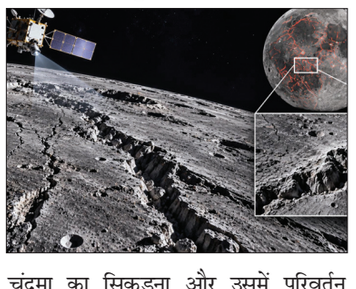
चांद पर दस हज़ार से अधिक दरारें, नासा की रिपोर्ट में भूकंप का बड़ा खतरा

वाशिंगटन, एजेंसी। नासा की ताजा तस्वीरों ने चंद्रमा की सतह पर 10 हज़ार से अधिक इसतरह के फॉल्ट (दरारें) का खुलासा किया है, जहाँ कभी भी भूकंप आ सकता है। यह महत्वपूर्ण खोज लूनर रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर कैमरा (एलआरओसी) से प्राप्त छवियों के गहन विश्लेषण पर आधारित है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि ये दरारें नासा के आर्टेमिस मिशन के लिए सुरक्षित लैंडिंग साइट चुनने में नई चुनौतियाँ पैदा करती हैं, जिसका लक्ष्य फिर इंसानों को चांद पर उतारना है।

अध्ययन के अनुसार, चंद्रमा का आंतरिक भाग धीरे-धीरे ठंडा हो रहा है, जिसके परिणामस्वरूप उसका आकार सिकुड़ रहा है। बीते करीब 40 करोड़ वर्षों में चांद की त्रिज्या करीब 45 मीटर कम हो गई है। यह सिकुड़न चंद्रमा की सतह पर दबाव डालती है, जिससे लोबेट स्कार्प और मारे रिज जैसी लंबी और उभरी हुई भूगर्भीय संरचनाएं बनती हैं। एलआरओसी कैमरे ने 8,900 से अधिक लोबेट स्कार्प और 2,000 से अधिक छोटी मारे रिज की पहचान की है, जो सिकुड़न प्रक्रिया से जुड़ी हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि चांद की त्रिज्या हर 10 लाख साल में 6 से 11 सेंटीमीटर तक कम हो सकती है, जो यह दर्शाता है कि यह भूगर्भीय गतिविधि अभी भी जारी है।

ये फॉल्ट ही चंद्रमा पर मूनक्वेक (चंद्र भूकंप) का मुख्य कारण हैं। साल 2019 में वैज्ञानिक टॉम वॉटर्स और उनकी टीम ने फॉल्ट और भूकंपीय गतिविधि के बीच संबंध के ठोस सबूत दिए थे, जब अपोलो मिशनों के दौरान लगाए गए सीस्मोमीटर ने फॉल्ट के निकट भूकंप रिकॉर्ड किए थे। पृथ्वी की बाहरी सतह के विपरीत, जो करीब 15 बड़ी टेक्टोनिक प्लेटों में बंटी है, चांद की बाहरी सतह एक बड़ी, एकल प्लेट की तरह है। यह अंतर चंद्रमा पर भूकंप आने वाले स्थानों की भविष्यवाणी को अधिक जटिल बनाता है, क्योंकि हलचल पुराने फॉल्ट में हो सकती है या नए भी बन सकते हैं।

यह खोज आर्टेमिस मिशन के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ रखती है। वास्तव में, 2024 की एक स्टडी में आर्टेमिस मिशन के लिए चुनी गई 13 संभावित लैंडिंग साइट्स में से कुछ के पास ऐसे इलाके पाए गए थे जहाँ भूकंप का खतरा हो सकता है। चंद्र भूकंप से सतह पर मिट्टी और चट्टानों का खिसकना संभव है, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों और उनके उपकरणों को संभावित नुकसान पहुँच सकता है। हालांकि, वैज्ञानिकों का कहना है कि यह खोज मिशन को असंभव नहीं बनाती है। उन्होंने पाया है कि जिन क्षेत्रों में चांद की बाहरी पपड़ी मोटी है, वहाँ फॉल्ट कम मिले हैं, और ऐसी जगहों को भविष्य के मिशनों के लिए बेहतर विकल्प माना जा सकता है।



चंद्रमा का सिकुड़ना और उसमें परिवर्तन लगातार जारी हैं, इसलिए सुरक्षित चंद्र लैंडिंग और भविष्य की खोज के लिए इन भूगर्भीय गतिविधियों का निरंतर अध्ययन और निगरानी अत्यंत आवश्यक है।

सऊदी पर हूती हमला: भारतीय तीर्थयात्रियों को निकालने में जुटा विदेश मंत्रालय

दम्माम,एजेंसी। पश्चिम एशिया में सुरक्षा संकट उस समय और गहरा गया जब यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर अपने हमले तेज करते हुए राजधानी रियाद में स्थित रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय को निशाना बनाया। हवा से आई मिसाइलों ने रक्षा मंत्रालय परिसर को दहला दिया, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। इससे पहले उसी दिन हूती विद्रोहियों ने सऊदी की प्रमुख तेल कंपनी अरामको के ठिकानों और दम्माम स्थित किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी ड्रोन और मिसाइल से भीषण हमले किए थे। दम्माम में हुए इन हमलों में दो विदेशी नागरिकों की मौत की पुष्टि हुई है, जिनमें नेपाली और फिलिपिनो नागरिक शामिल हैं, जबकि एक भारतीय और एक पाकिस्तानी नागरिक घायल हुए हैं। सऊदी अरब में सुरक्षा स्थिति अचानक बिगड़ने के बाद वहां मौजूद भारतीय उमराह श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर भारत सरकार पूरी तरह मुस्तैद हो गई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने वहां फंसे भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश वापस लाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। रियाद में स्थित भारतीय दूतावास और जेद्दा में स्थित वाणिज्य दूतावास लगातार विभिन्न एयरलाइंस और टूर ऑपरेटरों के संपर्क में हैं ताकि प्रभावित श्रद्धालुओं की शीघ्र और सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जा सके। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार, पिछले एक सप्ताह के भीतर लगभग तीन हजार फंसे हुए उमराह श्रद्धालु उपलब्ध उड़ानों के माध्यम से भारत लौट चुके हैं। इसके अलावा, सामान्य टिकट बुकिंग वाले दस हजार से अधिक अन्य भारतीय श्रद्धालु भी सुरक्षित स्वदेश वापस आ गए हैं। दरअसल, दम्माम हवाई अड्डे पर हमले के बाद कई उड़ानों का परिचालन प्रभावित हुआ था, जिससे मक्का और मदीना में कई भारतीय श्रद्धालु अटक गए थे। इस स्थिति को देखते हुए ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी सोशल मीडिया के जरिए सरकार से तुरंत हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया था। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए रियाद और जेद्दा में भारतीय मिशनों द्वारा चौबीसों घंटे काम करने वाले विशेष कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। भारतीय दूतावास और स्थानीय स्वयंसेवक मिलकर तीर्थयात्रियों को भोजन, आवास और चिकित्सा जैसी सहायता प्रदान कर रहे हैं। आपातकालीन संपर्क के लिए विदेश मंत्रालय ने हेल्पलाइन नंबर और व्हाट्सएप सेवाएं भी शुरू की हैं।



प्रशांत महासागर में हजारों एलियन वायरस मिले वैज्ञानिकों को

वाशिंगटन , एजेंसी। प्रशांत महासागर की अथाह गहराई से एक ऐसी असाधारण खोज सामने आई है, जिसने वैज्ञानिकों को अचंभित कर दिया है। चीन की चोंगकिंग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने प्रशांत महासागर के क्लेरियन-क्लिपर्टन जोन में लगभग 12 हजार तरह के एलियन वायरसों की पहचान की है। इन्हें एलियन इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि इनमें से 99 प्रतिशत से ज्यादा को वैज्ञानिक पहचानते तक नहीं हैं और न ही उनके बारे में कभी सुना है। यह विशाल समुद्री क्षेत्र मैक्सिको और हवाई के बीच स्थित है, जहां की गहराई लगभग 6000 मीटर तक पहुंचती है। सूरज की रोशनी से दूर इस अंधेरी दुनिया में जीवन किस तरह पनपता है, यह वैज्ञानिकों के लिए लंबे समय से एक दिलचस्प सवाल रहा है। इस क्षेत्र की तलहटी पर आलू के आकार जैसी लाखों धातुओं से भरी हुई चट्टानें बिखरी हुई हैं, जिन्हें पॉलीमेटैलिक नोड्यूल कहा जाता है।

मुनीर के तेहरान दौरे के तुरंत बाद पाक-ईरान सीमा पर हमला

तेहरान, एजेंसी। पाकिस्तान और ईरान की सीमा पर स्थिति उस समय और अधिक तनावपूर्ण हो गई जब पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की तेहरान की आधिकारिक यात्रा समाप्त होने के तुरंत बाद ट्रेड गेट 250 के पास अज्ञात सशस्त्र हमलावरों ने धावा बोल दिया। रिमदान सीमावर्ती क्षेत्र में हुए इस दुस्साहसिक हमले में ताजे फलों और खाद्य सामग्रियों से लदे दर्जनों भारी मालवाहक ट्रकों को आग के हवाले कर दिया गया। हमले के बाद सीमा सुरक्षा बलों और बंदूकधारियों के बीच जोरदार गोलीबारी हुई, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई। इस घटना ने दोनों देशों के कूटनीतिक हलकों में हड़कंप मचा दिया है। हमले की सूचना मिलते ही आपातकालीन दस्तों और अतिरिक्त सुरक्षा बलों को मौके पर भेजा गया। पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियों ने हमलावरों को पकड़ने और सीमावर्ती क्षेत्र को सुरक्षित करने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है। जांच एजेंसियां इस बात की भी पड़ताल कर रही हैं कि कहीं इस हमले का तार बलूचिस्तान क्षेत्र में सक्रिय उग्रवादी गुटों से तो नहीं जुड़ा है। इस अग्निकांड से स्थानीय निर्यातकों और व्यापारियों को करोड़ों रुपये का सीधा नुकसान पहुंचा है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान और ईरान के बीच गब्द-रिमदान और ताफ्तान सीमा चौकियों पर वाणिज्यिक आवाजाही काफी दिनों से बाधित है। पाकिस्तान ने सुरक्षा कारणों और तस्करी रोकने का हवाला देकर ईरानी ट्रकों के प्रवेश पर रोक लगा रखी है, जिसके जवाब में सैकड़ों ट्रक सीमा पर लावारिस हालत में खड़े हैं। इन ट्रकों के चालकों को पीने के पानी और भोजन जैसी मूलभूत सुविधाओं के संकट से जूझना पड़ रहा है। सेना प्रमुख आसिम मुनीर के तेहरान दौरे के दौरान ईरानी नेतृत्व के साथ सीमा विवाद सुलझाने पर चर्चा हुई थी। ईरान-पाकिस्तान संसदीय मैत्री समूह के प्रमुख फदाहोसैन मलेकी के अनुसार, आसिम मुनीर ने तेहरान से सीमा खोलने का आश्वासन दिया था, लेकिन इसके बावजूद जमीनी स्तर पर स्थिति नहीं बदली। मलेकी ने चेतावनी दी है कि यदि पाकिस्तान की तरफ से ईरानी ट्रकों की आवाजाही को तकनीकी बहाने बनाकर रोका जाना जारी रहा, तो ईरान भी अपनी तरफ से सीमा को पूर्णतः सील कर देगा।

जानकारी

ब्रोकली खाने से टल जाएंगी ये प्रॉबल्म



ब्रोकोली, जो दिखने में बिल्कुल फूलगोभी की तरह होती है। ज्यादातर लोग इसका इस्तेमाल सलाद के रूप में करते है। बहुत से लोग ऐसे भी है, जो ब्रोकोली का सूप या सब्जी बनाकर खाना पंसद करते है। भारत में ब्रोकोली का चलन तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन फिर भी यह आम लोगों में ज्यादा लोकप्रिय नहीं है। ब्रोकोली बहुत ही पौष्टिक सब्जियों में आती है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट और फाइटोकैमिकल्स मौजूद होते है। इसके अलावा ब्रोकोली में आयरन, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स, विटामिन्स भरपूर मौजूद हैं। इससे शरीर स्ट्रोंग बनता है और उसे कई बीमरियों से लड़ने की ताकत मिलती है। हम आपको बताएंगे कि ब्रोकोली खाने से आप किन-किन बीमारियों से बचे रहते हैं।

कैंसर से बचाव

ब्रोकोली में फाइटोकैमिकल्स मौजूद होता है, जो शरीर में जाकर हॉर्मोंस कैंसर से बचाएं रखता है। यह शरीर में पैदा होने से कैंसर सेल्स को रोकती है और शरीर में मौजूद जहरीले तत्वों का बाहर निकालती है। ब्रोकोली को एंटी-कैंसर सब्जी भी कहा जाता है।

इम्युनिटी बढ़ाएं

ब्रोकोली में विटामिन सी भरपूर होता है, जो बॉडी के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है। इसके सेवन से शरीर को किसी भी प्रकार के संक्रमण से लड़ने की क्षमता मिलती है। यह बॉडी से टॉक्सिन्स को बाहर निकालती है और सर्दी-जुकाम से दूर रखती है।

स्वस्थ होगा दिल

ब्रोकोली में कैरोटीनोइड ल्यूटिन पाया जाता है, जो दिल की धमनियों को मोटा होने से रोकता है। इसके अलावा इसके सेवन से दिल का दौरा पड़ने का खतरा टल जाता है और कोलेस्ट्रॉल का लेवल कम हो जाता है।

आंखों के लिए फायदेमंद



ब्रोकोली में बीटा-कैरोटीन तत्व होता है, जो विटामिन ए का अच्छा स्त्रोत है। इसके सेवन से आंखें स्वस्थ रहती है और मोतियाबिंद होने का खतरा कम होता है। इसको खाने से आंखों रोशनी बढ़ती है।

हर किसी को अपनी सेहत का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। खासकर बारिश और सर्दियों के मौसम में लोगों को अक्सर सर्दी-जुकाम, फीवर के साथ ही स्किन से संबंधित शिकायत हो जाती है। आज हम आपको कुछ ऐसे ही फूड के बारे में बताएंगे, जिसके खाने से आप इस मौसम में शरीर को होने वाली छोटी-मोटी समस्याओं से बचा सकते हैं। आइए जानते हैं शरीर को एनर्जी देने वाले इन सुपर फूड के बारे में।



रोजाना इन चीजों के सेवन से शरीर रहेगा हमेशा तंदुरुस्त

तिल

एंटीऑक्सीडेंट और आयरन के गुणों से भरपूर तिल का गुड़ के साथ सेवन करना शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसके अलावा आप इससे बनी तिलपट्टी का सेवन भी कर सकते हैं।

गोंद के लड्डू

एक बाउल में गोंद, गेहूं का आटा, चीनी, घी, खरबूज के बीज, बादाम, और इलाइची को मिक्स करके लड्डू बनाएं। रोजाना 1 लड्डू खाने से आपके शरीर में गर्मी बनी रहेगी।

संतरा, गाजर, अमरूद

विटामिन ए और सी से भरपूर इन फलों का सेवन आपके इम्यून सिस्टम को बढ़ाता है। इसके अलावा ये फ्रूट्स आंखों और स्किन के लिए भी बहुत अच्छे होते है।

अलसी के बीज

इसमें पीसा गुड़, क्रश नट्स, तरबूज के बीज और कद्दू के बीजों को मिला पंजीरी बना लें। इसे रोजाना खाने से सर्दी-कफ के साथ-साथ कई हेल्थ प्रॉब्लम भी दूर होगी।

चिक्की

मूंगफली और गुड़ से बनी चिक्की का रोजाना सेवन बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद न्यूट्रीशन सर्दियों में भी शरीर को गर्म रखते है।

दालचीनी कुकीज

चीनी, आटा, दालचीनी, बेकिंग पाउडर, नमक, मक्खन, अंडे, और वेनिला एस्सेंस को मिला कर कुकीज तैयार करें। रोजाना 1 कुकीज खाने से आपको शरीर को एनर्जी तो मिलेगी, इसके साथ ही इससे कई हेल्थ प्रॉब्लम भी दूर होगी।

रोस्टेड नट्स

विटामिन ई के गुणों से भरपूर मूंगफली, काजू, बादाम, अखरोट जैसे नट्स को रोस्ट करके रोजाना खाने से स्किन में ग्लो आने के साथ कई हेल्थ प्रॉब्लम दूर होती है।

मखाने

मखानों को जैतून या नारियल के तेल में रोस्ट करके इनके उपर हल्की सी चिल्ली फ्लेक्स और ओरिगैनो छिड़के। रोज सुबह इसका सेवन करने से शरीर को पूरा दिन एनर्जी मिलती है।

हेल्दी यूटरस के लिए खाएं ये फूड्स

औरतों को अपनी सेहत का खास ख्याल रखना जरूरी होता है। अगर वे खुद हैल्दी रहेंगी, तभी अपने परिवार का भी अच्छे से ख्याल रख पाएंगी। ऐसी बहुत सी परेशानियां होती हैं, जो औरतों की पर्सनल प्रॉब्लम होती हैं। इसके बारे में वह कई बार किसी से खुल कर बात भी नहीं कर पाती। महिलाओं में डिलीवरी या फिर शारीरिक कमजोरी के कारण बच्चेदानी में कमजोरी आ जाती है। यूटरस की कमजोरी को दूर करने के लिए अपने आहार में शामिल करें ये चीजें।



फाइबर : फाइबर युक्त आहार खाने से शरीर में से विषैले तत्व बाहर निकल जाते हैं। अपने खाने में फल, हरी सब्जियां, बींस और 8-10 गिलास पानी का सेवन जरूर करें।

सब्जियां: सब्जियों में कैल्शिम, पोटाशियम, मैग्नीशियम और विटामिन भरपूर मात्रा में शामिल होते हैं। इससे शारीरिक कमजोरी दूर होती है और किसी तरह की इंफेक्शन की भी डर नहीं रहता।

फल: विटामिन सी युक्त फलों का सेवन करने से कई तरह की बीमारियों से राहत मिलती है। फलों का सेवन करने से ओवरी कैंसर से भी राहत मिलती है।

डेयरी प्रॉडक्ट : दूध, पनीर, मक्खन जैसे कैल्शियम से भरपूर पदार्थ भी बच्चेदानी के सेहत के लिए अच्छे होते हैं।

ग्रीन टी: ग्रीन टी एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होती है। बच्चेदानी से जुड़ी समस्याओं के लिए रोजाना एक कप ग्रीन टी का सेवन करें।

ड्राई फ्रूट और बीज: खाने में बादाम, अलसी के बीज, काजू, अखरोट को जरूर शामिल करें। इनमें फैटी एसिड भरपूर मात्रा में होता है, जो ओवरी के लिए लाभकारी है।

सुझाव

माउथवॉश से दूर करें स्किन की कई परेशानियां



मुंह की बदबू को दूर करने के लिए हम लोग अक्सर माउथवॉश का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन आप शायद यह नहीं जानते कि दांतों की फ्रैशनेस के अलावा भी इसके कई इस्तेमाल हैं। ब्यूटी से जुड़ी बहुत सी परेशानियों को दूर करने के लिए यह काम आ सकता है। आइए जानें किन तरीकों से ब्यूटी प्रॉब्लमस को दूर करता है माउथवॉश।

रूसी

सर्दी के मौसम में बालों में रूसी की समस्या होना आम बात है। इसके लिए माउथवॉश बहुत लाभकारी है। बालों को शैंपू के साथ धोने के बाद जड़ों पर माउथवॉश के साथ मसाज करें और फिर पानी से बाल धोकर कंडीशनर कर लें। हफ्ते में 1 बार इसका इस्तेमाल करें। लगातार 3-4 बार इस्तेमाल से रूसी गायब हो जाएगी।

नाखूनों की फंगस

नाखूनों में फंगस जमा हो जाने पर ये काले पड़ जाते हैं। इसके लिए माउथवॉश और सेब के सिरके को बराबर मात्रा में मिलाकर रूई की सहायता से नाखूनों पर लगाएं। इसका दिन में 2 बार इस्तेमाल करें।

हैंड सैनेटाइजर

माउथवॉश को आप हैंड सैनेटाइजर की तरह भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे छोटी बोतल में डालकर अपने पर्स में रख लें और सैनेटाइजर की जगह पर इस्तेमाल करें, लेकिन इससे पहले इस बात की जांच कर लें कि ये शूगर और एल्कोहल फ्री हो।

दूर करें हाथों की बदबू

माउथवॉश सिर्फ मुंह की बदबू को दूर करने का काम ही नहीं करता, बल्कि इससे हाथों में से आ रही लहसुन और प्याज की बदबू भी दूर हो जाती है। माउथवॉश को हाथों पर रगड़ लें और सूखने दें।

फटी एड़ियां करें ठीक

गुनगुने पानी में 1-2 ढक्कन माउथवॉश डाल लें और इसमें पैरों को डूबों कर रखें। इसके बाद क्रीम से पैरों की मसाज करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभांक-5-6-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-5-6-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-6-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-6

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-3-8-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-3-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-2-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-4-8-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। खान-पान में सावधानी रखें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-5-6-8

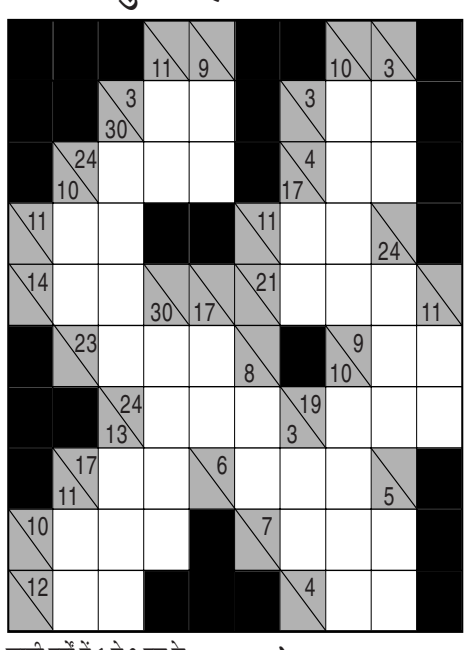
कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-8-9

मीन — दी दू थ झ ञ द दो चा ची

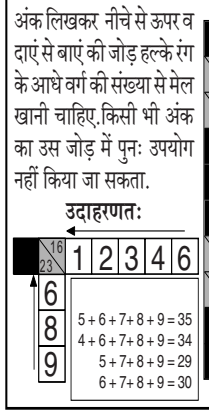
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली - 2626

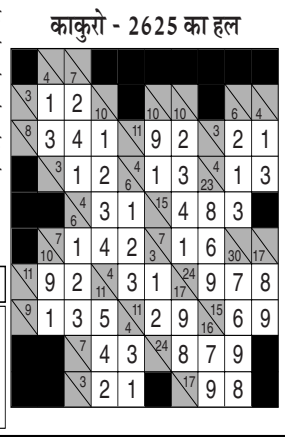


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 2625 का हल



लॉफिंग ज़ोन

विवाह के बाद प्रेमी ने प्रेमिका से कहा कि देखो अब हमारी शादी हो चुकी है।

तुम्हारी कुछ बातें ऐसी हैं, जो मुझे पसंद नहीं आतीं... और मैं तुम्हें वह सब बता देना चाहता हूँ। तुम चाहो तो इन्हें अपनी कमजोरियाँ समझ सकती हो।

प्रेमिका- रहने दो! मुझे अपनी सारी कमजोरियाँ मालूम हैं। आखिर उन्हीं के कारण तो मैं अच्छा पति नहीं पा सकी। इसका मुझे बेहद अफसोस है।

□ □ □

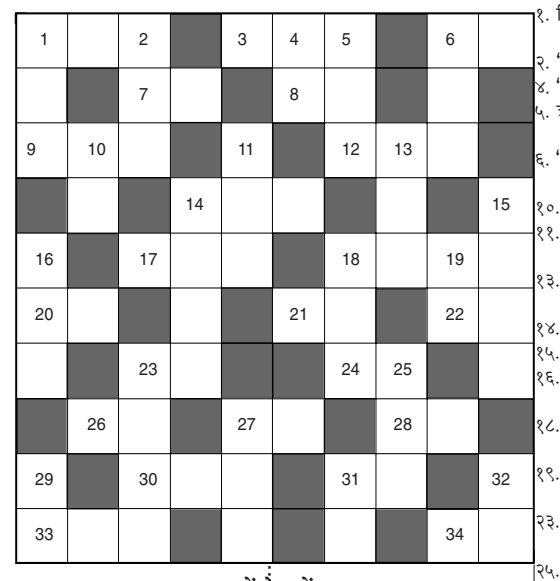
एक मोहल्ले में चल रहे कवि सम्मेलन के दौरान एक कवि मंच पर हाजिर हुआ तो नीचे बैठे श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया।

कवि बहुत ज्यादा उत्सुक था, उसने कहा- मेरे प्यारे श्रोताओं! अब मैं तुम्हे जो कविता आपको सुनाने जा रहा हूँ उसका शीर्षक है- पानी, आग और धुआँ।

भीड़ में से एक श्रोता चिल्लाया- अरे, तो सीधे-सीधे क्यों नहीं कहते कि हुक्का है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2626



बायें से दायें:-

१. सलमान, आयशा की 'बैठा नीली झील किनारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
६. जीतेंद्र, रीना, रामेश्वरी की 'तूने मुझे बुलाया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जब भी ये दिल उदास' गीत वाली राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली आशा पारेख, सुनील दत्त की फिल्म-२
९. फिल्म 'कसक' की नायिका कौन थी-३
१२. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, परवीन की 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
१८. हिंदी फिल्मों का पहला 'ही-मैन' किसे कहा जाता है-४
२०. 'छुपा रूस्तम' में नायिका कौन -२
२१. फिल्म 'अंत' में नायिका कौन थी-२
२२. अजय देवगन, ट्विंकल की 'मेरे सीने में तेरा' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'दर्दे दिल दर्दे जिगर' गीत वाली फिल्म-२
२४.'चाइना टाउन' के संगीतकार कौन-२
२६. 'कभी खुशी कभी गम' में अमिताभ की पत्नी की भूमिका किसने की है-२
२७. 'फूल और काँटे' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२८. 'नी मैं यार मनाना नी' गीत वाली राजेश, राखी, शर्मिला की फिल्म-२
३०. राजकुमार, राजेश, माला की 'गुस्सा इतना हसीन' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'मनोरंजन' में शम्मी व संजीव कुमार के साथ नायिका कौन थी-३
३४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. फिरोज खान, जीनत की 'हम तुम्हें चाहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कभी-कभी' में ऋषि की नायिका -३
४. 'बंदिश' में जैकी की नायिका-२
५. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ऐसे मिली निगाहें' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१०. 'मोहे छेड़ो ना' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
१३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'मय से मीना से ना' गीतवाली फिल्म-४
१५. 'कसम से तेरी आँखें' गीतवाली फिल्म-४
१६. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१८. अमिताभ, विनोद, सायरा की 'तुम भी चलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'फूल माँगू ना बहार' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
२३. 'उधर से जो तुमको मिले फुरसत' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'देखो देखो जी, ये है मेरी' गीत वाली जीतेंद्र, लीना की फिल्म-३
२७ रंजन, चित्रा, जयश्री की 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली फिल्म-३
२९.'तदबीर से बिगड़ी हुई' गीतवाली फिल्म-२
३१. गोविंदा, जूही की 'आ जाना जरा' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीतवाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2625

अ	न	मो	ल	■	फि	जा	■	य	ञ
भ	■	ह	व	स	■	न	गिं	स	■
य	■	ब्ब	■	नी	ल	म	■	बॉ	बी
■	जी	तें	द्र	■	ख़	■	जीं	स	■
घा	त	■	■	आ	ई	ना	■	■	मु
त	■	आ	वा	र	■	ग	जा	जा	नी
क	री	ना	■	ध	■	ज	■	■	म
■	ना	■	बे	ना	म	■	मी	■	जी
हे	■	दा	ता	■	हि	ग	स	त	■
मा	या	■	ब	ल	मा	■	म	■	माँ

सूडोकु -2626

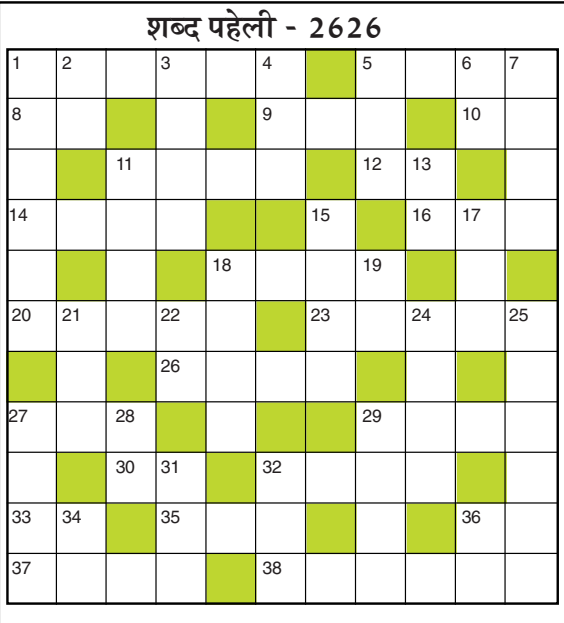
2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8		9	5
9				6			2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2625 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्द पहेली - 2626



बाएँ से दाएँ

1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे

1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली -2625 का हल

आ	द	त	न	■	ल	■	वा	य	लि	न	
■	ल	■	रा	■	प	व	न	■	ख	फा	
ए	■	■	ध	व	ल	■	र	■	■	स	
ह	र	द	म	■	पा	ल	■	फ	क	त	
सा	■	म	■	दा	ना	■	सा	■	मा	■	
न	वी	न	त	म	■	अ	ज	वा	ई	न	
■	र	■	वा	■	स	दा	■	रि	■	यी	
प	ता	का	■	ह	क	■	अ	स	मा	न	
र	■	■	जी	■	प	र	दा	■	■	ता	
वा	त	■	न	ल	का	■	व	■	द	■	
ज	रु	र	त	■	■	ना	■	त	ल	वा	र

बेंगलुरु मर्डर केस : उम्रकैद काट रही शुभा की दया याचिका कैबिनेट ने की खारिज

बेंगलुरु। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने वर्ष 2003 के चर्चित बेंगलुरु हत्याकांड में उम्रकैद की सजा काट रही शुभा शंकरनारायण और उसके साथी डी. अरुण वर्मा की दया याचिकाओं को सर्वसम्मति से खारिज किया गया है। यह मामला 27 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर बी.वी. गिरीश की निर्मम हत्या से जुड़ा है, जो शुभा के मंगेतर थे। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में माना गया कि यह हत्या पूरी तरह से सुनियोजित, पूर्व-नियोजित और अत्यंत क्रूर थी। इसलिए मौजूदा कानूनी प्रावधानों के तहत दोषियों को किसी भी तरह की राहत या दया नहीं दी जा सकती। डीके मंत्रिमंडल द्वारा खारिज की गई इन याचिकाओं को अब अंतिम फैसले के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत के पास भेजा जाएगा। राज्य के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने बताया कि गृह विभाग ने पुलिस और जेल प्रशासन से विस्तृत रिपोर्ट लेने के बाद ही इस विषय को कैबिनेट के समक्ष रखा था। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 14 जुलाई 2025 को अपने ऐतिहासिक फैसले में मामले के चारों दोषियों की आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा था। हालांकि, अदालत ने उन्हें संविधान के अनुच्छेद 161 के तहत राज्यपाल के समक्ष दया याचिका दायर करने के लिए आठ हफ्ते की मोहलत दी थी। मामले की पृष्ठभूमि के अनुसार, 1 दिसंबर 2003 को इंटेल कंपनी के इंजीनियर गिरीश और लॉ छात्रा शुभा की सगाई हुई थी। परंतु शुभा अपने साथी कानून छात्र अरुण वर्मा से प्यार करती थी और शादी नहीं करना चाहती थी। 3 दिसंबर 2003 की रात शुभा ने गिरीश को डिनर के बहाने बाहर बुलाया, जहां साजिश के तहत गिरीश की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी।

प्रदूषण नियमों की अनदेखी के चलते बीएमडब्ल्यू के हुए 42 बार चालान

नई दिल्ली । दिल्ली की सड़कों पर लगातार बढ़ते प्रदूषण के बीच, जहां नियमों को और कड़ा किया जा रहा है, वहीं कुछ वाहन चालक कानून की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के रिकॉर्ड में ऐसी ही एक लग्जरी बीएमडब्ल्यू कार सामने आई है, जिसके नाम पर नियमों के उल्लंघन के 42 चालान दर्ज हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से 24 चालान तो सिर्फ पिछले एक साल के भीतर ही हुए हैं। यह कार दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े नियमों को तोड़ने में सबसे आगे है। 2019 मॉडल की यह बीएमडब्ल्यू कार साल 2019 से अभी तक बिना वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) के ड्राइविंग करने के लिए लगातार चालान कटवा रही है।

नशामुक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश देने निकले 146 पुलिस राइडर्स

भोपाल । मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित लाल परेड ग्राउंड से गुरुवार को एक विशेष राष्ट्रव्यापी बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। फाइट अगेंस्ट ड्रग्स (नशे से दूरी है जरूरी) थीम पर आधारित इस रैली में विभिन्न राज्यों के पुलिस बलों और केंद्रीय सुरक्षा बलों के 146 पुलिस राइडर्स शामिल हैं, जो देश में नशामुक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश फैला रहे हैं। इस रैली उद्देश्य केंद्रीय गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के तहत युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना और देश में राष्ट्रीय एकता व सामाजिक समरसता का संदेश देना है। यह राइडर्स दल विभिन्न राज्यों से गुजरते हुए लगभग 2,500 किलोमीटर की लंबी दूरी तय करेगा। इसी के साथ ही यह बाइक रैली 26 अक्टूबर 2026 को गुजरात के एकता नगर (केवड़िया) पहुंचेगी। यह दल 31 अक्टूबर 2026 को देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती यानी 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के अवसर पर आयोजित होने वाले मुख्य समारोह और परेड में हिस्सा लेगा।

चीन के साथ बढ़ता व्यापार घाटा देश की आर्थिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा

कांग्रेस का केंद्र सरकार पर बड़ा हमला- मेक इन इंडिया अब इम्पोर्ट फ्रॉम चाइना बना

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी ने चीन के साथ भारत के लगातार बढ़ते व्यापार घाटे को लेकर शुक्रवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि सरकार की नीतियों के कारण 'मेक इन इंडिया' अब 'इम्पोर्ट फ्रॉम चाइना' (चीन से आयात) बनकर रह गया है और रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचता व्यापार घाटा देश की आर्थिक सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बन चुका है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो साझा करते हुए दावा किया कि वित्त वर्ष 2025-26 में चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़कर रिकॉर्ड 112 अरब डॉलर हो गया है, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में यह 99 अरब डॉलर था। उन्होंने कहा कि चीन से हो रहे भारी-भरकम आयात के कारण देश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) पर बेहद प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन के प्रति सोची-समझी रियायतों के चलते सीमा पर हालात चिंताजनक हैं। उन्होंने भारत-तिब्बत सीमा



पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक के उस बयान का भी जिक्र किया जिसमें अरुणाचल प्रदेश में पीएलए (चीनी सेना) के साथ हालिया फेस-ऑफ और सुरक्षा बल के कामकाज की सराहना की गई थी, लेकिन इसके बावजूद सरकार की ओर से इस पर चुप्पी साधी गई है।

जयराम रमेश के अनुसार, स्थानीय लोगों का दावा है कि लद्दाख की तर्ज पर अरुणाचल प्रदेश के कुछ गश्ती बिंदुओं (पेट्रोलिंग प्वाइंट्स) तक पहुंच प्रभावित हुई है। इसके साथ ही बांध और पारिस्थितिकी का खतरा बढ़ा है। चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न स्थानों के नाम बदलने के साथ-साथ सीमा के पास 60,000 मेगावाट क्षमता का बांध बनाया जा रहा है, जो भारत की जल और पारिस्थितिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है।

गलवान और पूर्व सैन्य अधिकारियों के बयानों का जिक्र

कांग्रेस नेता ने जून 2020 की गलवान घाटी की झड़प का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री मोदी के उस पुराने बयान पर भी सवाल उठाए, जिसमें देश की सीमा में किसी के घुसने से इनकार किया गया था। इसके अलावा, उन्होंने पूर्व सेना प्रमुखों और शीर्ष सैन्य अधिकारियों के पुराने बयानों और संस्मरणों का हवाला देते हुए केंद्र सरकार की चीन नीति पर पूर्ण पारदर्शिता न बरतने का गंभीर आरोप लगाया है।

एलएसी पर भारत-चीन जवानों में टकराव नई बात नहीं: आईटीबीपी

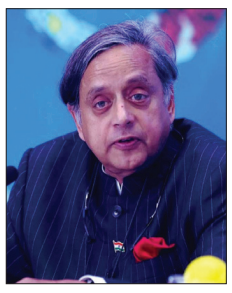
अलवर, एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश से सटी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच तल्खी एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि पिछले कुछ दिनों में सीमा के कई अलग-अलग प्वॉइंट्स पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच सीधा टकराव (फेस-ऑफ) हुआ है। और ये कोई नया नहीं है होता रहता है। कपूर के अनुसार, यह तनावपूर्ण स्थिति केवल एक जगह तक सीमित नहीं है, बल्कि कई रणनीतिक ठिकानों पर अब भी जारी है। उन्होंने 22 अक्टूबर को कहा कि अरुणाचल



सीमा पर चल रहे टकरावों में आईटीबीपी के कमांडो सक्रिय रहे हैं। कपूर ने बताया कि हाल ही में गठित 'शौर्य कमांडो' ने इसमें बेहतरीन भूमिका निभाई है। उन्होंने आईटीबीपी को एक माउंटेन गुरिल्ला फोर्स के रूप में परिभाषित करते हुए कहा कि बल 2004 से चीन के साथ लगती सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभा रहा है। कपूर ने जोर दिया, हमें अपने मूल काम को छोड़ने की जरूरत नहीं है। हम सेना से अलग, ऊंचाई वाले पहाड़ी इलाकों में लड़ने के लिए एक विशेष बल तैयार कर रहे हैं। जल्द ही हमारे पास शौर्य कमांडो की एक पूरी बटालियन होगी, ऊंचाई वाले इलाकों में तैनात होना हमारी ताकत है। यह बयान उन्होंने राजस्थान के अलवर स्थित सेंट्रल ट्रेनिंग कॉलेज में आयोजित हिमवीर सम्मान समारोह के दौरान दिया। यह बयान अरुणाचल प्रदेश में जुलाई से हुई कई झड़पों और स्थानीय लोगों के दावों के बीच आया है कि कई जगहों पर आमना-सामना हुआ है। बताया जा रहा है कि सितंबर में एक अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के लिए चीनी राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान भी ये टकराव जारी रहे। कपूर की टिप्पणी के बाद एक सांसद ने सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह इन टकरावों पर चुप्पी साधे हुए है।

रेहान वाड्रा की प्रदर्शनी से तस्वीरें हटाने पर शशि थरूर ने उठाए सवाल, भारत की छवि को नुकसान

नई दिल्ली , एजेंसी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बीकानेर हाउस में रेहान वाड्रा की फोटोग्राफी प्रदर्शनी से तस्वीरें हटाए जाने के फैसले की आलोचना की है। उन्होंने इस घटना को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कलात्मक अभिव्यक्ति से जुड़ा गंभीर मामला बताकर कहा कि इन घटनाओं से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की लोकतांत्रिक छवि धूमिल होती है। कांग्रेस नेता थरूर ने अपनी प्रतिक्रिया देकर घटना को कई स्तरों पर शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि 'नो आइडिया इज फाइनल' नाम की प्रदर्शनी से तस्वीरें हटाने का फैसला सवाल खड़े करता हैं। उनके मुताबिक, इन तस्वीरों में इसतरह के विरोध प्रदर्शनों और घटनाओं को दिखाया था, जिनके बारे में पहले ही मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर काफी चर्चा हो चुकी है। कांग्रेस नेता थरूर ने सवाल उठाया कि किसी विरोध प्रदर्शन की तस्वीर को केवल इसलिए राजनीतिक सामग्री कैसे माना जा सकता है, क्योंकि उसमें प्रदर्शन दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि तस्वीरें किसी घटना का दस्तावेजीकरण करती हैं और उन्हें अपने आप किसी राजनीतिक विचारधारा का समर्थन नहीं माना जाना चाहिए। कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि बीकानेर हाउस के प्रबंधन को अपनी नीतियां निर्धारित करने का अधिकार हो सकता है, लेकिन कलात्मक अभिव्यक्ति पर प्रतिबंध लगाने के फैसलों पर व्यापक चर्चा होना चाहिए है। उन्होंने टिप्पणी की कि यदि यह मामला अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के सवाल के रूप में अदालत में जाता, तब इन तस्वीरों की स्वीकार्यता पर विचार किया जा सकता था।



अखिलेश ने कहा- कांग्रेस से मिली सीटों पर अंतिम फैसला आजम खां करेंगे

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने हाल ही में रामपुर जेल में पार्टी के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खां से मुलाकात की। इस मुलाकात का मुख्य एजेंडा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस से प्राप्त सीटों की सूची पर गहन मंथन करना था। अखिलेश यादव ने स्पष्ट किया कि प्रत्याशियों के चयन और सीटों के बंटवारे का अंतिम फैसला आजम खां की राय पर ही आधारित होगा।

एक घंटे से अधिक चली इस महत्वपूर्ण चर्चा ने एक बार फिर मोहम्मद आजम खां के पार्टी के रणनीतिक और नीतिगत फैसलों पर उनके अटूट प्रभाव को उजागर किया है, भले ही वे लंबे समय से सलाखों के पीछे हों। जेल से बाहर निकलने पर अखिलेश का यह बयान कि आजम थे, आजम हैं और आजम ही रहेंगे, पश्चिमी उत्तर प्रदेश की आगामी राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश माना जा रहा है। सियासी गलियारों में इसे सपा मुखिया द्वारा वेस्ट यूपी और



रुहेलखंड के सियासी समीकरणों को साधने का एक मास्टरस्ट्रोक भी कहा जा रहा है। अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत में खुलकर स्वीकार किया कि इंडिया गठबंधन के तहत मिली सीटों की लंबी सूची पर आजम खां के साथ गंभीर रायशुमारी हुई है। उन्होंने कहा कि आजम खां द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण सुझावों को पूरी तरह से माना जाएगा, उन पर काम किया जाएगा और उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई जाएगी।

यह पहली बार नहीं है जब अखिलेश यादव ने टिकट बंटवारे पर आजम खां से जेल में सलाह ली हो। 2022 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले भी अखिलेश ने सीतापुर जेल में आजम से मुलाकात कर टिकटों पर अंतिम मुहर लगाई थी। उस सीतापुर मॉडल का परिणाम यह रहा था कि 2022 के चुनाव परिणामों में मुरादाबाद मंडल की 27 विधानसभा सीटों में से 17 पर सपा ने परचम फहराया था। मुरादाबाद मंडल और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के राजनीतिक आंकड़ों पर नजर डालें तो आज भी वहां सपा की मजबूती के पीछे आजम खां के जनाधार का सीधा प्रभाव दिखाई देता है। पत्रकारों द्वारा रामपुर सीट से सपा के उम्मीदवार के बारे में पूछे जाने पर, अखिलेश ने अपनी चिर-परिचित मुस्कान के साथ चुटकी लेते हुए कहा, तुम्हें क्यों बताऊं? उनके इस छोटे से जवाब ने सियासी सस्पेंस को और गहरा दिया है। आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर, आजम खां की यह रणनीतिक सलाह सपा के लिए कितनी फायदेमंद साबित होगी, यह देखना दिलचस्प होगा।

रिजिजू ने की पुष्टि, सऊदी से सुरक्षित लौट रहे उमरा जायरीन

-भारतीय मिशन के मुताबिक यमन तट के पास 14 भारतीय भी हैं सुरक्षित

नई दिल्ली , एजेंसी। सऊदी अरब और यमन के आसपास बढ़ते तनाव के बीच वहां फंसे भारतीय उमरा जायरीनों की सुरक्षित वतन वापसी का सिलसिला शुरू हो गया है। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने जानकारी दी है कि संकट में फंसे भारतीय उमरा जायरीन सुरक्षित भारत लौट आए हैं। सरकार की मुस्तैदी से इससे पहले भी 10,000 से अधिक जायरीन स्वदेश लौट चुके हैं, जबकि शेष बचे लोगों की मदद के लिए लगातार प्रयास जारी हैं।

गौरतलब है कि इससे पहले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सोशल मीडिया पर चिंता जताते हुए बताया था कि 4,000 से अधिक उमरा जायरीन सऊदी अरब में फंसे हुए हैं। इस मामले पर संज्ञान लेते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने स्पष्ट किया है कि सरकार भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध व सक्रिय है।

सहायता के लिए 24 घंटे सक्रिय हैं कंट्रोल रूम

भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए रियाद और जेद्दा में भारतीय मिशन चौबीस घंटे मुस्तैद हैं। किसी भी आपात स्थिति या सहायता के लिए निम्नलिखित हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है। भारतीय दूतावास, रियाद का फोन नंबर +966-554412016, +966-542126784 है, जबकि टोल-फ्री (सऊदी अरब के भीतर से)= 8002471234 नंबर है। इसके अलावा व्हाट्सएप (केवल मैसेज) के लिए नंबर +966-536216082 जारी किया गया है।

भारतीय वाणिज्य दूतावास, जेद्दा के फोन नंबर +966-12-2614093, +966-556122301 जबकि व्हाट्सएप (केवल मैसेज) के लिए +966-536209704 नंबर जारी किया गया है।

यमन तट के पास फंसे नागरिक भी सुरक्षित

इस बीच, यमन के तट के पास एक नौका से जुड़े घटनाक्रम में फंसे 14 भारतीय नागरिकों को लेकर भी राहत भरी खबर सामने आई है। भारतीय मिशन ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि रिपोर्टों के अनुसार सभी 14 भारतीय सुरक्षित हैं और वर्तमान में यमन के होदेइदा क्षेत्र के आसपास मौजूद हैं। मिशन उनकी सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए लगातार संपर्क



में है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले अरब मीडिया में हूती प्रवक्ता याह्या सरी के हवाले से दावा किया गया था कि युकर द्वीप के पास सऊदी बलों ने भारतीयों वाली नौका को निशाना बनाया है, और हूती बल उन्हें बचा रहे हैं। हालांकि, भारतीय मिशन ने अभी तक हमले के स्रोतों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन यह साफ कर दिया है कि सभी भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं और स्थिति पर पैनी नजर रखी जा रही है।

विरोध-प्रदर्शनों पर अन्नामलाई की दो टूक, भाजपा पर भी साधा निशाना

चेन्नई, एजेंसी । तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध- प्रदर्शनों पर अपने बयानों को लेकर चल रही अटकलों पर स्पष्टीकरण दिया है। उन्होंने साफ किया है कि उनके बयानों को अभिजीत दीपके के नेतृत्व वाले सीजेपी के समर्थन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, हालांकि उन्होंने लोकतंत्र में संघर्ष के अधिकार का समर्थन किया है। गुरुवार को वी द लीडर्स आंदोलन के एक कार्यक्रम में बोलते हुए अन्नामलाई ने कई मुद्दों पर बात रखी। उन्होंने कहा, हम कभी भी कॉकरोच जनता पार्टी का समर्थन नहीं करते। उनका एजेंडा अलग है और हमारा अलग है। हालांकि, उन्होंने इसी के साथ यह भी जोड़ा कि लोकतंत्र में हर राजनीतिक दल को संघर्ष करने का अधिकार है और किसी को भी इससे वंचित नहीं किया जा सकता।

दरअसल, दिल्ली में 10 अक्टूबर को सीजेपी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई की आलोचना करने के बाद अन्नामलाई पर



बीजेपी ने निशाना साधा था। इस पर पलटवार करते हुए अन्नामलाई ने जोर देकर कहा कि उन्हें देशभक्ति के मामले में किसी से भी उपदेश लेने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे देश के कई राज्यों में रहने और काम करने का अनुभव है। मैं भारत की एकता और संप्रभुता को समझता हूं। इसलिए मुझे देशभक्ति पर किसी के उपदेश की ज़रूरत नहीं है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि यदि सीजेपी प्रदर्शनकारियों ने कोई गलत काम किया है, तो अधिकारियों को बदले की भावना रखने के बजाय कानून के अनुसार कार्रवाई करनी चाहिए। अन्नामलाई ने स्पष्ट किया, हमारा मानना है कि गिरफ्तारियां कानून और उचित प्रक्रिया के अनुसार ही होनी चाहिए। अन्नामलाई ने आगे कहा कि यदि देश की संप्रभुता को कोई खतरा है, तो उसके लिए आईबी और रॉ (आईबी और रॉ) जैसी संस्थाएं हैं, जिनका उपयोग करके दोषियों को जेल में डाला जाना चाहिए, न कि सोशल मीडिया पर मनगढ़ंत बातें फैलाई जानी चाहिए। इसके साथ ही, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट जैसी लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता के भरोसे को कमजोर करने की कोशिशों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए अन्नामलाई ने कहा, मोदी एक अच्छे पीएम हैं, वो अच्छा काम कर रहे हैं। लेकिन उन्होंने यह भी जोड़ा कि प्रधानमंत्री का समर्थन करते हुए भी अगर उन्हें कुछ गलत लगता है, तो वे उस पर सवाल उठाने से पीछे नहीं हटेंगे। उनके इन बयानों ने राजनीतिक गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है।

पुंछ में सेना ने 7 संदिग्ध आईईडी बरामद किए, बारामूला में 2 संदिग्ध गिरफ्तार

पुंछ , एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सेना ने तलाशी अभियान के दौरान सात संदिग्ध इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) और 7.62 मिमी लाइट मशीन गन (एलएमजी) की मैगजीन बरामद की हैं। खुफिया जानकारी के आधार पर 156 टेरिटोरियल आर्मी और 37 राष्ट्रीय राइफल्स ने संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। सूत्रों के मुताबिक, तलाशी के दौरान भूरे टेप से लिपटे छह कंटेनर, नीले टेप से लिपटा एक कंटेनर और एक संदिग्ध मैगजीन कंटेनर मिला। इसके अलावा काला बैग, कॉम्बैट पाउच, पावर अडैप्टर, बिजली का स्रोत, एल्युमिनियम कंटेनर और टिफिन भी बरामद किए है। सुरक्षा एजेंसियां बरामद सामग्री की जांच कर रही हैं। इसके पहले 22 अक्टूबर को बारामूला जिले में सुरक्षाबलों ने दो संदिग्ध आतंकी मददगारों को गिरफ्तार किया था। उनके पास से तुर्किये में बनी कनिक पिस्टल, 10 कारतूस वाली मैगजीन और दो आईईडी बरामद हुए थे।

बीजेपी का आरोप, राहुल गांधी कांग्रेस का 'फेल प्रोडक्ट

राहुल और प्रियंका को फैसलों की जानकारी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी । भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेसवार्ता में राहुल गांधी के नेतृत्व, विदेश यात्राओं और कांग्रेस के चुनावी प्रदर्शन पर सवाल उठा दिए है। उन्होंने राहुल गांधी को कांग्रेस का 'फेल प्रोडक्ट' बताकर आरोप लगाया कि पार्टी बार-बार उन्हें आगे करके अपना राजनीतिक भविष्य दांव पर लगा रही है। हालांकि, ये टिप्पणियां भाजपा नेता के राजनीतिक आरोप हैं। बीजेपी नेता त्रिवेदी ने कहा कि सत्ता से बाहर रहने के कारण कांग्रेस की स्थिति 'जल बिन मछली' जैसी हो चुकी है। राहुल गांधी की विदेश यात्रा पर निशाना साधकर उन्होंने व्यंग्य किया कि नेता प्रतिपक्ष वियतनाम में हैं और देश की राजनीति से दूर हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कामकाज की तुलना राहुल गांधी के राजनीतिक रिकॉर्ड से कर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की



उपलब्धियां उल्लेखनीय हैं, जबकि राहुल गांधी का रिकॉर्ड समस्याओं से भरा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने कांग्रेस के साथ संवैधानिक संस्थाओं की साख को भी दांव पर लगाया है। भाजपा प्रवक्ता ने राहुल गांधी की शिक्षा, खेल और कारोबारी पृष्ठभूमि का उल्लेख कर कटाक्ष किए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को सेंट स्टीफंस कॉलेज में राष्ट्रीय स्तर के तीरंदाज और निशानेबाज के रूप में प्रवेश मिलने की बात कही जाती रही, लेकिन उन्होंने इन क्षेत्रों में कोई बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं की। बीजेपी प्रवक्ता त्रिवेदी ने ब्रिटेन में राहुल गांधी के कामकाज और उनसे जुड़ी कंपनियों का जिक्र कर दावा किया कि जिन कंपनियों से वह जुड़े रहे, वे बाद में बंद हो गईं। इन टिप्पणियों के जरिए उन्होंने राहुल गांधी की व्यक्तिगत और पेशेवर उपलब्धियों पर सवाल उठा दिए। राज्यसभा सांसद त्रिवेदी ने कांग्रेस के चुनावी प्रदर्शन को लेकर भी राहुल गांधी को निशाने पर लिया।



सिलिकॉन वैली स्क्वैश

अनाहत सिंह ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

रेडवुड सिटी । दुनिया की 15वें नंबर की खिलाड़ी भारत की अनाहत सिंह ने मिस्र की छठी सीड सलमा हैनी पर पांच गेम की रोमांचक जीत के साथ सिलिकॉन वैली ओपन स्क्वैश के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अनाहत ने पहली बार अपने पीएसए गोल्ड-लेवल सेमीफाइनल में जगह बनाई है। दुनिया की नंबर 3 और आठ बार की वर्ल्ड चैंपियन मिस्र की नूर एलशेरबिनी को सीधे गेम में हराने के एक दिन बाद, 18 साल की भारतीय खिलाड़ी ने क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नंबर 14 हैनी को 42 मिनट तक चले मुकाबले में 4-11, 11-8, 4-11, 11-2, 11-5 से हराया। अनाहत मुकाबले में 2-1 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 11-2, 11-5 से जीत हासिल की और अपने करियर में पहली बार गोल्ड सेमीफाइनल में जगह बनाई।

2-1 से पीछे होने के बाद वापसी करते हुए जीत हासिल करने के बाद अनाहत ने हैनी के बारे में कहा, 'मैंने उनके खिलाफ पहले कभी नहीं खेला था। मुझे नहीं पता था कि कोर्ट पर आकर क्या करना है। मैंने उन्हें कई बार खेलते हुए देखा है। वह पीएसए टूर में बहुत अनुभवी हैं। '

अनाहत ने कहा, 'एलशेरबिनी के खिलाफ जीत के बाद, मुझे पता है कि अगर मैं अच्छा खेल रही हूं तो मेरे पास जिससे भी खेलूंगी, उसके खिलाफ मौका है। मैं इसी सोच के साथ उतरना चाहती थी। ' स्टार भारतीय खिलाड़ी ने कहा, 'गुरुवार की जीत के बाद इमोशन की वजह से मैं मैच में थोड़ी थकी हुई थी। मैं आज मोमेंटम नहीं खोना चाहती थी, मैं अपना शत-प्रतिशत देना चाहती थी। टूर्नामेंट में एक कदम आगे बढ़कर मैं खुश हूं। ' अनाहत सिंह का अगला मुकाबला दुनिया की नंबर चार और मौजूदा एशियन गेम्स चैंपियन मलेशिया की शिवसांगरी सुब्रमण्यम से होगा। अनाहत को एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में शिवसांगरी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

अनाहत का साल 2026 में सफर शानदार रहा है। इस साल की शुरुआत में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप जीतने के बाद एशियन गेम्स स्क्वैश सिंगल्स फाइनल में जगह बनाई थी।

ऋद्धिमान साहा: तेज गेंदबाज के तौर पर शुरू हुआ था टीम इंडिया के बेहतरीन विकेटकीपर का सफर

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा का करियर संघर्ष और सफलता का एक शानदार उदाहरण है। एक बेहतरीन विकेटकीपर के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले साहा ने अपने रोमांचक करियर की शुरुआत एक तेज गेंदबाज के रूप में की थी। ऋद्धिमान साहा का जन्म 24 अक्टूबर, 1984 को शक्तिगढ़, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल में हुआ था। बंगाल भारतीय क्रिकेट का गढ़ है और इसका असर साहा पर भी पड़ा। साहा ने क्रिकेट के क्षेत्र में अपना करियर बनाने का फैसला किया था। शुरुआती दिनों में साहा एक तेज गेंदबाज के रूप में खेला करते थे, लेकिन समय के साथ उनकी दिलचस्पी विकेटकीपिंग में बढ़ी। इसके बाद उन्होंने एक विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर अपनी पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत शुरू की। 2007 में बंगाल के लिए प्रथम श्रेणी और लिस्ट ए में डेब्यू करने वाले साहा को अच्छे प्रदर्शन के बावजूद भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। इसकी वजह महेंद्र सिंह धोनी थे, जो भारतीय कप्तान होने के साथ ही तीनों फॉर्मेट में स्थापित विकेटकीपर बल्लेबाज थे।



2010 में भारतीय टीम के लिए टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में डेब्यू करने वाले साहा की टेस्ट टीम में नियमित जगह दिसंबर 2014 में धोनी के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद बनी।

संक्षिप्त समाचार

ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 से बाहर, BCCI ने दी जानकारी

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार को क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले टी20 में लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम को दूसरे टी20 से पहले बड़ा झटका लगा है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन चोट की वजह से दूसरे टी20 में नहीं खेलेंगे। ईशान किशन के दूसरे टी20 में नहीं



खेलने की जानकारी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने सोशल मीडिया पेज के माध्यम से दी है। बीसीसीआई ने शुक्रवार की सुबह अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, 'ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 से लो-ग्रेड राइट एडिक्टर स्ट्रेन की वजह से बाहर हो गए हैं। उन्हें सीरीज के पहले टी20 मैच के दौरान चोट लगी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ईशान पर नजर रख रही है।' ईशान किशन का दूसरे टी20 से बाहर होना टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका है। भारतीय टीम ने पहले टी20 में 226 के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया था। ईशान बेशक पहले टी20 में बड़ी पारी नहीं खेल पाए थे और 3 गेंदों पर 1 रन बनाकर आउट हो गए थे। लेकिन वो जिस क्षमता के बल्लेबाज हैं, उस क्षमता की टीम इंडिया को इस सीरीज में जरूरत पड़ने वाली है। भारतीय टीम उम्मीद करेगी कि ईशान 27 अक्टूबर को खेले जाने वाले तीसरे टी20 से पहले फिट हो जाएं।

भारतीय महिला टीम की बल्लेबाज सब्बीनेनी मेघना ने संन्यास लिया

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज रहीं सब्बीनेनी मेघना ने शुक्रवार को क्रिकेट को अलविदा कह दिया। उन्होंने सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। मेघना 2022 में कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रही थीं। मेघना ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'वर्ल्ड स्टेज पर जर्सी पहनने के लिए हाथ में बल्ला



लेकर पहली बार मैदान पर उतरना किसी सपने के सच होने से कम नहीं है। मैं एक खिलाड़ी के तौर पर क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा करती हूं। मेरा दिल शुक्रगुजार है। मैदान मेरा दूसरा घर रहा है, जिसने मुझे हिम्मत दी, विनम्रता सिखाई और ऐसी यादें और दोस्ती दी, जिन्हें मैं जिंदगी भर संभालकर रखूंगी।' उन्होंने लिखा, 'मेरे परिवार को, जो हर मुश्किल समय में मेरे साथ खड़े रहे, आपके कभी न खत्म होने वाले त्याग के लिए धन्यवाद। मेरे कोच, टीममेट्स और सपोर्ट स्टाफ को, मुझे अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित करने और मेरे साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने के लिए धन्यवाद।'

एशियन पैरा गेम्सः बैडमिंटन, आर्चरी, जैवलिन में आए गोल्ड और सिल्वर से पदकों का शतक पूरा

पांचवें दिन की धमाकेदार शुरुआत

नागोया । जापान के आइची-नागोया में खेले जा रहे एशियन पैरा गेम्स 2026 के पांचवें दिन (शुक्रवार) की शुरुआत भारतीय दल के लिए शानदार रही है। भारतीय एथलीटों ने दिन की शुरुआत ही गोल्ड और सिल्वर मेडल से की है। पैरा आर्चरी विमेंस रिकर्व डबल्स गोल्ड मेडल मैच में भारत की भावना और पूजा को चीन की जोड़ी से हारकर सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

चीन ने शुरू से आखिर तक मुकाबला अपने नाम किया और हर तीर पर 9.33 के हाई-कैलिबर एवरेज के साथ सेट 38-31, 35-30 और 39-29 से अपने नाम किए, जबकि भारत का औसत 7.50 रहा।

थुलसिमथी मुरुगेसन ने बैडमिंटन के एसयू5 महिला एकल में सिल्वर मेडल जीता। उन्हें फाइनल में चीन की किउक्सिया यांग से 18-21, 11-21 से हार का सामना करना पड़ा।

प्रमोद ने पुरुषों की 1500 मीटर टी46 इवेंट में दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने 4:09.65 का समय निकालकर शानदार प्रदर्शन किया और सिल्वर मेडल जीता। प्रमोद ने हांगझोऊ पैरा एशियन गेम्स में भी सिल्वर मेडल जीता था।

हरविंदर सिंह और विजय सुंडी ने पैरा आर्चरी मेन्स रिकर्व टीम इवेंट में शानदार परफॉर्मेंस के साथ 2026 एशियन पैरा गेम्स में गोल्ड जीता। पहला सेट 35-35 से बराबरी के बाद भारतीय जोड़ी ने अगले दो सेट 37-36 और 38-36 से जीते और चीन पर 5-1 की जीत के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया।



नितेश, थुलसिमथी ने बैडमिंटन मिक्स्ड डबल्स में सिल्वर जीता

नागोया । भारत के नितेश कुमार और थुलसिमथी मुरुगेसन ने शुक्रवार को मिक्स्ड डबल्स एसएल3-एसयू5 कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता। भारतीय जोड़ी को फाइनल में इंडोनेशिया की लीनी रात्री ओक्टिला और हिकमत रामदानी से 21-11, 19-21, 14-21 से हार के बाद सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। भारतीय जोड़ी ने शुरुआती गेम में 21-11 से दबदबा बनाया, लेकिन दूसरा गेम 19-21 से हार गई और फिर आखिरी गेम में 14-21 से हार गई। इससे पहले, थुलसिमथी मुरुगेसन ने विमेंस सिंगल्स एसयू5 फाइनल में चीन की यांग से 21-18, 21-11 से हारने के बाद सिल्वर मेडल जीता था। नितेश ने



हमवतन प्रमोद भगत को हराकर गोल्ड मेडल जीता था। प्रमोद ने 2018 और 2022 एडिशन में गोल्ड जीता था। दो पैरालंपिक चैंपियनों के बीच खेला गया फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। मुकाबला 21-18, 21-16 से नितेश के पक्ष में रहा। एक अन्य मैच में नित्या श्री सुमति सिवन ने महिला एकल एसएच6 फाइनल में चीन की ली फेंगमेई से 12-21, 13-21 से हारने के बाद सिल्वर मेडल जीता। पैरा बैडमिंटन में, एसएल3 उन खिलाड़ियों के लिए है जिनके निचले अंगों में गंभीर कमी है और जो हाफ कोर्ट पर खेलते हैं, जबकि एसएल4 उन एथलीटों के लिए है जिनके निचले अंगों में गंभीर कमी है और जिनका चलने और दौड़ने का संतुलन बेहतर होता है। एसयू5 उन खिलाड़ियों के लिए है जिनके ऊपरी अंगों में कमी है, जबकि एसएच6 छोटे कद के एथलीटों के लिए है। भारत हांगझोऊ 2023 में अपने अब तक के सबसे अच्छे एशियन पैरा गेम्स कैंपेन के बाद आइची-नागोया पहुंचा है। भारतीय दल ने पिछले संस्करण में रिकॉर्ड 111 मेडल जीते थे, जिनमें 29 गोल्ड, 31 सिल्वर और 51 ब्रॉन्ज थे। रिपोर्ट लिखे जाने तक एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारतीय दल 104 मेडल अपने नाम कर चुका है। इसमें 27 गोल्ड, 34 सिल्वर और 43 ब्रॉन्ज हैं। भारतीय दल फिलहाल चौथे नंबर पर है।

धर्मराज सोलैराज ने भारत को दिलाया एक और गोल्ड मेडल

लॉन्ग जंप में 7.15 मीटर की छलांग लगाकर बनाया नया रिकॉर्ड

नागोया। भारत के धर्मराज सोलैराज ने गुरुवार को जापान के आइची-नागोया में जारी एशियन पैरा गेम्स 2026 में पुरुषों की लॉन्ग जंप (लंबी कूद) में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उन्होंने 7.15 मीटर की रिकॉर्ड-तोड़ छलांग लगाकर गोल्ड पर कब्जा जमाया। नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में टी44/टी62/टी64 के संयुक्त फाइनल में हिस्सा लेते हुए तमिलनाडु के 32 वर्षीय एथलीट ने अपने दूसरे प्रयास में यह निर्णायक छलांग लगाई। इसके साथ ही उन्होंने एक नया एशियाई रिकॉर्ड बनाया और इस महाद्वीपीय मल्टी-स्पोर्ट इवेंट में लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल अपने नाम किया। यह प्रदर्शन हांगझोऊ एशियन पैरा गेम्स 2023 में गोल्ड मेडल जीतने के बाद से सोलैराज के करियर में एक और अहम उपलब्धि है। इसके साथ ही उन्होंने 7.08 मीटर का अपना पिछला एशियाई रिकॉर्ड भी बेहतर कर



लिया, जो उन्होंने नई दिल्ली में वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स 2025 चैंपियनशिप में बनाया था।

सोलैराज ने प्रतियोगिता की शुरुआत 6.88 मीटर की छलांग के साथ की और दूसरे राउंड में 7.15 मीटर की दूरी तय की। इसके बाद उन्होंने 6.82 मीटर और 6.85 मीटर की छलांग लगाई, जबकि उनके आखिरी दो प्रयास फाउल रहे। हालांकि, उनकी शुरुआती रिकॉर्ड-तोड़ छलांग ही खिताब जीतने के लिए काफी थी।

टी44 क्लासिफिकेशन में 6.34 मीटर की सर्वश्रेष्ठ दूरी तय करने वाले मलेशिया के एडी बर्नार्ड 740 रजा प्वाइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहे। जापान के युमा तामाकी ने टी64 कैटेगरी में 6.89 मीटर की अपनी अब तक की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई और 726 प्वाइंट्स के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

श्रीलंका ने वनडे का दूसरा बड़ा लक्ष्य हासिल किया

इंग्लैंड को रोमांचक मैच में हराया; ब्रूक की पारी गई बेकार

रावलपिंडी । श्रीलंका ने बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन की मदद से त्रिकोणीय सीरीज के मुकाबले में इंग्लैंड को दो विकेट से हराया। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हैरी ब्रूक के दोहरे शतक की मदद से 50 ओवर में चार विकेट पर 429 रन बनाए। जवाब में पवन रत्नायके, अविष्का फर्नांडो, दासुन शनाका और जनिथ लियानागे की दमदार पारी से श्रीलंका ने 49.5 ओवर में आठ विकेट पर 430 रन बनाकर रोमांचक जीत दर्ज की। श्रीलंका ने इस तरह वनडे इतिहास का दूसरा बड़ा रन चेज किया।

श्रीलंका ने भारत को पीछे छोड़ा- श्रीलंका ने वनडे में सबसे बड़े रन चेज के मामले भारतीय टीम को पीछे छोड़ दिया है। भारत ने इसी साल वेस्टइंडीज के खिलाफ गुवाहाटी में खेले गए मुकाबले में 406 रनों का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया था जो वनडे का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज था। लेकिन श्रीलंका ने इस मामले में भारत को पीछे छोड़ा और 50 ओवर के प्रारूप का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज कर लिया।



श्रीलंका की दमदार बल्लेबाजी

लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने कामिंदु मेंडिस और कुसल मेंडिस के विकेट जल्द गंवा दिए। इसके बाद अविष्का फर्नांडो और रत्नायके के बीच तीसरे विकेट के लिए 166 रनों की साझेदारी हुई। फर्नांडो हालांकि, शतक पूरा करने से चूक गए और 97 रन बनाकर आउट हुए। फिर रत्नायके ने दासुन शनाका के साथ पारी आगे बढ़ाई और चौथे विकेट के लिए 133 रन जोड़े। इन दोनों साझेदारी के दम पर श्रीलंका ने मैच में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

वनडे क्रिकेट के सबसे बड़े रन चेज

लक्ष्य	स्कोर	टीम	बनाम	स्थान	वर्ष
435	438/9	दक्षिण अफ्रीका	ऑस्ट्रेलिया	जोहानिसबर्ग	2006
430	430/8	श्रीलंका	इंग्लैंड	रावलपिंडी	2026
406	406/2	भारत	वेस्टइंडीज	गुवाहाटी	2026
375	374/9	नीदरलैंड	वेस्टइंडीज	हरारे	2023
372	372/6	दक्षिण अफ्रीका	ऑस्ट्रेलिया	डरबन	2016

हैरी ब्रूक ने जड़ा वनडे इतिहास का सबसे तेज 'दोहरा शतक'

सिर्फ 114 गेंदों में रचा इतिहास



रावलपिंडी। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने गुरुवार को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ वनडे ट्राई-सीरीज के तीसरे मुकाबले में दोहरा शतक जड़ा। ब्रूक ने 200 रनों का आंकड़ा महज 114 गेंदों में छुआ, जिसके साथ वह वनडे फॉर्मेट में सबसे तेज 'दोहरा शतक' लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस पारी के साथ ब्रूक वनडे पारी में 200 रन बनाने वाले इंग्लैंड के पहले बल्लेबाज भी बन गए हैं। ग्लेन मैक्सवेल के बाद, ब्रूक वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले दूसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जो ओपनर नहीं हैं। वनडे क्रिकेट में गेंदों के लिहाज से सबसे तेज दोहरा शतक जड़ने वाले खिलाड़ियों में शुभमन गिल दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने साल 2026 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 117 गेंदों में ऐसा किया था।

'हम अपनी गलती जानते हैं': हैरी ब्रूक

नई दिल्ली । पाकिस्तान में खेली जा रही वनडे त्रिकोणीय सीरीज में गुरुवार को खेले गए एक हाईस्कोरिंग मैच में इंग्लैंड को श्रीलंका के खिलाफ एक बड़ी और ऐतिहासिक हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा कि हमें अपनी गलती पता है। हार के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान हैरी ब्रूक ने कहा, 'यह एक शानदार क्रिकेट मैच था। मुझे लगा कि दोनों टीमें बहुत बढ़िया थीं। बदकिस्मती से, श्रीलंका ने हमें हरा दिया। हम गेंद से ठीक से खेल नहीं पाए और उनकी ताकत के हिसाब से थोड़ा खेले, और फिर उन्होंने 400 रन बनाकर जबरदस्त क्रिकेट खेला।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि 20 साल में पहली बार यह एक जबरदस्त उपलब्धि है। अब हारने वाली टीम का कोई मतलब नहीं है। हमें ड्रॉइंग बोर्ड पर वापस जाना होगा।



नाना ने 5 साल तक नहीं की थी पिता जी से बात: सलमान खान

हाल ही में बॉलीवुड के दबंग भाईजान सलमान खान ने खुलासा किया कि उनके नाना उनकी मॉम और डैड की शादी के सख्त खिलाफ थे और उन्होंने पापा सलीम खान से पूरे पाँच साल तक बात तक नहीं की थी। सलमान ने यह चौंकाने वाला किस्सा किसी और जगह नहीं, बल्कि बिग बॉस 20 के मंच पर वीकेंड के वार के दौरान सबके सामने रखा।

इतना ही नहीं, एक्टर ने अपने माता-पिता की लड़ाई को लेकर भी हैरान करने वाला खुलासा किया, जब सलमान की मां, सलमा खान, सलीम खान संग बहस करके गुस्से में घर छोड़कर अपने मायके चली गई थीं। बिग बॉस 20 के स्टेज पर कंटेस्टेंट्स से बात करते हुए सलमान खान ने अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़ा यह पुराना और दिलचस्प राज खोला। उन्होंने बताया कि जब उनके माता-पिता की शादी हुई थी, तब किसी धर्म को लेकर कोई दिक्कत नहीं थी, बल्कि असली वजह कुछ और ही थी। सलमान ने बताया कि उनके नाना इस बात से नाराज थे कि उनकी बेटी की शादी एक ऐसे गुड लुकिंग इंसान से हो रही है जो एक्टर बनना चाहता है और फिल्म इंडस्ट्री में हाथ आजमा रहा है। नाना को इसी बात पर सबसे बड़ा एतराज था। सलमान ने आगे बात करते हुए बताया कि उनके नाना को हमेशा यही डर सताता रहता था कि उनकी बेटी इस फिल्मी माहौल में अपना जीवन कैसे बिताएगी। इसी नाराजगी के चलते उन्होंने सलीम खान से पाँच साल तक दूरी बनाए रखी और बातचीत बंद कर दी थी।

एक्टर ने यह भी साझा किया कि जब उनके छोटे भाई सोहेल खान का जन्म हुआ, तब उनके नाना माहिम से बांद्रा आए थे। वह अपने साथ जलेबी का डिब्बा लेकर आए थे और उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया था कि उनसे बहुत बड़ी भूल हो गई कि उन्होंने अपने नाती-नातिन को बचपन में बड़े होते हुए नहीं देखा। वहीं, सलमान ने ये भी बताया कि एक बार जब डैड और मॉम की एक लड़ाई हुई तो मॉम गुस्से में मायके चली गईं, लेकिन उनके नाना ने फिर उनकी मां को कहा कि वह जब चाहें घर आ सकती हैं, लेकिन लड़ाई के बाद कभी नहीं। सलमान ने अपने नाना के शब्दों को दोहराते हुए कहा, उन्होंने कहा कि तुम कभी भी घर आ सकती हो, लेकिन झगड़ा करके तुम नहीं आओगी। यह एक ऐसी सीख थी जो सलमा खान के जीवन में हमेशा रही। सलीम खान और सलमा की प्रेम कहानी भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। दोनों के प्यार की शुरुआत बालकनी से एक-दूसरे को देखने से हुई थी। सलीम खान ने खुद एक बार बताया था कि वे शाम और रात के वक्त लाइन में खड़े होकर एक-दूसरे से मिल लिया करते थे। जब सलमा के घर वालों को इस बात की भनक लगी, तो उन पर काफी दबाव बढ़ने लगा। इसके बाद दोनों ने कड़ा कदम उठाते हुए शादी करने का फैसला किया। सलीम खान की जिंदगी में एक नया मोड़ तब आया जब उनकी मुलाकात हेलेन से हुई। सलीम और हेलेन साल 1963 में एक फिल्म के सेट पर मिले थे, जहां से दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई। इसके बाद सलीम और हेलेन ने साल 1980 में शादी कर ली। हालांकि सलीम खान पहले से शादीशुदा थे और उनके चार बच्चे थे, लेकिन इसके बावजूद पूरे परिवार ने हेलेन को खुले दिल से अपनाया।



मैं हर किसी के लिए उपलब्ध नहीं हूं: माही विज

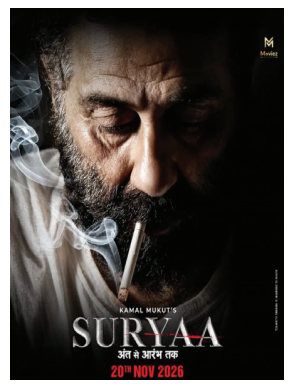
हाल ही में बिग बॉस-20 में अभिनेत्री माही विज से साथी प्रतियोगी काजी तौकीर ने उनकी प्रेम कहानी के बारे में मजाकिया अंदाज में सवाल पूछा, जिस पर माही विज शर्मा गईं। तौकीर ने पूछा कि क्या कोई भी व्यक्ति उनसे संपर्क कर सकता है। इस सवाल के जवाब में माही ने कहा, नहीं, कोई मुझसे संपर्क नहीं कर सकता। मैं सबके लिए उपलब्ध नहीं हूं।

उनके इस जवाब ने चर्चा को और हवा दी, खासकर ऐसे समय में जब उनके निजी जीवन को लेकर अटकलें तेज हैं। इसके बाद काजी ने माही से और जानकारी लेने की कोशिश की, यह जताते हुए कि शायद वह कुछ चुनिंदा लोगों में ही दिलचस्पी रखती हों। उन्होंने माही को चिढ़ाते हुए पूछा कि क्या वह तीन-चार लोगों में से किसी को चुनेंगी या कोई उसे सीधे शादी का प्रस्ताव दे सकता है। काजी के लगातार मजाक उड़ाने पर माही मुस्कुराती और शर्माती नजर आईं, लेकिन अपनी बात पर कायम रहीं। उन्होंने यह भी सवाल किया कि उनके पास कितने विकल्प हैं, यह इशारा करते हुए कि माही की प्रतिक्रिया से शायद यह पता चलता है कि उनकी जिंदगी में कोई खास है या उन्हें कई लोगों का ध्यान मिल रहा है, हालांकि माही ने किसी में दिलचस्पी होने की बात स्वीकार नहीं की। उस समय उदिति भी उनके आसपास ही थीं, जिन्होंने टिप्पणी की कि शायद माही का कोई खास इंसान यह शो देख रहा होगा। यह हल्की-फुल्की बातचीत जनवरी 2026 में माही और टेलीविजन अभिनेता जय भानुशाली द्वारा अपने 14 साल के वैवाहिक जीवन के अंत की घोषणा के कुछ महीनों बाद हुई है।

पूर्व दंपति की एक बेटी तारा है और वे अपने गोद लिए बच्चों खुशी और राजवीर की परवरिश भी कर रहे हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब उनके प्रशंसकों को उनके निजी जीवन को लेकर उत्सुकता है और वे उनके अगले कदम का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच, जय भानुशाली ने हाल ही में बताया कि बिग बॉस 20 में माही विज की भागीदारी ने उन्हें अपनी बेटी तारा के साथ अधिक समय बिताने का अवसर दिया है। इंस्टाग्राम पर अपने प्रशंसकों से बातचीत के दौरान जय ने बताया कि माही की अनुपस्थिति में तारा के साथ अधिक समय बिताने से उनका और तारा के साथ रिश्ता और मजबूत हो गया है। उन्होंने यह भी बताया कि वह माही को रियलिटी शो में जारी रखना चाहते थे।

सूर्या: का दमदार टीज़र रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल के जन्मदिन पर उनकी आगामी फिल्म 'सूर्या- अंत से आरंभ तक' का दमदार टीज़र रिलीज कर दिया गया है। एम. पद्मकुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सनी देओल एक बिल्कुल अलग और गंभीर अंदाज में नजर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी एक ऐसे शख्स के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने अतीत के दर्द से जूझते हुए मेडिकल सिस्टम के भीतर छिपी एक बड़ी साजिश का पर्दाफाश करने निकलता है। क्राइम थ्रिलर से भरपूर टीज़र में भावनात्मक उतार-चढ़ाव, जांच-पड़ताल, रहस्य और एक्शन की झलक देखने को मिलती है। 19 अक्टूबर को सनी देओल के जन्मदिन के मौके पर फिल्म के निर्माताओं ने इसका टीज़र जारी किया। इससे पहले फिल्म के मोशन पोस्टर को दर्शकों और अभिनेता के प्रशंसकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। पोस्टर में सनी देओल का रफ एंड टफ लुक, चेहरे पर उम्र का असर और उनकी गंभीर नजरें चर्चा में रही थीं। अब टीज़र ने फिल्म की कहानी को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है। टीज़र से संकेत मिलता है कि 'सूर्या' की कहानी केवल एक व्यक्ति के संघर्ष तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके तार एक ऐसे सिस्टम से जुड़े हैं।



कबूतर में मुख्य भूमिका निभाएंगे नवाजुद्दीन सिद्दीकी

बॉलीवुड के लेखक-निर्देशक इशान शर्मा की पहली फीचर फिल्म कबूतर में बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य भूमिका निभाते नज़र आएंगे। इस अनोखी फिल्म की मुख्य शूटिंग 2027 की शुरुआत में दिल्ली में शुरू होने वाली है, जो पुरानी दिल्ली की जर्जर होती इमारतों और वहां की अनूठी दुनिया की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। कबूतर का निर्माण निखिल चौधरी की कंपनी एमडीसी फिल्मवर्क्स कर रही है। यह भारत, फ्रांस और नॉर्वे के बीच एक महत्वाकांक्षी अंतरराष्ट्रीय सह-निर्माण है, जिसमें भारत की एमडीसी फिल्मवर्क्स, फ्रांस की हायकू फिल्म्स और नॉर्वे की रैन फिल्म शामिल हैं। भारतीय पक्ष से रोहित सक्सेना सह-निर्माता की भूमिका निभा रहे हैं। कबूतर की कहानी महबूब नाम के एक सड़कछाप जासूस के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी ज़िंदगी में अनोखे तरीके से काम करता है। महबूब गुप्त रूप से जिन्न के नाम लिखे गए खत पढ़ता है, ताकि संभावित ग्राहक तलाश सके।

इसी दौरान उसकी मुलाकात नाओको से होती है, जो जापान से आई एक पर्यटक है और अपने अतीत के दर्द से जूझ रही है। कहानी में रूबी नाम का एक छोटा बच्चा भी है, जो अपने माता-पिता की तलाश में है। फिल्म में अनोखेपन, भावनात्मक गहराई और मानवीय अनुभवों के विरोधाभासों को एक अलग अंदाज़ में पेश किए जाने की उम्मीद है, और इस फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपने अभिनय का एक बिल्कुल नया पहलू दिखाते नज़र आएंगे।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी को फिल्म में मुख्य भूमिका के लिए चुने जाने पर निर्माता निखिल चौधरी ने कहा, नवाज़ असाधारण अभिनय क्षमता वाले कलाकार हैं। वह गैंग्स ऑफ वासेपुर में खतरनाक नज़र आ सकते हैं, तो द लंचबॉक्स में उनका अभिनय दिल को छू लेने वाला और बेहद कोमल हो सकता है। वह उन चुनिंदा भारतीय अभिनेताओं में से हैं, जिनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मजबूत पहचान है। उनकी फिल्में कई बार कान फिल्म महोत्सव तक पहुंची हैं और उन्हें इंटरनेशनल एमी के लिए भी नामांकित किया गया है। भारत-फ्रांस-नॉर्वे के सह-निर्माण वाली फिल्म कबूतर को दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंचाने के लिहाज़ से यह बेहद अहम है। उन्होंने आगे कहा, इसके अलावा, नवाज़ दिल्ली को गहराई से जानते हैं। इशान और मेरे लिए यह फिल्म इस शहर के प्रति प्रेम-पत्र की तरह है। हमें ऐसे अभिनेता की ज़रूरत थी, जो दिल्ली को समझ सके, उसे महसूस कर सके और अपने अभिनय में जीवंत कर सके। नवाज़ ये तीनों खूबियां रखते हैं। पिछले कई वर्षों में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने भारतीय सिनेमा के सबसे विशिष्ट अभिनेताओं में अपनी जगह बनाई है। जटिल, असामान्य और गहराई से मानवीय किरदारों को सहजता से निभाने की उनकी क्षमता ने उन्हें खास पहचान दिलाई है। उनकी चर्चित फिल्मों में अनुराग कश्यप की गैंग्स ऑफ वासेपुर, रितेश बत्रा की द लंचबॉक्स और नंदिता दास की मंटो शामिल हैं।



उड़ता तीर मूवी रिव्यू : आयुष्मान खुराना की कॉमेडी और कन्फ्यूजन से भरपूर फिल्म, हंसते-हंसते हो जाएंगे लोटपोट

कल्पना कीजिए कि पाकिस्तान का एक खुफिया एजेंट भारत में एक हादसे का शिकार हो जाता है और अपनी याददाश्त खो बैठता है। होश में आने पर उसे लगता है कि वह भारत का काउंटर-इंटेलिजेंस ऑफिसर है। बस, इसी गड़बड़ी से शुरू होता है फिल्म 'उड़ता तीर' का मजेदार सफर, जहां गलतफहमियां, उलझनें और हास्यास्पद हालात एक के बाद एक सामने आते हैं। आकाश ए. कौशिक के निर्देशन और लेखन में बनी यह फिल्म अपनी मजेदार कहानी, चुटीले डायलॉग और शानदार कॉमिक टाइमिंग के दम पर दर्शकों को हंसाने की कोशिश करती है। फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक भी कई मौकों पर कॉमेडी का मजा बढ़ा देता है। 'उड़ता तीर' में जिस तरह की उलझनें दिखाई गई हैं, वे कई बार इतनी अजीब और मजेदार होती हैं कि हंसी अपने आप छूट जाती है। फिल्म के डायलॉग कहानी की जान हैं। कलाकारों की कॉमिक टाइमिंग और एक-दूसरे के साथ उनकी केमिस्ट्री सीन को मजेदार बनाती है। बैकग्राउंड म्यूजिक भी सही समय पर कॉमेडी के साथ मेल मिलाता है और कई सीन का असर बढ़ा देता है।



अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने मनोज बाजपेयी के बयान का किया समर्थन - कहा - नकारात्मकता से हटकर सकारात्मक नजरिया अपनाने की जरूरत



बॉलीवुड की बहुमुखी प्रतिभा की धनी अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने हाल ही में अपने सह-कलाकार और वरिष्ठ अभिनेता मनोज बाजपेयी के उस बयान का पूर्ण समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि किसी भी व्यक्ति को केवल उसके पेशे के आधार पर आंकना सही नहीं है। दिव्या दत्ता का मानना है कि समाज में हर क्षेत्र और पेशे में अच्छे और बुरे दोनों तरह के लोग मौजूद होते हैं, इसलिए कुछ व्यक्तियों की गलतियों के कारण पूरे विभाग या संस्था को कठघरे में खड़ा करना न्यायसंगत नहीं है। उनका यह बयान फिल्म उद्योग और आम जनता के बीच एक नई चर्चा को जन्म दे रहा है।

हाल के दिनों में मुंबई में अभिनेता टाइगर श्रॉफ के आवास के बाहर हुई गोलीबारी की घटना और दिल्ली-मुंबई में पुलिस प्रशासन की आलोचना के संदर्भ में मनोज बाजपेयी ने निष्पक्ष दृष्टिकोण रखने की बात कही थी। उसी मुद्दे पर आगे बढ़ते हुए दिव्या दत्ता ने कहा कि मनुष्य का स्वभाव अक्सर ऐसा होता है कि वह अच्छी और सकारात्मक बातों को नजरअंदाज कर देता है और नकारात्मक चीजों की ओर बहुत तेजी से आकर्षित होता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक हम किसी व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से नहीं जान लेते, तब तक केवल उसकी वर्दी या उसके पेशे को देखकर उसके चरित्र का फैसला करना अनुचित है।

दिव्या दत्ता ने इस बात पर चिंता जताई कि आजकल लोग सकारात्मक पहलुओं को पीछे छोड़कर नकारात्मक खबरों को जल्दी पकड़ लेते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस हो या कोई अन्य पेशा, उसमें कई ऐसे लोग होते हैं जो अपने कर्तव्य का पालन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करते हैं। ऐसे में कुछ काली भेड़ों की वजह से पूरे तंत्र पर सवाल उठाना उन लोगों के मनोबल को तोड़ता है जो दिन-रात निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा में लगे हुए हैं। इसलिए समाज को अपना नजरिया बदलने की सख्त जरूरत है।

काम की बात करें तो दिव्या दत्ता और मनोज बाजपेयी के साथ फिल्म गजब रात में अभिनय करते नजर आई। इस फिल्म को लेकर पहले काफी विवाद हुआ था और इसका शुरुआती शीर्षक घूसखोर पंडित रखा गया था, जिसे बाद में जनभावनाओं का सम्मान करते हुए बदलकर गजब रात कर दिया गया। रितेश शाह के निर्देशन में बनी और प्रसिद्ध निर्माता नीरज पांडे की कंपनी फाइडे स्टोरीटेलर्स द्वारा निर्मित यह फिल्म चर्चा का विषय बनी हुई हैं।





हेयर कलरिंग

से बदलें अपना रूप



फैशन और सौंदर्य एक दूसरे के पर्याय है। जिस प्रकार कपड़ों का फैशन दिन प्रतिदिन बदल जाता है उसी प्रकार मेकअप, स्टाइल और हेयर कट और स्टाइल का भी ट्रेड बदल जाता है। अगर आप बालों को एक नया रूप, नया स्टाइल देना चाहती है तो हेयर कलर एक बेहतरीन उपाय है। लेकिन हेयर कलर कराने से पहले आपको किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है आप भी जानिए। शुरूआत कुछ इस तरह करे।

रंगों के पहिए को घुमाएं और देखें कि कैसे-कैसे रंग बिखरते है-

पीला, नीला, लाल, बैगनी, नारंगी और हरा।

ये सभी प्राइमरी और सेकेंडरी रंग है जो हमारे बालों को एक नया रूप देने में काम आते है। जैसा कि हम सभी जानते है कि आज हेयर कलरिंग, हाइलाइटिंग और स्ट्रीकिंग आदि फैशन में है। इसकी शुरुआत आज से दस साल पहले हो गई थी जब सुनहरे बालों वाली अपने बालों को कॉपर और रेड रंग से स्ट्रीकिंग करती थीं लेकिन अब काले बालों वाली लड़कियां भी अपने बालों को विभिन्न रंगों से संवार रही है।

आजकल बालों का जो वास्तविक रंग है उसे पूरी तरह बदलकर दूसरे रंगों का प्रयोग का चलन काफी बढ़ गया है। बड़े परदे पर दिखने वाली तमाम अभिनेत्रियों के बालों का रंग हर तीन-चार माह में बदल जाता है। इसके पीछे भी कारण यही होता है- बालों के वास्तविक रंग को ट्रांसफॉर्म कर देना।

बालों को कलर कराने में सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि जो भी कलर कराएं वह आपके रंग, चेहरे और व्यक्तित्व को पूरी तरह सूट करे। इसलिए अलग-अलग स्किन टोन के मुताबिक हेयर कलर कराने पर आप अपने रूप को पूर्णतया बदल सकती है।

गोरी रंगत

अगर आप गोरी है तो बहुत भाग्यशाली है। आप सौम्यता और ठंडक का एहसास दिलाने वाले कलर्स जैसे कि आप ब्लॉन्ड कलर्स करा सकती है, जो इस समय सबसे ज्यादा फैशन में है। गोरी युवतियों पर कॉपर और लाल रंग से हाइलाइटिंग बहुत अच्छी लगती है। इसके अलावा कॉलेज जाने वाली लड़कियां फंकी कलर्स का भी प्रयोग कर सकती है जैसे आधा ब्लॉन्ड और आधा रेड।

गेहुंआ रंग

गेहुएं रंग वाली युवतियों पर कॉपर और ब्लॉन्ड की हाइलाइटिंग बहुत फबती है। ऐसी रंगत वाली लड़कियां अगर पूरे बालों को रंगना या कलरिंग कराना चाहती है तो उन पर ऑबर्न या चेस्टनट या फिर माहोगनी की गहरी टोन ज्यादा सूट करेगी। अगर वे ब्लॉन्ड या कॉपर कलर से हालाइटिंग कराती है तो इस नए प्रयोग के लिए उन्हे अपने को ज्यादा आकर्षक दिखाने के लिए पूरे रूप को संवारना होगा।

सांवली रंगत

सांवली रंगत के लिए कुछ डीप जोन हाइलाइटिंग ज्यादा सूट करती है जैसे- पर्पल, रेड, और रेड पैशन से हाइलाइटिंग।

बालों को कलर कराने के बाद उनकी सही देखभाल बहुत जरूरी होती है, क्योंकि हर कलर में थोड़े-बहुत केमिकल जरूर होते है। बालों को अत्यधिक रूखा और बेजान होने से बचाने के लिए और कलर को कई दिनों तक बरकरार रखने के लिए उसकी जरूरी देखभाल जरूर करे।

कैसे करे देखभाल

कलर बालों की देखभाल के लिए आपको हफ्ते में एक बार सिर्फ दस मिनट का समय निकालना होगा। इसके लिए कलर शैंपू, कंडीशनर और डीप इंटेसिव हेयर मास्क का इस्तेमाल बेहतर होता है। कलर बालों की देखभाल के लिए लोरियल, क्यूने और यूरोप की एक ब्रांड इकोजलाइन के हेयर प्रोडक्ट काफी अच्छे माने जाते है।

गर्मी में आपके कलर्ड हेयर अतिरिक्त देखभाल मांगते है, क्योंकि धूप से भी आपके बालों को काफी नुकसान पहुंचता है। इसलिए कलर शैंपू करने के बाद बालों पर लीव-ऑन कंडीशनर लगा सकती है, जो सूर्य की अल्ट्रावायलट किरणों से बालों को सुरक्षा प्रदान करेगा।

जिनके बाल घुंघराले और बेजान हों, उन्हे नियमित देखभाल की विशेष जरूरत होती है। उन्हे ऐसे हेयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल करना चाहिए जो बालों को एक फर्म, या मजबूती प्रदान कर उनमें लचीलापन और चमक भी लाए।

जो स्त्रियां लगातार अपने बालों में कलरिंग, स्ट्रेटनिंग या री-बॉडिंग कराती है उन्हे किसी अच्छे पार्लर में एक्सपर्ट के जरिए रिकंस्ट्रक्शन प्रोग्राम लेना चाहिए। यह प्रोग्राम बालों में पूर्णतया नई जान डालेगा।

स्वस्थ रहे आपके बाल

यह बात हमेशा ध्यान रखें कि बालों को प्रोटीन की बहुत जरूरत होती है। अगर आपका खानपान बेहतर होगा तो उसकी झलक आपके बालों में जरूर दिखेगी। आपके बालों में एक अलग ही चमक होगी। आप ध्यान दें कि बाजार में बालों की देखभाल, विकास और उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए जितने भी उत्पाद उपलब्ध है वे ज्यादातर प्रोटीन बेस्ड होते है।

बालों के लिए विटामिन बी बहुत महत्वपूर्ण है। आपने हेयर प्रोडक्ट्स पर पैनथेनॉल का नाम जरूर पढ़ा होगा। यह बी कॉम्पलेक्स और प्रोटीन के जरिए आपके बालों को स्वस्थ और मुलायम बनाता है।

तो फिर आप बेफिक्र अपने बालों को दें अपना पसंदीदा रंग और बदल डालें पुराने स्टाइल को। इससे न सिर्फ आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा बल्कि आपमें गजब का आत्मविश्वास भी जगेगा।

हाथों की शान बढ़ाते कंगन

कपड़े और एक्सेसरीज के साथ ही दुल्हन के लिए खास होते है कंगन। मॉर्केट में मौजूद है इनकी ढेरों डिजाइनर वैरायटीज..

शादी में दुल्हन के लिए जितना क्रेज लहगे का होता है, उससे कई गुना अधिक वो ध्यान देती है कंगन की खरीददारी में। लहगे की अहमियत तो जयमाल के समय होती है लेकिन कंगन शादी के कई माह बाद तक नववधू के हाथों की शोभा बढ़ाते है। नई-नवेली दुल्हन जींस, सलवार और साड़ी के साथ शादी में पहने गए कंगनों को शान से धारण करती है।

सदाबहार प्लेन कंगन

शिवाला के चूड़ी विक्रेता राशिद बताते है, प्लेन कंगन हमेशा डिमाड में रहते है। लाल रग शादी में शुभ माना जाता है इसलिए भले ही नववधू कितने ही डिजाइनर कंगन क्यों न खरीदें लेकिन वह लाल व महरून कंगनों को खरीदना नहीं भूलती। फैशन के लिहाज से भी यह कंगन सदाबहार रहते है। इनकी बिक्री पूरे वर्ष बनी रहती है।

हर ड्रेस से मैचिंग

अगर प्लेन से अलग स्टाइलिश लुक चाहती है तो नग वाले कंगनों का चयन बेहतर रहेगा। यह मेटल और लाख दोनों में ही आते है। जूइँल्रि डिजाइनर सुपर्णा निगम बताती है अगर आप ट्रेड के हिसाब से कंगनों का चयन करती है तो मेटल वाले कंगनों के बीच में लाख के नग वाले कंगनों को ट्राय कर सकती है।

पारपरिक है बीकानेरी

धनकुट्टी स्थित श्रीकृष्णा बुटीक की फैशन डिजाइनर सारिका अग्रवाल कहती है, शादी में पारपरिक बीकानेरी कंगनों की डिमाड खास होती है। चटख रगों के इन कंगनों की विशेषता है कि इनका रग फेड नहीं होता। लाल और महरून रग के बीकानेरी कंगन उत्तर भारत में शादी के अवसर पर नई दुल्हन के लिए शुभ माने जाते है।

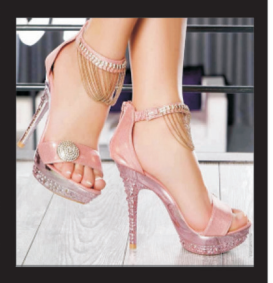


लिखवाएं दिल की बात

बिसाती बाजार के चूड़ी विक्रेता नईम भाई बताते है, इन दिनों जीवन साथी का नाम कंगनों पर लिखवाने का ट्रेड जोरों पर है। हमारे पास बहुत सी ऐसी ग?र्ल्स आती है जो कंगनों पर अपना और अपने होने वाले पति का नाम या दिल बनवाती है। यह काम ऑर्डर पर किया जाता है और नगों के हिसाब से इसका चार्ज कंगनों की कीमत से अलग लिया जाता है।

हिट हैं हाई हील्स

गर्मी की दस्तक के साथ ही बदल गया है फुटवेयर का अंदाज। हाई हील्स है इन दिनों फैशन में। दरअसल स्मार्ट समर फैशनेबल आउटफिट्स के साथ परफेक्ट कांबिनेशन हैं हाई हील्स। हाई हील पहनने से लंबाई अधिक व फिगर स्लिम प्रतीत होता है और खूबसूरत दिखने का आत्मविश्वास पैदा होता है। इस तरह फैशनेबल एक्सेसरी के साथ ही आत्मविश्वास बढ़ाने के लिहाज से भी हाई हील्स का चुनाव है उपयुक्त। स्टिलटो, पम्प इत्यादि स्टाइल्स में से आप अपनी पसंद के अनुरूप कुछ भी चुन सकती हैं। यह फैशन का ही असर है कि इन दिनों बाजार में हाई हील्स में कलर्स और डिजाइन्स की व्यापक रेंज उपलब्ध है। लुई वितां, शैनल, गुच्ची, जिम्मी चू जैसे बड़े व छोटे विभिन्न ब्रांड्स ने रेड, ब्लू, पिंक, ग्रीन जैसे मनचाहे सिंगल कलर्स के साथ ही एनीमल व फ्लोरल प्रिंट्स में पेश की हैं आकर्षक हाई हील फुटवेयर। इनके अलावा फ्रंट में स्ट्रैप से लेकर दो कलर्स के कांबिनेशन वाली हाई हील्स भी है युवतियों के बीच बेहद लोकप्रिय। अब आपको क्या पसंद है, यह आप स्वयं तय करें।



शाइनिंग सनग्लासेज

सनग्लासेज सिर्फ फैशनेबल एक्सेसरी नहीं है। आंखों की सुरक्षा के लिहाज से इनका इस्तेमाल है बेहद जरूरी। नंगी आंखों से सूरज की ओर देखते हैं तो पराबैंगनी किरणों के विकिरण से उत्पन्न अतिरिक्त ऊर्जा के कारण तकलीफ होती है। इससे राहत का सबब हैं पोलराइज्ड एंटी ग्लेयर सनग्लासेज। ये सुरक्षा परत की तरह काम करते हैं। इनके लेंस में मौजूद छोटी-छोटी हॉरीजेंटल स्ट्राइप्स उस चमक को बीच में रोक देती हैं, जो सतह से टकराकर परावर्तित होती हैं। वहीं फोटोक्रोमिक लेंस में सिल्वर क्लोराइड या सिल्वर हैलाइड यौगिक होता है। जब पराबैगनी किरणें उससे टकराती हैं तो एक विशेष प्रतिक्रिया उत्पन्न होती है। यही वजह है कि धूप में आने पर फोटोक्रोमिक लेंस का रंग गहरा हो जाता है। लेंस के बाद अब बारी आती है फैशन की। आजकल ड्रेस की मैचिंग के सनग्लासेज हैं युवाओं की पसंद। उनका चयन चेहरे के आकार के अनुसार करना चाहिए। पतले और स्ट्रेट चेहरे पर छोटे सनग्लासेज फबते हैं, जबकि बड़े चेहरे पर चौड़े सनग्लासेज भाते हैं। वहींगोरे रंग के लोगों पर गहरे शेड्स के सनग्लासेज जंचते हैं, जबकि गहरी रंगत पर गहरे शेड्स को छोड़कर किसी भी कलर के सनग्लासेज खूबसूरत लगते हैं।

